हिन्दी दैनिक
प्रत्यूष नवबिहार
जोहार
रांची संस्करण
www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com
रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित
रांची ● रविवार ● 09.08.2026 ● वर्ष : 17 ● अंक : 19 ● पृष्ठ : 12 ● मूल्य : 4 रुपये
RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

उद्घाटन समारोह

अनुभव करने के लिए QR को स्कैन करें

महोत्सव के मुख्य आकर्षण

- मांदर और नगाड़े की थाप पर पारंपरिक लोकनृत्य
- पारंपरिक जनजातीय खान-पान
- AI पर आधारित विशेष आकर्षण
- वृत्तचित्र, फिल्म महोत्सव एवं भव्य ड्रोन शो
- स्वतंत्रता सेनानी विरासत विषयगत प्रदर्शनी एवं कला-शिल्प प्रदर्शनी
- झारखण्ड की चित्रकला शैलियाँ एवं 5D इमर्सिव जोन
- जतरा
- आदिवासी साहित्य एवं पुस्तक मेला

झारखण्ड आदिवासी महोत्सव

9-10 अगस्त
मोरहाबादी मैदान, रांची
2026

मुख्य अतिथि
श्री संतोष कुमार गंगवार
माननीय राज्यपाल, झारखण्ड

विशिष्ट अतिथि
श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

तथा

माननीय मंत्रीगण, माननीय सांसदगण, माननीय विधायकगण एवं अन्य गणमान्य अतिथियों की गरिमामय उपस्थिति में

दिनांक: 9 अगस्त, 2026 | समय: अपराह्न 01:30 बजे से
स्थान: मोरहाबादी मैदान, रांची

समारोह में आपकी उपस्थिति सादर प्रार्थित है

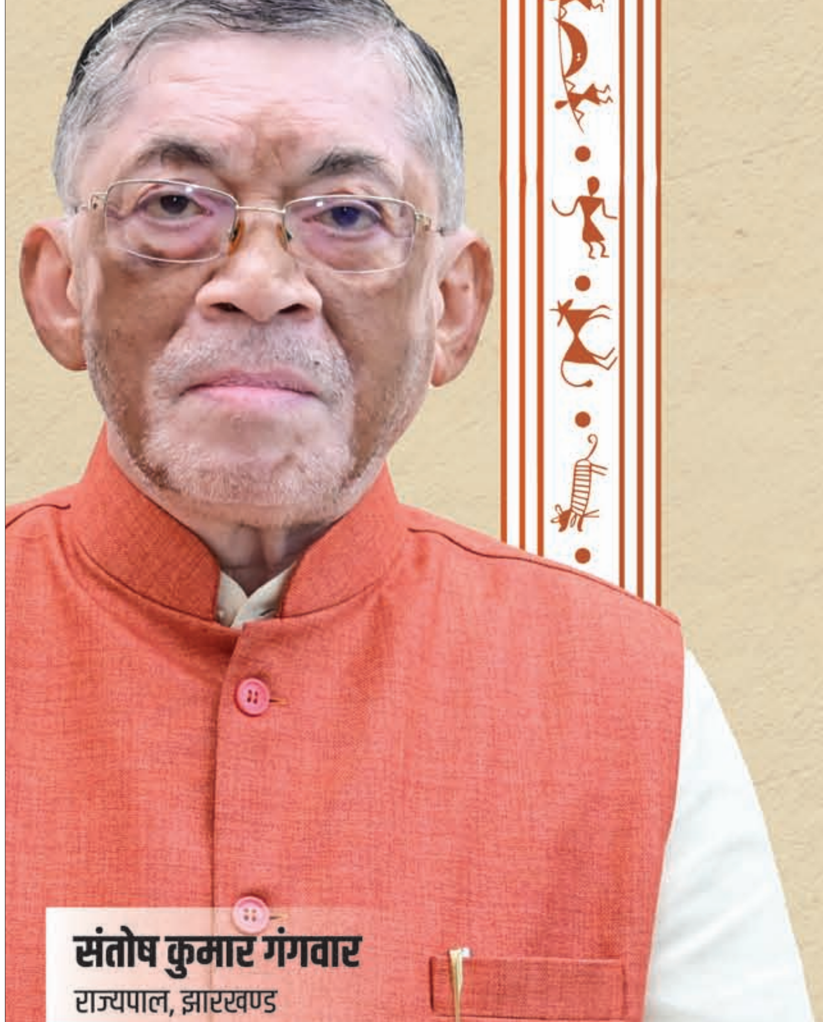
संतोष कुमार गंगवार
राज्यपाल, झारखण्ड

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड
PR- 386953 (IPRD) 26-27

एक नजर

प्रतियोगिता परीक्षा के जरिए प्रतिभावान बच्चों की होगी पहचान, डीके ट्रस्ट करेगा मदद

बरही : एजुकेशनिस्ट फोरम (डीके ट्रस्ट) की एक महत्वपूर्ण बैठक गुड़ियों में पूर्व जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि मो. कैयूम की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक का संचालन ट्रस्ट के उपाध्यक्ष विनोद कुमार ने किया। बैठक में मुख्य रूप से उन बच्चों को चिन्हित करने का निर्णय लिया गया जिनमें पढ़ाई का टैलेंट है लेकिन आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण बीच में पढ़ाई छोड़ देते हैं। साथ ही गरीब और पिछड़े वर्ग के मेधावी बच्चों को सहयोग देने पर भी चर्चा हुई।

निर्णय लिया गया कि प्रत्येक विद्यालय में प्रतियोगिता परीक्षा आयोजित कर प्रतिभावान बच्चों को चिन्हित किया जाएगा और उन्हें पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया जाएगा। डीके ट्रस्ट ने कहा कि चिन्हित किए गए बच्चों की हर संभव मदद ट्रस्ट द्वारा की जाएगी। इस अवसर पर अल्पसंख्यक कल्याण महा समिति अध्यक्ष मो. कैयूम, उप प्रमुख देवलाल कुशवाहा, ट्रस्ट उपाध्यक्ष विनोद कुमार, मुखिया दशरथ यादव, पूर्व उप मुखिया शाहदेव शर्मा, जिब्राइल अंसारी, सुरेश कुशवाहा, उमेश यादव, पीयूष यादव, कांति देवी, छोटी यादव, विजय यादव सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। बैठक में शिक्षा को बढ़ावा देने और प्रतिभाओं को आगे लाने के लिए सामूहिक प्रयास करने का संकल्प लिया गया।

प्लस टू उच्च विद्यालय बरही प्रबंधन समिति के अध्यक्ष बने मोती

बरही : झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद् रांची के निदेर्शानुसार प्लस टू उच्च विद्यालय स्कूल के सभागार में विद्यालय प्रबंधन समिति का पुनर्गठन को लेकर शुक्रवार को विद्यालय में अध्यनरत छात्र – छात्राओं के अभिभावकों के साथ एक बैठक की गई। जिसमें मुख्य रूप से स्थानीय मुखिया शमशेर आलम शामिल हुए। वहीं बैठक में सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद के लिए मोती सिंह एवं उपाध्यक्ष पद के लिए विमला देवी का चयन किया गया, जबकि 19 अन्य सदस्यों का भी चयन किया गया। इस चयन प्रक्रिया में विद्यालय के सभी शिक्षकों ने महत्पूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर मुखिया शमशेर आलम ने विद्यालय प्रबंधन समिति के नवनियुक्त अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं समिति के सदस्यों को शुभकानाएं दी। मौके पर विद्यालय के शिक्षक समेत कई अन्य महिलाएं मौजूद थी।

थाना परिसर में जागरूकता अभियान, घरेलू हिंसा और अंधविश्वास के खिलाफ महिलाओं को किया जागरूक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

दारू : समाज में बढ़ते अपराध, घरेलू हिंसा, डायन-भूत जैसी अंधविश्वास से जुड़ी कुरीतियों और साइबर अपराध के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से शनिवार को दारू थाना परिसर में जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। अभियान में बड़ी संख्या में महिलाओं के साथ स्थानीय लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान लोगों को कानून की जानकारी देने के साथ-साथ अपराध से बचाव के लिए स्वयं सतर्क रहने की अपील की गई।

जागरूकता अभियान में मुख्य रूप से घरेलू हिंसा, डायन-भूत प्रतिषेध अधिनियम, साइबर अपराध तथा वर्तमान समय में बढ़ रहे छोटे-छोटे अपराधों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। लोगों को बताया गया कि अपराध होने के बाद कार्रवाई करने से बेहतर है कि अपराध की आशंका को पहले ही पहचान लिया जाए और समय रहते सावधानी बरती जाए। यदि व्यक्ति अपने आसपास की परिस्थितियों को लेकर जागरूक और सतर्क रहे तो कई तरह की आपराधिक घटनाओं को होने से पहले ही रोका जा सकता है। घरेलू हिंसा के खिलाफ महिलाओं को किया जागरूक

कार्यक्रम में घरेलू हिंसा को गंभीर सामाजिक समस्या बताते हुए महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने की अपील की गई। बताया गया कि किसी भी महिला के साथ मारपीट, मानसिक प्रताड़ना, धमकी, आर्थिक शोषण या अन्य प्रकार की हिंसा को सामान्य मानकर चुप रहना उचित नहीं है। महिलाओं को ऐसी परिस्थितियों में परिवार के विश्वसनीय सदस्यों, संबंधित अधिकारियों या पुलिस की सहायता लेने के लिए प्रेरित किया गया।

अभियान के दौरान यह संदेश भी दिया गया कि घरेलू हिंसा केवल परिवार का निजी मामला नहीं है, बल्कि यह महिला के सम्मान, सुरक्षा और अधिकारों से जुड़ा गंभीर विषय है। समाज के लोगों को भी ऐसी घटनाओं को नजरअंदाज करने के बजाय पीड़ित व्यक्ति का सहयोग करने और जरूरत पड़ने पर कानून की मदद लेने के लिए आगे आने की आवश्यकता है।

डायन-भूत के अंधविश्वास से समाज को मुक्त करने की अपील

जागरूकता अभियान में डायन-भूत जैसी अंधविश्वास की धारणा को समाज के लिए गंभीर चुनौती बताया गया। लोगों को समझाया गया कि अंधविश्वास के कारण समाज में कई तरह की कुरीतियां जन्म लेती हैं और बिना किसी आधार के किसी व्यक्ति के प्रति गलत धारणा बनाई जा सकती है।

कई बार अंधविश्वास के कारण किसी महिला या अन्य व्यक्ति को समाज में अलग-थलग कर दिया जाता है तथा उसे मानसिक और सामाजिक प्रताड़ना का सामना करना पड़ता है। ऐसी सोच न केवल सामाजिक सौहार्द को नुकसान पहुंचाती है, बल्कि संबंधित व्यक्ति के मानवाधिकारों का भी हनन करती है। लोगों से अपील की गई कि किसी भी बीमारी, परेशानी या असामान्य घटना को अंधविश्वास से जोड़ने के बजाय वैज्ञानिक सोच और उचित जानकारी का सहारा लें।

उपायुक्त ने शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल का किया औचक निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : उपायुक्त हेमन्त सती ने शनिवार को शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जन औषधि केंद्र को अन्य उपयुक्त स्थान पर शिफ्ट करने तथा मरीजों की सुविधा हेतु फामेर्सी सेंटर के 5 दवा वितरण केंद्र अलग-अलग स्थानों पर संचालित करने का निर्देश दिया। एमटीसी केंद्र में बिना स्टाम्प दवा लिखे जाने पर डीआरसीएचओ से स्पष्टीकरण मांगने और रजिस्टर प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। पैथोलॉजी में लापरवाही पाए जाने पर रजिस्ट्रेशन कर्मी को हटाया गया, भुगतान के लिए ऑनलाइन-ऑफलाइन दोनों व्यवस्था, काउंटर बढ़ाने, जांचों के नाम स्पष्ट प्रदर्शित करने तथा ब्लड सैंपल कलेक्शन सेंटर को उपयुक्त जगह शिफ्ट करने को कहा। अस्पताल परिसर में साइनएज व माइकिंग सिस्टम लगाने और परिसर को दलाल मुक्त रखने का सख्त निर्देश दिया, संलिप्तता पर कार्रवाई की चेतावनी दी। एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड व सीपीआरओ मशीन उपलब्ध कराने, खराब मशीनों को शीघ्र ठीक कराने पर चर्चा की। सभी कर्मियों को यूनिफॉर्म में ड्यूटी करने, जिम्मेदारी से कार्य करने और पार्किंग व्यवस्था को परिसर से बाहर कर ट्रैफिक डीएसपी से समन्वय का निर्देश दिया। निरीक्षण में उप विकास आयुक्त रिया सिंह, मेडिकल सुपरिटेंडेंट, सिविल सर्जन सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

पुलिस और गैंगस्टर प्रिंस खान के गुर्गे के बीच गोलीबारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : वीते 25 जुलाई को 13 माईल ट्रांसपोर्ट रोड बड़कागांव हजारीबाग मुख्य सड़क बुढ़ाना घाटी पुलिया के समीप में दो हाईवा गाड़ी पर गैंगस्टर प्रिंस खान के गुर्गों द्वारा गोली कांड की घटना का अंजाम किया गया था। इस कांड में शामिल एक और आरोपित अपराधी की गिरफ्तारी हुई। जिस संबंध में बड़कागांव थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह ने बताया कि मामले को लेकर बड़कागांव थाना कांड संख्या-133/26 दर्ज किया गया था। इस दर्ज कांड में संदिग्ध अंकित कुमार पांडेय पिता - अरुण कुमार पांडेय, ग्राम - पिपराडीह, थाना - बड़कागांव, जिला - हजारीबाग को आवश्यक पूछताछ के लिए बड़कागांव थाना लाया। पूछताछ के क्रम में उसके मोबाइल फोन का जांच किया गया तो , पाया गया कि उसके द्वारा अपने मोबाइल फोन के टेलीग्राम एप के माध्यम से गैंगस्टर प्रिंस खान एवं प्रिंस खान गिरोह (ङ.र.र.) के सदस्यों के साथ चैट किया गया है। तथा पूछताछ के क्रम में उनके द्वारा अपना अपराध स्वीकार किया और बताया कि गैंगस्टर प्रिंस खान के निदेर्शानुसार बड़कागांव थाना क्षेत्र के 13 माइल बुढ़ना घाटी स्थित ट्रांसपोर्ट रोड में 25 जुलाई 2026 को रात्रि में अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर गोली बारी की घटना को अंजाम दिया था। एवं प्रिंस खान (K.S.S.) संगठन के नाम से पर्चा छोड़ने का काम किया था।साथ ही इनके द्वारा अपने अपराध स्वीकारोक्ति बयान में बताया कि पिपराडीह गांव के नजदीक स्थित बन्द पड़े गैस प्लांट में घटना कारित हथियार एवं बम को छुपाकर रखे हैं। साथ चलने पर बरामद करा सकते है। इसी क्रम में उक्त अभियुक्त के निशानदेही पर आज 8 अगस्त की रात्रि ग्राम पिपराडीह के नजदीक स्थित बन्द पड़े गैस प्लांट के पास हथियार एवं बम के बरामदगी के दौरान अभियुक्त अंकित पाण्डेय द्वारा पुलिस बल के जवान को अचानक धक्का देते बरामद पिस्तौल से पुलिस बल की ओर लक्षित करते हुए फायर कर दिया। पुलिस द्वारा अपना बचाव करते हुए आत्मरक्षार्थ में फायर किया गया, जिसमें अभियुक्त अंकित कुमार पांडेय के पैर में गोली लगी, तत्पश्चात वो वहीं गिर गया,जिसे पुलिस बल के द्वारा पकड़ लिया गया और ईलाज हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, बड़कागांव भेजा गया,जिसे वंहा से बेहतर ईलाज हेतु सदर अस्पताल हजारीबाग रेफर किया गया।

मध्य विद्यालय बरसोत बरही-1 में विद्यालय प्रबंधन समिति का गठन, कुमारी नीलम देवी बनी अध्यक्ष

सरस्वती वाहिनी माता समिति की संयोजिका बनी सोनी देवी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही प्रखंड स्थित मध्य विद्यालय बरसोत, बरही-1 में विद्यालय प्रबंधन समिति का गठन शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। विद्यालय प्रबंधन समिति की चुनाव प्रक्रिया बरसोत मुखिया मोतीलाल चौधरी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। पर्यवेक्षक के रूप में त्रिलोकी राणा, सहायक शिक्षक करियातपुर की देखरेख में चुनाव प्रक्रिया कराया गया। चुनाव प्रक्रिया में कुमारी नीलम देवी को विद्यालय प्रबंधन समिति का अध्यक्ष तथा मनोज प्रसाद कुशवाहा को उपाध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया गया। इसी प्रकार सोनी देवी को सरस्वती वाहिनी माता समिति की संयोजिका एवं पुष्पांजलि कुमारी को उप-संयोजिका चुना गया। विद्यालय प्रबंधन समिति के नामित एवं निर्वाचित सदस्यों में सोनी देवी, पुष्पांजलि देवी, साबी देवी, सोनी देवी, सरस्वती देवी, संजू देवी, नीलम देवी, रेखा देवी, नरेश रजक, सुनील रजक, गणेश गुईयाँ, मनोज प्र० कुशवाहा, गुलाब साव, मुंडिया देवी, मनोज साव, मोतीलाल चौधरी, शशिभूषण , नमिता देवी, सुशीला कुमारी, जगदीश प्रसाद शामिल हैं। इस अवसर पर पंचायत समिति सदस्य के प्रतिनिधि सुजीत कुमार, प्रधानाध्यापक शशि भूषण एवं अन्य अभिभावक, माता-पिता मौजूद थे। नव-निर्वाचित अध्यक्ष कुमारी नीलम देवी एवं उपाध्यक्ष मनोज प्र० कुशवाहा ने विद्यालय के शैक्षणिक वातावरण को बेहतर बनाने और विद्यालय के सर्वांगीण विकास के लिए सभी सदस्यों के साथ मिलकर कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया।

विश्व आदिवासी दिवस पर कौशल केंद्र में कार्यक्रम युवाओं को संस्कृति और विरासत संरक्षण का संदेश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर शनिवार को मुख्यमंत्री सारथी योजना के अंतर्गत संचालित दीन दयाल उपाध्याय कौशल केंद्र, पीपल ट्री वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड-मेगा कौशल केंद्र, रामनारायण यादव मेमोरियल महाविद्यालय, बरही में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आदिवासी समाज की समृद्ध संस्कृति, परंपरा, भाषा, कला और विरासत के प्रति युवाओं में जागरूकता बढ़ाना तथा देश के विकास में आदिवासी समुदाय के योगदान को सम्मान देना था। केंद्र प्रबंधक राहुल कुमार ने कहा कि आदिवासी समुदाय की विरासत भारत की सांस्कृतिक विविधता का अभिन्न हिस्सा है। उन्होंने युवाओं से शिक्षा और कौशल विकास के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने और समाज के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। इस दौरान प्रशिक्षुओं ने आदिवासी संस्कृति, भाषा, परंपरा और सामाजिक जीवन पर अपने विचार रखे। संस्कृति एवं विरासत के संरक्षण पर भी चर्चा हुई। कार्यक्रम में प्लेसमेंट मैनेजर राकेश कुमार, अजीत प्रभाकर, सतेंद्र कुमार, किरण कुमारी सहित सभी प्रशिक्षक एवं प्रशिक्षु उपस्थित थे। केंद्र प्रबंधन ने कहा कि कौशल प्रशिक्षण के साथ-साथ युवाओं को संस्कृति और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करना भी जरूरी है। कार्यक्रम का समापन आदिवासी विरासत के संरक्षण और युवाओं को सशक्त बनाने के संकल्प के साथ हुआ।

संक्षिप्त खबरें

जच्चा-बच्चा मौत मामले की जांच शुरू, टीम ने परिजनों का बयान दर्ज किया

बड़कागांव (प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता): सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बड़कागांव में जच्चा–बच्चा की मौत के मामले की जांच शुक्रवार को शुरू हो गई। हजारीबाग सिविल सर्जन के निर्देश पर गठित जांच टीम ने अस्पताल पहुंचकर टीम ने मृतिका खुशबू कुमारी ग्राम महुदी निवासी मुखलाल राणा की के चाचा सीताराम राणा का बयान दर्ज किया।और मामले से जुड़े तथ्यों को कलमबद्ध किया। विधानसभा सांसद मीडिया प्रतिनिधि उमेश दांगी से भी घटनाक्रम की जानकारी ली गई। मामले में जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी डॉ. एस.के. राजन के नेतृत्व में जांच की गई।टीम में हजारीबाग सदर प्रभारी डॉ. अमरेश कुमार , विष्णुगढ़ की महिला चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. शिवानी तथा डीएम दिवाकर अंबष्ठा शामिल थे। टीम ने अस्पताल की व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया। जांच टीम के प्रमुख डॉ. एस.के. राजन ने कहा कि मामला गंभीर है।सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है।जांच में जो भी दोषी पाए जाएंगे, उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। साथ ही अस्पताल की स्वास्थ्य व्यवस्था और प्रबंधन में आवश्यक सुधार सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा।जांच के दौरान मृतका के चाचा सीताराम राणा, समाजसेवी सह पत्रकार एवं सांसद मीडिया प्रतिनिधि उमेश दांगी, भाजपा मंडल अध्यक्ष शिवशंकर कुमार उर्फ शिबू तथा सत्यजीत विद्या अलंकार उपस्थित थे।

बादम कोल माइंस का मुआवजा शिविर रैयतों के हंगामे के बाद रद

बड़कागांव (प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता): जिला भू–अर्जन कार्यालय द्वारा बड़कागांव अंचल कार्यालय परिसर में एनटीपीसी बादम कोल माइंस परियोजना के जमीन अधिग्रहण से संबंधित मुआवजा वितरण हेतु एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया। हालांकि, स्थानीय ग्रामीण रैयतों के भारी विरोध और तीखी आपत्तियों के बाद इस शिविर को बीच में ही भंग कर दिया गया। मौके पर मौजूद जिला भू–अर्जन कार्यालय के अधिकारी दीनबंधु महतो ने ग्रामीणों के आक्रोश को देखते हुए आधिकारिक तौर पर शिविर के स्थगन की घोषणा की। शिविर शुरू होते ही बड़ी संख्या में पहुंचे प्रभावित ग्रामीण रैयतों ने प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए। ग्रामीणों ने कड़ा विरोध दर्ज कराते हुए कहा कि नियमानुसार बिना ग्राम सभा आयोजित किए और ग्रामीणों की सहमति लिए बिना कोल कंपनियों के लिए इस तरह का कोई भी मुआवजा या अधिग्रहण शिविर नहीं लगाया जाना चाहिए। इस दौरान भारी संख्या में एकत्र ग्रामीणों ने नारेबाजी की और अधिकारियों के समक्ष अपनी आपत्तियां रखीं।?माहौल की संवेदनशीलता को देखते हुए जिला भू–अर्जन से संबंधित अधिकारी कानूनगो दीनबंधु महतो के द्वारा तत्काल प्रभाव से शिविर को रद्द करने की बातें कहीं गई।

समाजसेवी के निजी खर्च से बेंदगी और कोयली गांव की जर्जर सड़कों का हुआ समतलीकरण

बरही (प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता): बरही प्रखंड अंतर्गत बेंदगी पंचायत के बेंदगी और कोयली गांव में लंबे समय से जर्जर पड़ी मुख्य सड़कों का समतलीकरण एवं मरम्मत कार्य समाजसेवी एवं पूर्व मुखिया प्रत्याशी दिनेश साव के द्वारा कराया गया। समाजसेवी दिनेश साव ने अपने निजी खर्च से जेसीबी मशीन लगवाकर यह कार्य कराया। दिनेश साव ने बताया कि बेंदगी गांव में धमना शंकर साव के घर से आईटीआई कॉलेज होते हुए बीच टोला शिव मंदिर तक की मुख्य सड़क काफी जर्जर एवं गड्ढनुमा हो गया था। जिसका समतलीकरण किया गया। वहीं कोयली गांव में रमजान मियां के घर से बजरंगबली मंदिर तक की जर्जर सड़क को जेसीबी से समतल कर आवागमन को सुगम बनाया गया। ग्रामीणों ने बताया कि सड़कें खराब और ऊबड़–खाबड़ होने के कारण बरसात में आवागमन में काफी परेशानी होती थी। मरीजों को अस्पताल ले जाने और बच्चों को स्कूल जाने में भी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। समतलीकरण के बाद अब लोगों को काफी राहत मिलेगी। इस मौके पर वार्ड सदस्य मनोज कुमार साव, पूनम देवी, परमेश्वर प्रजापति, कैलाश यादव, कृष्ण गिरी, प्रकाश यादव, मुन्ना यादव, रमजान मियां, मो. आफताब, मो. जफर, सुभाष प्रजापति, सद्दाम अंसारी, इम्तियाज अंसारी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। ग्रामीणों ने समाजसेवी दिनेश साव के इस पहल की सराहना की और कहा कि निजी स्तर पर सड़क सुधार का कार्य कर उन्होंने दोनों गांवों के लोगों की बड़ी समस्या का समाधान किया है।

एनएमएल पकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना द्वारा सक्षम आजीविका मिशन के तहत बटन मशरूम यूनिट का हुआ शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : स्थानीय समुदायों के लिए सतत आजीविका के अवसरों को बढ़ावा देने तथा आर्थिक सशक्तिकरण के उद्देश्य से एनएमएल पकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना द्वारा सक्षम आजीविका मिशन के तहत आज एक नए स्वचालित बटन मशरूम यूनिट का शुभारंभ किया गया। नए यूनिट का उद्घाटन पवन कुमार रावत, महाप्रबंधक (इन्फ्रा), एनएमएल पकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना द्वारा किया गया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के होड़स परियोजना के अधिकारी-कर्मचारी तथा सक्षम आजीविका मिशन से जुड़े लाभार्थी उपस्थित रहे। यह नया यूनिट परियोजना प्रभावित एवं आसपास के क्षेत्रों की ग्रामीण महिलाओं के लिए वैकल्पिक एवं टिकाऊ आजीविका के अवसर विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। स्वचालित बटन मशरूम यूनिट के माध्यम से आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए उत्पादन क्षमता बढ़ाने, उत्पादन प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने तथा लाभार्थियों के लिए आय के स्थायी स्त्रोत को मजबूत करने का प्रयास किया गया है। पकरी बरवाडीह द्वारा अगस्त 2025 में मशरूम उत्पादन कार्यक्रम की शुरूआत आजीविका विकास की पहल के रूप में की गई थी। कार्यक्रम की शुरूआत के बाद से इसमें उल्लेखनीय प्रगति हुई है। स्थानीय लाभार्थियों को मशरूम उत्पादन, इसकी देखभाल एवं संबंधित गतिविधियों में व्यावहारिक प्रशिक्षण एवं अनुभव प्राप्त हुआ है। समय के साथ यह पहल स्थानीय परिवारों की आय बढ़ाने और सतत आजीविका के अवसर सृजित करने की दिशा में एक प्रभावी माध्यम के रूप में उभर रही है। मौके पर उपस्थित लाभार्थियों ने एनएमएल द्वारा उन्हें उपलब्ध कराए जा रहे सहयोग एवं आजीविका संवर्धन से जुड़ी पहलों के प्रति आभार व्यक्त किया। स्वचालित यूनिट की शुरूआत से मशरूम उत्पादन कार्यक्रम को और मजबूती मिलने तथा लाभार्थियों को उत्पादन का विस्तार करने में सहायता मिलने की उम्मीद है। सक्षम आजीविका मिशन के माध्यम से एनएमएल पकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना लगातार कौशल विकास, स्वरोजगार, महिला सशक्तिकरण एवं सतत आजीविका सृजन पर विशेष ध्यान दे रही है। यह पहल स्थानीय समुदायों के समावेशी विकास तथा उनके सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण के प्रति एनएमएल की प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है।

बरही चौक पर दिशोम गुरु शिबू सोरेन को एनसीपी जिलाध्यक्ष ने दिया श्रद्धांजलि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : झारखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री और पद्म भूषण से सम्मानित दिशोम गुरु शिबू सोरेन की पुण्यतिथि के अवसर पर बरही चौक स्थित उनके तस्वीर पर एनसीपी नेताओं के द्वारा माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) के बैनर तले किया गया। श्रद्धांजलि सभा में एनसीपी के जिलाध्यक्ष महेश ठाकुर ने दिशोम गुरु की तस्वीर पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।

इस दौरान महेश ठाकुर ने कहा कि ₹दिशोम गुरु शिबू सोरेन झारखण्ड आंदोलन के प्रणेता और आदिवासी अस्मिता के प्रतीक थे। उन्होंने गरीबों, दलितों और आदिवासियों के हक-अधिकार के लिए अपना पूरा जीवन संघर्ष में समर्पित कर दिया। उनका योगदान झारखण्ड के निर्माण में अविस्मरणीय है।"उन्होंने आगे कहा कि दिशोम गुरु के दिखाए मार्ग पर चलकर ही हम झारखण्ड को विकास और सामाजिक समरसता के रास्ते पर ले जा सकते हैं। कहा कि बरही के विकास में एनसीपी अपना योगदान देगी। कार्यक्रम में एनसीपी के कई पदाधिकारी, कार्यकर्ता और स्थानीय लोग उपस्थित रहे और सभी ने दिशोम गुरु के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • रविवार • 09.08.2026 • वर्ष : 17 • अंक : 19 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 4 रुपये

RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

हेमन्त सोरेन ने शहीद निर्मल महतो के समाधि स्थल पर पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की

अमर शहीद निर्मल महतो का आदर्श, संघर्ष एवं विचार सदैव प्रेरणास्रोत रहेंगे : मुख्यमंत्री

- आदिवासी, मूलवासी, किसान एवं गरीबों के हक-अधिकारों की रक्षा करना संकल्प
- लोगों की एकजुटता एवं परस्पर सहयोग की भावना राज्य की सबसे बड़ी ताकत
- झारखंड वीरों की धरती, एक वीर की कहानी सुनाएंगे, तो दूसरे वीरों की कड़ियां जुड़ती चली जाएगी

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के जमशेदपुर (पूर्वी सिंहभूम) आगमन पर जिला प्रशासन की ओर से उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इस अवसर पर अधिकारियों ने मुख्यमंत्री का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया।

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन शनिवार को शहीद निर्मल महतो के 39वीं शहादत दिवस पर उलियान, जमशेदपुर स्थित समाधि स्थल पहुंचे। उन्होंने झारखंड आंदोलन के महानायक एवं अमर शहीद निर्मल महतो जी को श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने शहीद निर्मल महतो जी की प्रतिमा पर मल्यार्पण कर उन्हें शत्-शत् नमन किया। साथ ही उनकी याद में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि झारखंड की धरती वीरों की भूमि रही है। अमर शहीद निर्मल महतो जैसे महान आंदोलनकारियों और मार्गदर्शकों का जीवन समाज के लिए सदैव प्रेरणादायक रहेगा। लम्बे संघर्ष और अनगिनत आंदोलनकारियों के समर्पण के बाद झारखंड राज्य को अपनी अलग पहचान मिली है। वीर शहीदों के विचार और उनके आदर्श हमेशा समाज का मार्गदर्शन करते रहेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के आदिवासी, मूलवासी, किसान, गरीब और आम नागरिकों के हक-अधिकारों की रक्षा करना सरकार का प्राथमिक संकल्प है। शहीदों के त्याग, समर्पण और संघर्ष के मार्ग पर चलते हुए राज्य के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचाने का संकल्प निरंतर जारी रहेगा। जन-जन को विकास योजनाओं का लाभ दिलाने के साथ-साथ सामाजिक एकजुटता, भाईचारे और सौहार्द को मजबूत बनाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड की जनता की एकजुटता और परस्पर सहयोग ही इस राज्य की सबसे बड़ी ताकत है। शहीदों के सपनों के अनुरूप एक मजबूत, सुरक्षित और समृद्ध राज्य के निर्माण के लिए सभी को मिलकर बिना डरे, बिना रुके आगे बढ़ने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हर साल आज के दिन सुबह से लेकर शाम तक एक महान आंदोलनकारी, एक महान योद्धा के याद में लोग यहां पहुंचते हैं। अमर शहीद निर्मल महतो जी के बारे में कुछ भी कहा जाए बहुत कम होगा, लेकिन एक बात आज जरूर कहूंगा कि "जब तक सूरज-चांद रहेगा निर्मल महतो का नाम रहेगा" यह नारा हम सभी के लिए प्रेरणादायक बनता है।

शहीदों के प्रेरणा से जीवन के सफर में आगे बढ़ते रहेंगे

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने उपस्थित सभी लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हम सभी लोग इसी तरीके से अपने वीर शहीदों, मार्गदर्शकों को अपना प्रेरणा बनाते हुए अपने जीवन के सफर को तय करेंगे और मजबूती के साथ बिना डरे, बिना रुके आगे बढ़ते रहेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड के लोगों की एकजुटता को पूरा देश लोहा भी मानता है। आज हमारी इसी ताकत को, राज्य की एकजुटता को, बड़े योजनाबद्ध तरीके से अपना ताकत बनाने में कुछ षड्यंत्रकारी लोग लगे हैं, लेकिन चिंता मत कीजिए, जब-जब बाहर के लोगों ने यहां के लोगों पर आक्रमण करने की कोशिश की है, तब-तब यहां के लोगों ने एकजुटता दिखाकर उनसे लोहा लेने का भी काम किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हम सभी लोग वीर शहीद निर्मल महतो जी के चरणों पर शीश झुकाने आए हैं। इससे कुछ दिन पहले ही लम्बे समय तक हमलोगों के बीच मार्गदर्शक के रूप में रहे स्मृति शेष आदरणीय दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी की भी पुण्यतिथि थी। उस दिन भी हम सभी लोग बड़ी संख्या में एकजुट होकर उनको नमन किया और उनका आशीर्वाद लिया। उन्होंने कहा कि झारखंड वीरों की धरती है। एक वीर की कहानी सुनाएंगे, तो दूसरे वीरों की कहानी की कड़ियां जुड़ती चली जाएगी। आज के दिन हमसबों का यहां आना इस बात का परिचायक है कि जो वीर शहीद हमारे बीच आज शारीरीक रूप से नहीं हैं, लेकिन उनके विचार और आदर्श हमेशा हमारे जीवन में साथ चलेगा।

मौके पर विधायक सबिता महतो, विधायक समीर मोहंती, विधायक संजीव सरदार, विधायक सोमेश चंद्र सोरेन, पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता सहित अन्य गणमान्य एवं बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

जेपीएससी-जेएसएससी मामला : सरकार और छात्रों के बीच वार्ता बेनतीजा, धरना जारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षाओं में कथित अनियमितता और धांधली के खिलाफ आंदोलन कर रहे छात्र नेता देवेंद्रनाथ महतो गुट और सरकार के प्रतिनिधिमंडल के बीच शनिवार को मोरहाबादी स्थित स्टेट गेस्ट हाउस में हुई वार्ता किसी अंतिम और निर्णायक निष्कर्ष तक नहीं पहुंच सकी। हालांकि, बैठक सकारात्मक माहौल में हुई और सरकार ने छात्रों के साथ आगे भी वार्ता जारी रखने की इच्छा जताई।

बैठक में सरकार की ओर से मंत्री दीपिका पांडेय सिंह, सुदिव्य कुमार सोनू, चमरा लिंडा और संजय प्रसाद यादव शामिल हुए। वहीं, छात्र प्रतिनिधिमंडल में रामा अवतार महतो, दिनबंधु मंडल, चंदन रजक, विमल कुमार, प्रेम कुमार, रवि शंकर, अमित कुमार शर्मा और कमलेश चौधरी शामिल रहे।

छात्र प्रतिनिधियों की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, बैठक में उनकी विभिन्न मांगों को तथ्यों और साक्ष्यों के साथ सरकार के समक्ष रखा गया। मांगों के अलग-अलग बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा हुई, लेकिन किसी भी मांग पर बैठक के दौरान अंतिम निर्णय नहीं हो सका। बैठक के दौरान मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने छात्र नेता देवेंद्रनाथ महतो से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल समाप्त करने की अपील की। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकार जल्द ही इस मामले में सकारात्मक निर्णय की घोषणा करेगी। हालांकि, छात्र नेता की ओर से भूख हड़ताल समाप्त करने की कोई घोषणा नहीं की गई। देवेंद्रनाथ महतो की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शनिवार को सातवें दिन भी जारी रही।

देवेंद्रनाथ महतो ने शनिवार को झारखंड आंदोलन के शहीद निर्मल महतो को पुष्पांजलि अर्पित की और अपनी भूख हड़ताल का सातवां दिन उन्हें समर्पित किया। उन्होंने कहा कि शहीद निर्मल महतो के संघर्ष, त्याग और बलिदान से प्रेरणा लेकर छात्रों के न्यायपूर्ण आंदोलन को मजबूती से आगे बढ़ाया जाएगा।

एआईएसएफ-एआईवाईएफ ने कल झारखंड बंद का किया एलान

रांची : 14वीं झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) परीक्षा को लेकर विवाद के बीच अखिल भारतीय छात्र महासंघ (एआईएसएफ) और अखिल भारतीय युवा महासंघ (एआईवाईएफ) ने 10 अगस्त को झारखंड बंद का आह्वान किया है। छात्र संगठनों ने परीक्षा रद्द करने समेत छात्र-युवाओं से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर आंदोलन का ऐलान किया है। एआईएसएफ के प्रदेश सह सचिव अफजल दुरानी ने बयान जारी कर कहा कि 14वीं जेपीएससी परीक्षा को लेकर छात्रों और अभ्यर्थियों में भारी आक्रोश है।

सहायक बिशप आनंद डेविड खलखो के अभिषेक में शामिल हुए सीएम

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन शनिवार को डॉ. कामिल बुल्के पथ (पुरुलिया रोड), रांची स्थित आर्चबिशप हाउस में आयोजित रांची महाधर्मप्रांत के नवनियुक्त सहायक बिशप आनंद डेविड खाल्खो के अभिषेक एवं प्रतिष्ठापन समारोह में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने श्रद्धेय आनंद डेविड खाल्खो को नई जिम्मेदारी ग्रहण करने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं तथा उनके सफल कार्यकाल की कामना की। इस अवसर पर आर्चबिशप विंसेंट आइंद, फादर अजित कुमार खेस सहित अन्य धर्मगुरु एवं गणमान्य अतिथि उपस्थित थे।

एक नजर

अंजनी कुमार सहाय बने यूक्रेन में भारत के नए राजदूत

रांची : रांची निवासी अंजनी कुमार सहाय को यूक्रेन में भारत का नया राजदूत नियुक्त किया गया है। शुक्रवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में उन्हें औपचारिक रूप से नियुक्ति पत्र सौंपा। इसके साथ ही यूक्रेन में उनकी नई जिम्मेदारी संभालने की प्रक्रिया पूरी हो गई। विदेश मंत्रालय ने इससे पहले 7 जुलाई को अंजनी कुमार सहाय की यूक्रेन में भारत के राजदूत के रूप में नियुक्ति की घोषणा की थी। नियुक्ति प्रक्रिया पूरी होने के बाद राष्ट्रपति भवन में उन्हें आधिकारिक नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। नियुक्ति पत्र प्राप्त करने के बाद अंजनी कुमार सहाय शनिवार को अपने परिवार के साथ यूक्रेन के लिए रवाना होंगे।

हनी ट्रैप में फंसा एयरफोर्स का विंग कमांडर

नयी दिल्ली : दिल्ली पुलिस ने दो महीने पहले संवेदनशील रक्षा जानकारी साझा करने के आरोप में एयर फोर्स के एक विंग कमांडर को गिरफ्तार किया था। इस मामले में विंग कमांडर के खिलाफ आधिकारिक सुरक्षा अधिनियम यानी ऑफीसियल सीक्रेट एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। विंग कमांडर अभी न्यायिक हिरासत में है और पुलिस को शक है कि विंग कमांडर इकलौता नहीं है, बल्कि इस तरह के कई लोग इस तरह की जासूसी में शामिल हो सकते हैं। मिली जानकारी के अनुसार, एयरफोर्स का विंग कमांडर अपनी निजी जिंदगी के मुश्किल दौर से गुजर रहा था। इस दौरान सोशल मीडिया पर उसकी मुलाकात एक महिला से हो गई।

सोशल मीडिया और इंटरनेट 21वीं सदी का नशा, आपको फंसाया जा रहा है : राहुल गांधी

एजेंसी

प्रयागराज : नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी प्रयागराज पहुंचे है। बमरौली एयरपोर्ट से सीधे राहुल गांधी का काफिला आनंद भवन- स्वराज भवन पहुंचा। आनंद भवन-स्वराज भवन राहुल गांधी का पैतृक आवास है। राहुल गांधी शाम 6:00 बजे तक स्वराज भवन में रहेंगे। इस दौरान राहुल गांधी पार्टी के नेताओं से मुलाकात करेंगे। राहुल गांधी शाम 6:00 बजे से 8:30 बजे तक केपी ग्राउंड में छात्रों से संवाद कार्यक्रम गूंज में शिरकत करेंगे। राहुल गांधी के दौरे को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

राहुल गांधी के प्रयागराज में गूंज कार्यक्रम में भाषण के कुछ अंश मैं हर हिंदुस्तान के नागरिक, हर यूथ की बात कर रहा हूं। मैं इंडिविजुअल्स की बात कर रहा हूं। आप सब में इंटेलिजेंस है, इमेजिनेशन है, कैपेसिटी है। अगर ये देश आगे बढ़ेगा, तो आपके बल पर, आपकी स्ट्रेंथ पर ही इस देश का फ्यूचर बनेगा। हिंदुस्तान के पास सबसे बड़ा दुनिया में सबसे बड़ा यूथ का पॉपुलेशन है। 40 करोड़ युवा, आप जैसे युवा एनर्जेटिक युवा इस देश में रहते हैं। ये इस देश की स्ट्रेंथ है। चीन की बात होती है, अमेरिका की बात होती है, रशिया की बात होती है, इंडिया के यूथ के सामने, इंडिया के यूथ पोटेंशियल के सामने ये सब लोग कुछ नहीं है।

मुख्यमंत्री आज करेंगे झारखंड आदिवासी महोत्सव का उद्घाटन, वंदना दादेल ने तैयारियों का लिया जायजा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड की समृद्ध आदिवासी संस्कृति, परंपरा एवं विरासत को समर्पित दो दिवसीय आदिवासी महोत्सव 2026 का शुभारंभ आज मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन मोरहाबादी मैदान में करेंगे। रांची के मोरहाबादी मैदान में भव्य रूप से होगा। महोत्सव के सफल, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर अपर मुख्य सचिव, गृह विभाग वंदना दादेल ने शुक्रवार को आयोजन स्थल का विस्तृत निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान वंदना दादेल ने महोत्सव स्थल पर चल रहे निर्माण कार्यों एवं विभिन्न व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी तैयारियां निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरी करते हुए गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। साथ ही आयोजन के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो, यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

अपर मुख्य सचिव ने वीवीआईपी आवागमन, सुरक्षा व्यवस्था, स्वच्छता, यातायात प्रबंधन, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, पार्किंग एवं भीड़ प्रबंधन की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि महोत्सव में बड़ी संख्या में आने वाले आगंतुकों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए, इसके लिए सभी मूलभूत सुविधाएं सुदृढ़ रूप से उपलब्ध कराई जाएं।

इस दौरान उन्होंने मुख्य मंच, विभिन्न विभागों एवं संस्थाओं के स्टॉल, पार्किंग क्षेत्र सहित समस्त व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और संबंधित विभागों को आयोजन शुरू होने से पूर्व सभी तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए। वंदना दादेल ने कहा कि आदिवासी महोत्सव राज्य की सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय एवं गंभीरता के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने का निर्देश दिया।

निरीक्षण के दौरान कल्याण आयुक्त कुलदीप चौधरी, विशेष सचिव, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग राजीव लोचन बक्शी, संयुक्त निदेशक आनंद, निदेशक टीआरआई आलोक एस. कच्छप सहित कई अधिकारी उपस्थित थे।

आईआईटी दिल्ली के 57वें दीक्षांत समारोह में प्रधानमंत्री ने विद्यार्थियों को किया संबोधित, कहा-

नई राह की चुनौतियां ही बनती हैं नए अवसरों की सीढ़ी

एजेंसी

दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को आईआईटी दिल्ली के सोनीपत कैंपस में बनाई गई अक्-पावर्ड हाई-परफॉर्मेंस सुपरकंप्यूटिंग फैसिलिटी परम प्रज्ञा का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आईआईटी दिल्ली के 57वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा हर पीढ़ी का अपना एक राष्ट्रीय दायित्व भी होता है। हमारे देश ने गुलामी का वो समय भी देखा है जब उस पीढ़ी के सामने केवल एक ही लक्ष्य था, भारत की आजादी। उसके लिए उन्होंने लंबा संघर्ष किया।

पीएम मोदी ने कहा कैंपस का जीवन और कैंपस के बाहर का जीवन, इन दोनों में बहुत बड़ा अंतर होता है। आईआईटी की परीक्षा में सिलेबस होता है लेकिन जिंदगी की परीक्षा में सब कुछ आउट ऑफ सिलेबस होता है... जिंदगी कुछ अलग तरह से चलती है। वहां न कोई तय कोर्स होता है न कोई प्रश्न पत्र होता है। कई बार तो ये भी कोई नहीं बताता कि असली सवाल क्या था। वो सवाल भी आपको खुद पहचानना पड़ता है। आईआईटी दिल्ली के 57वें कॉन्वोकेशन सेरेमनी में हिस्सा लेते हुए, पीएम मोदी ने होनहार स्टूडेंट्स को इंस्टीट्यूट के सबसे बड़े सम्मान दिए, जिसमें प्रेसिडेंट गोल्ड मेडल, डायरेक्टर गोल्ड मेडल, शंकर दयाल शर्मा गोल्ड मेडल और परफेक्ट टेन गोल्ड मेडल शामिल हैं।

उन्होंने सेरेमनी के दौरान 3000 से ज्यादा ग्रेजुएट हो रहे स्टूडेंट्स को भी संबोधित किया, जिनमें 587 पीएचडी स्कॉलर्स शामिल थे, जिन्हें उनकी डिग्री दी गई। आईआईटी दिल्ली के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के चेयरपर्सन हरीश साल्वे और इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर प्रोफेसर रंगन बनर्जी ने प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी को सम्मानित किया। मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए, केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने पीएम मोदी के विजन की तारीफ की और आईआईटी दिल्ली को "इस बदलाव का जीता-जागता उदाहरण" बताया। नए बने शिक्षा मंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी के विजन ने हमारे एजुकेशन इकोसिस्टम को लर्नर-सेंट्रिक, रिसर्च-ड्रिवन और फ्यूचर-रेडी बनाया है।

हम स्वतंत्र भारत में सांस ले रहे हैं, इसके पीछे उस पीढ़ी का त्याग है : पीएम

आज हम स्वतंत्र भारत में सांस ले रहे हैं, इसके पीछे उस पीढ़ी का तप, त्याग और बलिदान है। आज के इस दौर में हमारे सामने चुनौतियां भी अलग हैं, इसलिए हमारे दायित्व भी अलग हैं। अपने जीवन के अगले 30-35 साल में आप जो कुछ भी करेंगे वो विकसित भारत की हमारी यात्रा को प्रभावित करेगा। इसलिए आपके हर निर्णय का आधार ये भी होना चाहिए कि इससे देश को क्या फायदा पहुंचेगा, इससे देश की कौन सी जरूरत पूरी होगी।

रूस से तेल खरीदने वाले पांच देशों पर लगेगा 100 फीसदी टैरिफ : अमेरिका

एजेंसी

वाशिंगटन : अमेरिकी सीनेट ने रूस तथा उसके पेट्रोलियम उत्पादों के चीन एवं भारत जैसे प्रमुख खरीदार देशों को दंडित करने के उद्देश्य से लाए गए एक विधेयक को भारी बहुमत से मंजूरी दे दी है। विधेयक में दावा किया गया है कि रूस के साथ इस प्रकार का व्यापार यूक्रेन युद्ध को जारी रखने में मदद कर रहा है। सीनेट ने 'लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रूस एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026' नाम के इस विधेयक को 11 के मुकाबले 86 मतों से मंजूरी दी। यह विधेयक अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को रूस से तेल और गैस का सबसे अधिक आयात करने वाले पांच देशों से आने वाले सामान पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाने का अधिकार देता है। चीन, भारत, अजरबैजान, हंगरी और स्लोवाकिया रूस से तेल और गैस का सबसे अधिक आयात करने वाले पांच देश हैं।

रूस पर प्रतिबंधों के अलावा विधेयक में 1996 के 'ईरान प्रतिबंध अधिनियम' की अवधि 2031 तक बढ़ाने का भी प्रावधान है। इस कानून के तहत ईरान के ऊर्जा क्षेत्र में निवेश करने वाली कंपनियों पर दंडात्मक कार्रवाई की जाती है। इस द्विदलीय विधेयक को रिपब्लिकन पार्टी के नेता एवं सीनेटर लिंडसे ग्राहम और डेमोक्रेट पार्टी के नेता एवं सीनेटर रिचर्ड ब्लूमेंथल ने प्रस्तावित किया था।

एक नजर

एसएमसी चुनाव में राजेश कुमार यादव अध्यक्ष निर्वाचित

हंटरगंज (चतरा) : हंटरगंज प्रखंड अंतर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय खराटी में 08 अगस्त को विद्यालय प्रबंधन समिति (एसएमसी) के गठन को लेकर चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष माहौल में संपन्न हुई। सभा की अध्यक्षता विजय यादव ने की। चुनाव में बड़ी संख्या में अभिभावकों एवं ग्रामीणों ने भाग लेकर लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अपनी सहभागिता निभाई। विद्यालय के सचिव दीपक कुमार साह एवं पर्यवेक्षक अशोक कुमार की देखरेख में चुनाव प्रक्रिया शुरू की गई। अध्यक्ष पद के लिए राजेश कुमार यादव, देवेंद्र यादव एवं जितेंद्र यादव ने चुनाव लड़ा। मतदान में राजेश कुमार यादव को 10, देवेंद्र यादव को 3 तथा जितेंद्र यादव को 2 मत प्राप्त हुए। इसके बाद राजेश कुमार यादव को विद्यालय प्रबंधन समिति का अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया गया। वहीं, उपाध्यक्ष पद पर रूबी देवी निर्वाचित हुईं। चुनाव प्रक्रिया के दौरान विद्यालय परिसर में शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण बना रहा। नवनिर्वाचित अध्यक्ष राजेश कुमार यादव ने सभी अभिभावकों एवं ग्रामीणों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे विद्यालय के शैक्षणिक विकास, विद्यार्थियों के हित एवं विद्यालय की मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए समिति के सभी सदस्यों के साथ मिलकर कार्य करेंगे। चुनाव प्रक्रिया के सफल संचालन में विद्यालय परिवार, अभिभावकों एवं स्थानीय ग्रामीणों का सराहनीय सहयोग रहा। मौके पर पंचायत समिति सदस्य मुनुरवा देवी, वार्ड सदस्य अरविंद राम, कविता देवी, ब्रजेश कुमार, बलवंत राम, अशोक यादव, पिंटू यादव, उपेंद्र यादव, उषा देवी, रंजू देवी, तहरून निशा, सरिता देवी समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं अभिभावक उपस्थित थे।

दिव्यांगजनों के अधिकारों को लेकर जागरूकता शिविर आयोजित

सिमरिया (चतरा) : जिला विधिक सेवा प्राधिकार, चतरा के सचिव तारकेश्वर दास के निर्देशन में कानूनी सहायता केंद्र सिमरिया की ओर से शनिवार को बगरा मोड़ स्थित हाई स्कूल में दिव्यांगजनों के अधिकार विषय पर जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में दिव्यांगजनों को उनके संवैधानिक एवं कानूनी अधिकारों के साथ-साथ उपलब्ध विधिक सहायता की जानकारी दी गई। इस दौरान अधिकार मित्र सुबोध कुमार शर्मा, उमेश प्रसाद, रंजन कुमार मिश्रा एवं सीता देवी ने उपस्थित लोगों को दिव्यांगजनों के अधिकारों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहना चाहिए। किसी भी प्रकार की कानूनी समस्या या अधिकारों के हनन की स्थिति में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के माध्यम से कानूनी सहायता प्राप्त की जा सकती है। शिविर में लोगों को निःशुल्क विधिक सहायता की प्रक्रिया से भी अवगत कराया गया। साथ ही राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) की टोल-फ्री हेल्पलाइन 15100 की जानकारी देते हुए जरूरत पड़ने पर इस सेवा का लाभ उठाने की अपील की गई।

कोडरमा में डिग्री कॉलेजों के स्थानांतरण का विरोध कांग्रेस ने छात्र आंदोलन को दिया समर्थन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरी तिलैया : शिक्षा व शैक्षणिक संस्थान बचाओ, छात्रों-नौजवानों का भविष्य बचाओ, कोडरमा बचाओ के नारे के साथ जेजे कॉलेज बचाओ संघर्ष समिति की ओर से चलाए जा रहे आंदोलन को कांग्रेस ने समर्थन देने की घोषणा की है। शनिवार को कांग्रेस के कोडरमा जिलाध्यक्ष प्रकाश रजक ने प्रेस वार्ता कर विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग से कोडरमा के डिग्री कॉलेजों को हटाकर गिरिडीह विश्वविद्यालय से जोड़ने के निर्णय पर सवाल उठाए। प्रकाश रजक ने कहा कि जेजे कॉलेज सहित कोडरमा जिले के सभी डिग्री कॉलेजों को हजारीबाग स्थित विनोबा भावे विश्वविद्यालय से हटाकर गिरिडीह विश्वविद्यालय से जोड़ना छात्रों और जिले के हित में नहीं है। उन्होंने सवाल किया कि जब हजारीबाग की दूरी करीब 55 किलोमीटर है, तो डिग्री कॉलेजों को लगभग 130 किलोमीटर दूर गिरिडीह से जोड़ने की जरूरत क्यों पड़ी।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने कहा कि जेजे कॉलेज बचाओ संघर्ष समिति के चरणबद्ध आंदोलन का पार्टी समर्थन करती है। 9 अगस्त को होने वाली सर्वदलीय बैठक सह मशाल जुलूस और 10 अगस्त से जेजे कॉलेज में प्रस्तावित अनिश्चितकालीन छात्र हड़ताल एवं धरना-प्रदर्शन में कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ता सक्रिय रूप से शामिल होंगे।

उन्होंने कहा कि यदि छात्रों और जिले के लोगों की मांगों की अनदेखी जारी रही तो कांग्रेस सड़क से सदन तक संघर्ष तेज करेगी। उन्होंने जिले के राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों, छात्र-युवा संगठनों, अभिभावकों और आम लोगों से आंदोलन में सहयोग की अपील की।

प्रकाश रजक ने कोडरमा और बरकट्ठा के विधायकों की भूमिका पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि विधायकों की ओर से मुख्यमंत्री को तीन बार ज्ञापन सौंपे जाने की बात कही गई है, लेकिन इसके बाद सरकार की ओर से क्या कार्रवाई हुई, इसकी जानकारी जनता को दी जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि केवल ज्ञापन सौंपने और आश्वासन मिलने से समस्या का समाधान नहीं होगा। विधानसभा के शून्यकाल में इस मुद्दे को मजबूती से उठाने की जरूरत थी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की दूरी बढ़ने से हजारों विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों पर आर्थिक एवं अन्य परेशानियां बढ़ेंगी। ऐसे में जनप्रतिनिधियों को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर छात्रों के भविष्य की लड़ाई में आगे आना चाहिए।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने कहा कि यह किसी एक राजनीतिक दल का मुद्दा नहीं, बल्कि कोडरमा की शिक्षा व्यवस्था, शैक्षणिक संस्थानों और हजारों छात्र-छात्राओं के भविष्य से जुड़ा मामला है। जरूरत पड़ी तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

प्रेस वार्ता में जिला उपाध्यक्ष चंद्र भूषण साव, अनिल दास, मालती चंद्रा, ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष सुभाष सिंह यादव, जिला महासचिव पप्पू दास, प्रभात कुमार राम, नगर अध्यक्ष संजय सेठ, प्रखंड अध्यक्ष विजय प्रसाद सिंह, अजहर आलम, कयुम उदीन, कुमार रवि, कांग्रेस नेता अहमद अंसारी, पिंटू साव, असगर अली, सचिन वर्मा सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

छात्रहित के मुद्दों पर अभाविप का धरना दूसरे दिन भी जारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरी तिलैया : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) की कोडरमा जिला इकाई की ओर से छात्रहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर जे.जे. कॉलेज परिसर में चल रहा तीन दिवसीय धरना-प्रदर्शन शनिवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। परिषद कार्यकताओं ने कोडरमा जिले के महाविद्यालयों को विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग से अलग कर सर जे.सी. बोस विश्वविद्यालय, गिरिडीह से जोड़ने के प्रस्ताव और जेपीएससी समेत विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक व परीक्षा में अनियमितताओं के खिलाफ विरोध जताया।

प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सह जिला संयोजक अतुल आनंद ने कहा कि कोडरमा के कॉलेजों को गिरिडीह विश्वविद्यालय से जोड़ने का प्रस्ताव विद्यार्थियों के हित में नहीं है। उन्होंने कहा कि कोडरमा से हजारीबाग की दूरी करीब 55 किलोमीटर है, जबकि गिरिडीह करीब 120 किलोमीटर दूर है। विश्वविद्यालय से जुड़े कार्यों के लिए विद्यार्थियों को अधिक दूरी तय करनी पड़ेगी, जिससे उन्हें आर्थिक और शैक्षणिक परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने सरकार से प्रस्ताव को वापस लेने की मांग की।

नगर मंत्री सुधांशु यादव ने कहा कि प्रश्नपत्र लीक और परीक्षा में अनियमितताओं से लाखों युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने जेपीएससी सहित प्रतियोगी परीक्षाओं में सामने आए मामलों की निष्पक्ष और समयबद्ध जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की।

अभाविप नेताओं ने रांची में छात्र आंदोलन के दौरान कार्यकताओं की गिरफ्तारी पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से उठाई जा रही छात्रों की आवाज को दबाने से आंदोलन समाप्त नहीं होगा। परिषद ने चेतावनी दी कि छात्रों की समस्याओं का समाधान नहीं होने पर आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा।

धरना में विनीत सिंह, अंकुश कुमार, राज कुमार, राजगुरु, लक्ष्मीकांत तिवारी, अजय कुमार, प्रीतम कुमार, सौरव पाण्डेय, नितेश मेहता, सरोज कुमार समेत बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं और कार्यकर्ता मौजूद थे।चाहें तो मैं इसका और ज्यादा अखबारनुमा 2-3 कॉलम वाला छोटा संस्करण और दमदार हेडलाइन भी बना सकता हूं।

शूटिंग प्रतियोगिता में कोडरमा पुलिस का शानदार प्रदर्शन, 10 पदक जीते

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : उत्तरी छोटानागपुर क्षेत्रीय पुलिस शूटिंग प्रतियोगिता में कोडरमा जिला बल के जवानों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 10 पदक हासिल किए। इनमें पांच स्वर्ण, दो रजत और तीन कांस्य पदक शामिल हैं। बेहतर प्रदर्शन के आधार पर कोडरमा पुलिस की टीम ने प्रतियोगिता में ओवरऑल रनर-अप का खिताब अपने नाम किया।

हजारीबाग जिला पुलिस के तत्वावधान में छह और सात अगस्त को पदमा शूटिंग रेंज में दो दिवसीय उत्तरी छोटानागपुर पुलिस शूटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। प्रतियोगिता में कोडरमा जिला बल के प्रतिभागियों ने निशानेबाजी के साथ अनुशासन, एकाग्रता और तकनीकी दक्षता का परिचय दिया।

विभिन्न वर्गों में शानदार प्रदर्शन करते हुए कोडरमा के प्रतिभागियों ने पांच स्वर्ण, दो रजत और तीन कांस्य पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अक्षय कुमार समेत सभी प्रतिभागियों को पुलिस अधीक्षक कुमार शिवाशीष ने बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों की यह उपलब्धि जिले के अन्य पदाधिकारियों और जवानों के लिए प्रेरणादायी है।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी 48 घंटे में गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में फरार चल रहे नामजद आरोपी को कोडरमा पुलिस ने घटना के 48 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान डोमचांच थाना क्षेत्र के मसनोडीह निवासी रूपलाल मेहता (पिता जगदीश मेहता) के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, छोटकीबागी निवासी महिला ने छह अगस्त को कोडरमा थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि दो अगस्त की शाम करीब तीन बजे घर में नाबालिग बेटी को अकेला पाकर उसके पड़ोस में किराये पर रहने वाले रूपलाल मेहता ने उसके साथ दुष्कर्म किया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में विशेष अनुसंधान टीम (एसआईटी) गठित की गई। टीम में महिला थाना एवं कोडरमा थाना के पुलिस पदाधिकारियों के साथ तकनीकी शाखा के कर्मियों को भी शामिल किया गया। पुलिस ने तकनीकी और मानवीय सूचना के आधार पर लगातार छापेमारी करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

20वीं झारखंड राज्य सीनियर पुरुष खो-खो चैंपियनशिप में कोडरमा ने जीता कांस्य पदक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : झारखंड राज्य खो-खो संघ के तत्वावधान में कोडरमा जिला खो-खो संघ द्वारा आरपीवाई ग्लोबल स्कूल, चराडीह, कोडरमा में आयोजित 20वीं झारखंड राज्य सीनियर पुरुष खो-खो चैंपियनशिप 2026-27 में मेजबान कोडरमा जिला टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीसरा स्थान प्राप्त किया। इस उपलब्धि के साथ टीम ने जिले का गौरव बढ़ाया। प्रतियोगिता के लीग चरण में कोडरमा की टीम ने क्रमशः गिरिडीह, रामगढ़ एवं गोड्डा की टीमों को पराजित कर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। क्वार्टर फाइनल में टीम ने पूर्वी सिंहभूम को हराकर सेमीफाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित की। सेमीफाइनल में कोडरमा का मुकाबला Pay & Play, Ranchi से हुआ, जिसमें कड़े संघर्ष के बाद टीम को हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद तीसरे स्थान के मुकाबले में कोडरमा ने देवघर को हराकर प्रतियोगिता का कांस्य पदक (तीसरा स्थान) अपने नाम किया।

टीम की इस उपलब्धि पर कोडरमा जिला खो-खो संघ की मुख्य संरक्षक एवं भारत सरकार की महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी ने खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं संघ के पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि कोडरमा के खिलाड़ियों ने अपने खेल कौशल, अनुशासन और संघर्षशीलता से जिले को गौरवान्वित किया है। उन्होंने भविष्य में भी खिलाड़ियों को हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन दिया।

संघ के अध्यक्ष सिमरनजीत सिंह ने कहा कि खिलाड़ियों की मेहनत, नियमित अभ्यास और टीम भावना का परिणाम है कि कोडरमा लगातार राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहा है। वहीं सचिव अमित कुमार ने कहा कि यह सफलता पूरे जिले के लिए गर्व का विषय है और आने वाले समय में कोडरमा की टीम राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान बनाएगी।

जी. एस. पब्लिक स्कूल का सी.पी.एस. ऑलिम्पिआड के फाइनल में उत्कृष्ट प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : डोमचांच स्थित जी. एस. पब्लिक स्कूल की छात्रा मानवी राज और चांदनी यादव को सी.पी.एस. ऑलिम्पिआड की फाइनल परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर प्रस्सति पत्र व मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

बतादें की यह प्रतोयोगिता नई दिल्ली के रेडिसन ब्लू टावर में आयोजन किया गया जिसमें की देश भर के अलग अलग स्कूलों से बच्चे सम्मलित हुए इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि डॉ. संघमित्रा मौर्य अतिथि डॉ. जे. पी. दलाल चीफ एडवाइजर , अनिर्बान दास एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट मौजूद हुए ।, सीपीएस ओलंपियाड के अध्यक्ष संजय कुमार सिंह, निदेशक कुलदीप मौर्य, तथा कई अतिथि उपस्थित हुए। मौके पर विद्यालय के निदेशक नितेश कुमार ने छात्रा मानवी राज और चांदनी यादव की इस उपलब्धि पर ढेरों बधाई देते हुए संबोधित किया इस मौके पर जी एस पब्लिक स्कूल के निदेशक नितेश कुमार को सीपीएस ओलंपियाड के अध्यक्ष तथा उपस्थित अतिथि द्वारा सम्मानित किया गया। मौके पर उपस्थित निदेशक देवेंद्र कुमार राधा कृष्ण मिशन स्कूल तथा निदेशक आनंद भारती नूतन चिल्ड्रन एकेडमी को भी सम्मानित किया गया। निदेशक नितेश कुमार ने अपने संबोधन में कहा की इस तरह के परीक्षा का आयोजन कराने को लेकर सी.पी.एस. ऑलिम्पिआड के अध्यक्ष संजय कुमार सिंह, निदेशक कुलदीप मौर्य एवं जिला कोऑर्डिनेटर डी. पी. यादव को धन्यवाद दिया एवं कहा इस परीक्षा से बच्चों के अंदर प्रतियोगिता के शामिल होने की भावना जागरूक होती है उन्हें जीवन मे आगे बढ़ने का रास्ता मिलता है।

उन्होंने महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए बताया कि कॉम्पिटिशन प्रमोशन सोसाइटी ओलंपियाड के माध्यम से स्कूली छात्रों के लिए वास्तविक, गंभीर और कट्टर प्रतियोगिताओं को भारत में पाठ्यक्रम के साथ विभिन्न विषयों पर काउंटर पार्ट्स के साथ उनकी सूक्ष्मता का परीक्षण करने के लिए प्रस्तुत करती है। कार्यक्रम में बेहतर प्रदर्शन करने पर स्कूल के अध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह उपनिदेशक नीरज कुमार

विद्यालय की प्राचार्या प्रतिमा कुमारी तथा सभी शिक्षक ने ने छात्रा मानवी राज और चांदनी यादव को ढेरों शुभकामनाएं दी व अपने आशीर्वचन दिए।

संक्षिप्त खबरें

स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों को लेकर बैठक, झंडोत्तोलन का समय निर्धारित

गिद्धौर(चतरा) : गिद्धौर प्रखंड कार्यालय परिसर स्थित सभागार में शनिवार को स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड प्रमुख अनीता यादव ने की, जबकि संचालन प्रखंड विकास पदाधिकारी राहुल देव ने किया। बैठक में 15 अगस्त को आयोजित होने वाले झंडोत्तोलन कार्यक्रम की तैयारियों के साथ विभिन्न सरकारी संस्थानों में झंडोत्तोलन के समय को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में सर्वसम्मति से विभिन्न स्थानों पर झंडोत्तोलन का समय निर्धारित किया गया। तय कार्यक्रम के अनुसार प्रखंड कार्यालय में सुबह 9:15 बजे, सिंगल विंडो गिद्धौर में 9:30 बजे, थाना परिसर गिद्धौर में 9:45 बजे तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गिद्धौर में 9:50 बजे झंडोत्तोलन किया जाएगा। इसी प्रकार बारीयातू, गिद्धौर, पहरा, दुवारी, मंझगांवा एवं बारीसाखी पंचायत सचिवालय में सुबह 9:35 बजे ध्वजारोहण होगा। वहीं गंगा स्मारक प्लस टू उच्च विद्यालय गिद्धौर में सुबह 10 बजे तथा कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका उच्च विद्यालय गिद्धौर में 10:15 बजे झंडोत्तोलन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। बैठक में स्वतंत्रता दिवस समारोह को सफल एवं व्यवस्थित तरीके से आयोजित करने को लेकर साफ-सफाई, सुरक्षा, पेयजल सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं पर भी चर्चा की गई। अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों को समारोह से संबंधित तैयारियां समय पर पूरा करने को कहा गया। मौके पर थाना प्रभारी पुरुषोत्तम अग्निहोत्री, गिद्धौर मुखिया निर्मला देवी, जिला परिषद प्रतिनिधि बालेश्वर यादव, बीपीओ बिनोद कुमार गुप्ता, गंगा स्मारक प्लस टू उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक डॉ. कृष्ण कुमार टिंकू, कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय की वार्डन रीना कुमारी, प्रखंड समन्वयक नाजिर अख्तर, पंचायत सचिव प्रियंका प्रिया सहित प्रखंड कर्मी एवं कई जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

फसल बीमा योजना के प्रचार-प्रसार को लेकर कृषक मित्रों की बैठक

गिद्धौर (चतरा) : गिद्धौर प्रखंड मुख्यालय स्थित सिंगल विंडो सेंटर में बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार कर किसानों को इसका लाभ दिलाने के उद्देश्य से कृषक मित्रों की बैठक आयोजित की गई। बैठक का नेतृत्व बीटीएम प्रभात कुमार ने किया। बैठक में बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत अधिक से अधिक किसानों का नामांकन कराने, योजना की जानकारी गांव-गांव तक पहुंचाने तथा किसानों को समय पर बीमा का लाभ दिलाने सहित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। कृषक मित्रों को अपने-अपने क्षेत्र में किसानों से संपर्क कर योजना के प्रति जागरूक करने पर जोर दिया गया। सहकारिता प्रसार पदाधिकारी ने सभी कृषक मित्रों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने क्षेत्र में जाकर किसानों को फसल बीमा योजना के फायदे की जानकारी दें और अधिक से अधिक किसानों का बीमा कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि योजना की जानकारी प्रत्येक किसान तक पहुंचाने के लिए कृषक मित्र सक्रिय भूमिका निभाएं। मौके पर कृषक मित्र परसादी पासवान, कोमल यादव समेत कई अन्य कृषक मित्र उपस्थित थे।

एनटीपीसी के फ्लाई ऐश स्टॉक यार्ड में अज्ञात शव मिलने से सनसनी

टंडवा (चतरा) : टंडवा प्रखंड क्षेत्र में संचालित नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन (एनटीपीसी) के फ्लाई ऐश स्टॉक यार्ड में शनिवार को एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव की स्थिति काफी खराब थी और शरीर पर कपड़े नहीं थे। चेहरा समेत शरीर के कुछ हिस्से क्षतिग्रस्त पाए गए। शव की स्थिति को देखते हुए उसके एक से दो सप्ताह पुराना होने की आशंका जताई जा रही है। घटना के बाद आसपास के लोगों में कई तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। लोगों का कहना है कि इतने लंबे समय तक शव के वहां पड़े रहने के बावजूद आसपास रहने वाले लोगों को इसकी भनक कैसे नहीं लगी, यह भी जांच का विषय है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई। पुलिस द्वारा शव की पहचान कराने के साथ ही घटना के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय लोगों ने घटना की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। हालांकि, समाचार लिखे जाने तक पुलिस की ओर से घटना को लेकर कोई आधिकारिक विज्ञप्ति जारी नहीं की गई थी। शव की पहचान भी सार्वजनिक नहीं की जा सकी थी। पुलिस जांच पूरी होने के बाद ही घटना की वास्तविक स्थिति स्पष्ट होने की उम्मीद है।

विशेष कैंप का बीडीओ ने किया निरीक्षण, मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य का लिया जायजा

मयूरहंड (चतरा) : प्रखंड अंतर्गत करमा राजकीय मध्य विद्यालय स्थित भाग संख्या 307 में एसआईआर-2026 के तहत लगाए गए विशेष कैंप का बीडीओ मनीष कुमार सिंह ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण कार्य की प्रगति का जायजा लिया और संबंधित कर्मियों से आवश्यक जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान बीडीओ ने फॉर्म-6, फॉर्म-7 एवं फॉर्म-8 से संबंधित प्राप्त आवेदनों और अभिलेखों की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित कर्मियों को मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य में आवश्यक सावधानी बरतने तथा निर्धारित प्रक्रिया के तहत कार्य पूरा करने को लेकर दिशा-निर्देश दिए। कैंप में सुपरवाइजर शशि कुमार दास, करमा पंचायत के मुखिया रामनाथ यादव समेत संबंधित बीएलओ मौजूद रहे। भाग संख्या 306 की बीएलओ उषा देवी एवं भाग संख्या 307 के बीएलओ शिव कुमार यादव मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य में जुटे हुए थे। बीडीओ मनीष कुमार सिंह ने पात्र नागरिकों से अपील की कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने, नाम हटाने अथवा दर्ज विवरण में संशोधन से संबंधित दावा-आपत्ति निर्धारित अवधि के भीतर दर्ज कराएं। उन्होंने कहा कि नागरिकों की सहभागिता से मतदाता सूची को अधिक त्रुटिरहित एवं अद्यतन बनाने में मदद मिलेगी।

शिक्षा बचाओ आंदोलन को लेकर 9 अगस्त को सर्वदलीय आम बैठक व मशाल जुलूस

झुमरी तिलैया : जेजे कॉलेज बचाओ संघर्ष समिति, कोडरमा के द्वारा जिले की शिक्षा व्यवस्था एवं शैक्षणिक संस्थानों को बचाने तथा छात्र-छात्राओं के भविष्य की रक्षा के सवाल को लेकर आंदोलन को और तेज किया जा रहा है। इसी क्रम में 9 अगस्त को ब्लॉक मैदान परिसर, झुमरी तिलैया में शाम 4:30 बजे से सर्वदलीय आम बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक के बाद मशाल जुलूस निकाला जाएगा, जो झुमरी तिलैया झंडा चौक तक पहुंचेगा।

जेपीएससी-जेएसएससी पेपर लीक के विरोध में छात्रों का हंगामा, सीएम आवास घेराव के दौरान पुलिस से झड़प

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में जेपीएससी और जेएसएससी की परीक्षाओं में कथित पेपर लीक और अनियमितताओं के खिलाफ छात्रों का आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। शनिवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के आवास का घेराव करने के लिए मार्च कर रहे थे। इस दौरान पुलिस ने बैरिकेडिंग कर प्रदर्शनकारियों को रोक दिया, जिसके बाद छात्रों और पुलिस के बीच तीखी नोकझोंक और धक्का-मुक्की की स्थिति बन गई। मुख्य मार्ग पर पुलिस द्वारा रोके जाने के बाद प्रदर्शनकारी बैरिकेडिंग पार करने की कोशिश करने लगे। पुलिस ने उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। इसके बाद बड़ी संख्या में छात्र सड़क पर ही बैठ गए और सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। प्रदर्शन के कारण मुख्य मार्ग पर जाम की स्थिति भी उत्पन्न हो गई। प्रदर्शन में कई छात्रों के हाथों में धरती आबा बिरसा मुंडा की तस्वीरें और पोस्टर दिखाई दिए। छात्रों ने शिक्षा व्यवस्था में कथित अनियमितताओं को लेकर सरकार के खिलाफ नाराजगी जताई और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की। प्रदर्शन में शामिल छात्रों ने दावा किया कि पुलिस ने करीब 8 से 10 प्रदर्शनकारी छात्रों को हिरासत में लिया है। हालांकि हिरासत में लिए गए छात्रों की आधिकारिक संख्या और पुलिस की ओर से इस संबंध में तत्काल विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है।

आंदोलनकारी छात्रों का कहना है कि जेपीएससी और जेएसएससी की परीक्षाओं में कथित पेपर लीक और अन्य अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच जरूरी है। छात्रों ने राज्य सरकार के अधीन सीआईडी से चल रही जांच पर सवाल उठाते हुए मामले की जांच सीबीआई से कराने की मांग की है।

छात्रों का आरोप है कि बार-बार विवादों में रहने वाली या ब्लैकलिस्टेड एजेंसियों को परीक्षा कराने की जिम्मेदारी दी जा रही है। उनका कहना है कि ऐसी व्यवस्था के कारण मेहनत करने वाले अभ्यर्थियों का भविष्य प्रभावित हो रहा है।

प्रदर्शनकारी छात्रों ने कहा कि उनके साथी पिछले कई दिनों से आंदोलन और भूख हड़ताल पर हैं, लेकिन सरकार की ओर से उनकी मांगों पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं की गई है। छात्रों ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने उनकी मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया, तो 11 अगस्त को विधानसभा का घेराव किया जाएगा।

छात्र नेताओं ने कहा कि उनका आंदोलन केवल किसी एक परीक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि वे जेपीएससी और जेएसएससी की भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता, निष्पक्षता और जवाबदेही की मांग कर रहे हैं। फिलहाल मुख्यमंत्री आवास की ओर जाने वाले मार्ग पर पुलिस बल की तैनाती की गई है और प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोका जा रहा है।

एक नजर

विश्व आदिवासी दिवस पर झारखंड के सभी जिलों में लगेगा रक्तदान शिविर

रांची : विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर झारखंड सरकार ने राज्य के सभी जिलों में रक्तदान शिविर आयोजित करने का निर्णय लिया है। 9 और 10 अगस्त को आयोजित होने वाले आदिवासी महोत्सव-2026 के कार्यक्रमों के साथ ही प्रत्येक जिले में ब्लड डोनेशन कैंप लगाया जाएगा। इस संबंध में सरकार के विशेष सचिव के। जेड। भुटिया ने राज्य के सभी उपायुक्तों, परियोजना निदेशकों और जिला कल्याण पदाधिकारियों को पत्र जारी कर आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। सरकार के निर्देश के मुताबिक, आदिवासी महोत्सव के निर्धारित कार्यक्रमों के अलावा जिलों में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए जिला प्रशासन और संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ व्यवस्था करने को कहा गया है। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आयोजित इस अभियान का उद्देश्य रक्तदान के प्रति लोगों को जागरूक करना और जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने में योगदान देना है। राज्य के सभी जिलों में एक साथ शिविर आयोजित होने से बड़ी संख्या में लोगों को रक्तदान अभियान से जोड़ने की कोशिश की जाएगी।

रांची सिविल कोर्ट के वकीलों की हड़ताल खत्म

रांची : रांची जिला बार एसोसिएशन की एडहॉक कमेटी ने महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए 10 अगस्त (सोमवार) से रांची व्यवहार न्यायालय में अधिवक्ताओं के न्यायिक कार्य में पूर्व की तरह शामिल होने की घोषणा की है। एसोसिएशन की ओर से जारी आवश्यक सूचना में सभी अधिवक्ताओं से नियमित न्यायिक कार्य करने का आग्रह किया गया है। एसोसिएशन ने स्पष्ट किया है कि एसडीओ/एक्जीक्यूटिव कोर्ट के कार्यों में अनिश्चितकालीन न्यायिक कार्य बहिष्कार का पूर्व में लिया गया निर्णय अगले निर्णय तक जारी रहेगा। सोमवार से पुराने और नए दोनों बार भवनों के काउंटर पूर्व की तरह खोल दिए जाएंगे और नियमित रूप से काम करेंगे। हालांकि न्यायिक कार्य शुरू करने और दोनों तरफ के काउंटर खोलने के इस निर्णय के अलावा पूर्व में आमसभा/एसोसिएशन द्वारा लिए गए अन्य सभी निर्णय यथावत और प्रभावी रहेंगे। एडहॉक कमेटी ने सभी अधिवक्ताओं से एसोसिएशन द्वारा पूर्व में लिए गए निर्णयों का पूर्ण अनुपालन करते हुए एकता और अनुशासन बनाए रखने की अपील की है। इसकी जानकारी एसोसिएशन के एडहॉक कमेटी के सदस्य संजय विद्रोही ने दी।

हत्या केस में 9 साल बाद सजायाफ्ता हाई कोर्ट से बरी

रांची : हाई कोर्ट ने गुमला में कुल्हाड़ी से हत्या के करीब नौ साल पुराने मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे लालू राम को बड़ी राहत दी है। हाई कोर्ट ने गुमला की निचली अदालत के अप्रैल 2017 के सजा के फैसले को रद्द करते हुए आरोपी को संदेह का लाभ देकर बरी कर दिया। कोर्ट ने कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपी के खिलाफ हत्या का आरोप संदेह से परे साबित करने में विफल रहा। हाई कोर्ट ने अभियुक्त की सजा के खिलाफ क्रिमिनल अपील में फैसला सुनाया। चूंकि लालू राम जेल में था, अदालत ने निर्देश दिया कि यदि वह किसी अन्य आपराधिक मामले में वांछित नहीं है तो उसे तत्काल रिहा किया जाए। अभियोजन के अनुसार, 23 अगस्त 2014 को गुमला के पालकोट थाना क्षेत्र के पीरहा चट्टान गांव में रामप्रीत राम की गर्दन पर कुल्हाड़ी से वार कर हत्या कर दी गई थी। आरोप था कि जमीन विवाद को लेकर उसके चचेरे भाई लालू राम ने घर में सो रहे रामप्रीत राम पर कुल्हाड़ी से हमला किया था।

बुद्धा पब्लिक स्कूल में मेहंदी और राष्ट्रीय ध्वज बनाने की प्रतियोगिता आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली : बुद्धा पब्लिक स्कूल, सिल्ली में शनिवार को विद्यालय परिसर में मेहंदी और राष्ट्रीय ध्वज बनाने की प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में नर्सरी से कक्षा 10वीं तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मेहंदी प्रतियोगिता में छात्राओं ने अपने हाथों पर आकर्षक और सुंदर मेहंदी की डिजाइनों को उकेरा। वहीं विद्यार्थियों ने राष्ट्र भावना के साथ राष्ट्रीय ध्वज के आकर्षक चित्र बनाए। बच्चों की रचनात्मकता और उत्साह को विद्यालय प्रबंधन ने सराहा। विद्यालय के निदेशक रणधीर कौशिक ने कहा कि प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य बच्चों में देशभक्ति की भावना विकसित करना तथा राष्ट्रीय एकता और तिरंगे के प्रति सम्मान की भावना पैदा करना है। उन्होंने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताओं से बच्चों में आत्मविश्वास के साथ स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना भी विकसित होती है। विद्यालय के प्राचार्य वी. सुधीर राव ने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को उनके उत्साह और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी। कार्यक्रम के सफल आयोजन में नकुल बड़ाईक, लंकेश्वर महादेव, जितेंद्र, गोविंदर, प्रिया दुबे, अंजलि साहू, वर्षा कुमारी, स्मिता कुमारी, प्रतिमा, सुषमा सिंह और वीणापानी महतो समेत अन्य शिक्षकों का सराहनीय योगदान रहा।

रांची में आदिवासी महोत्सव के दौरान कई सड़कों पर वाहनों की आवाजाही रहेगी बंद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड आदिवासी महोत्सव के आयोजन को लेकर राजधानी रांची में यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने यातायात में बदलाव किया है। महोत्सव का आयोजन 9 और 10 अगस्त को होना है। 9 अगस्त को होने वाले जतरा कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए प्रमुख मार्गों पर वाहनों के परिचालन और पार्किंग को लेकर विशेष दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। रांची के यातायात पुलिस अधीक्षक कार्यालय की ओर से जारी सूचना के अनुसार, 9 अगस्त को सुबह आठ बजे से दोपहर दो बजे तक जेल चौक से करमटोली चौक, करमटोली चौक से एसएसपी आवास मोड़ और एसएसपी आवास से बापू वाटिका और मोरहाबादी तक सभी प्रकार के वाहनों का परिचालन प्रतिबंधित रहेगा। इन मार्गों से आवागमन करने वाले लोगों को वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल करने की सलाह दी गई है। यातायात पुलिस अधीक्षक राकेश सिंह ने शनिवार को बताया कि जतरा कार्यक्रम में खूंटी, जमशेदपुर, गुमला, लोहरदगा, रामगढ़ और रांची जिले के रातू, कांके, पिठोरिया सहित अन्य क्षेत्रों से बड़ी संख्या में वाहन पहुंचने की संभावना है। इसके अलावा शहर के विभिन्न हिस्सों से आने वाले वाहनों के कारण मोरहाबादी क्षेत्र में यातायात का दबाव बढ़ सकता है। ट्रैफिक पुलिस ने कार्यक्रम में आने वाले वाहनों के लिए अलग-अलग पार्किंग स्थलों की व्यवस्था की है। यूनिवर्सिटी फुटबॉल मैदान, मोरहाबादी को प्रमुख पार्किंग स्थल बनाया गया है।

उषा मार्टिन फाउंडेशन के द्वारा एडवांस ब्यूटीशियन प्रशिक्षण प्रारम्भ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : उषा मार्टिन फाउंडेशन के द्वारा फैक्ट्री के आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से एडवांस ब्यूटीशियन प्रशिक्षण की शुरूआत की गई है। प्रशिक्षण का आयोजन मिनी टूल रूम में किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाओं को ब्यूटीशियन से संबंधित आधुनिक तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ताकि प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद वे स्वरोजगार से जुड़कर अपनी आय बढ़ा सकें। यह प्रशिक्षण फैक्ट्री के आसपास के लगभग 18 से 20 गांवों की महिलाओं को दिया जा रहा है। इनमें हरातू, टाटी पूर्वी, टाटी पश्चिमी, माहिलोंग, आरा, बाडाम, सिलवाई, मासु, हेसल, बेड़वारी, लुपुंग, हाहे, अनगड़ा सहित अन्य गांव शामिल हैं।

प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं को ब्यूटी पार्लर संचालन, त्वचा एवं बालों की देखभाल, मेकअप, हेयर स्टाइलिंग तथा अन्य आधुनिक ब्यूटी सेवाओं का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसका उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को हुनरमंद बनाकर उन्हें रोजगार एवं स्वरोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है।

उषा मार्टिन फाउंडेशन द्वारा महिलाओं को केवल प्रशिक्षण ही नहीं दिया जा रहा है, बल्कि प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद ब्यूटीशियन किट भी उपलब्ध कराई जाती है। इसका उद्देश्य महिलाओं को अपना ब्यूटी पार्लर या छोटा व्यवसाय शुरू करने में सहयोग देना है। किट मिलने से महिलाएं प्रशिक्षण में सीखे हुए हुनर का उपयोग अपने गांव में ही व्यवसाय शुरू करने के लिए कर सकती हैं। उषा मार्टिन फाउंडेशन के हेड डॉ. मयंक मुरारी ने कहा, महिलाओं को कौशल आधारित प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना हमारी प्राथमिकताओं में शामिल है।

अनशनकारी राहुल ने कल के विधानसभा घेराव में भाग लेने का किया आह्वान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में जेपीएससी-जेएसएससी सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और धांधली के खिलाफ आंदोलन कर रहे अनशनकारी अभ्यर्थी राहुल कुमार क्रांति ने शनिवार को सदर अस्पताल से छात्रों, अभ्यर्थियों, अभिभावकों और सामाजिक कार्यकताओं के नाम संदेश जारी किया, जिसमें उन्होंने 10 अगस्त को प्रस्तावित झारखंड विधानसभा घेराव सह प्रदर्शन में राज्यभर के लोगों से बड़ी संख्या में शामिल होने का आह्वान किया।

राहुल कुमार ने अपने संदेश में कहा कि झारखंड के छात्रों के भविष्य का सौदा किसी भी कीमत पर नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि जेपीएससी समेत अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार सामने आ रही कथित अनियमितताओं के कारण मेहनतकश और योग्य अभ्यर्थियों के हक एवं अधिकार प्रभावित हुए हैं। ऐसी स्थिति को अब किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

राहुल ने आंदोलन को निर्णायक बताते हुए कहा कि इस बार लड़ाई "आर-पार" की है। उन्होंने कहा कि 10 अगस्त के विधानसभा घेराव में अधिक से अधिक छात्रों और युवाओं की भागीदारी जरूरी है, ताकि अभ्यर्थियों की आवाज सरकार तक मजबूती से पहुंचाई जा सके और राज्य के युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने की दिशा में दबाव बनाया जा सके।

हाई कोर्ट ने बच्चों की कस्टडी और माता-पिता से मिलने के अधिकार पर की अंतरिम गाइडलाइन लागू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड हाई कोर्ट ने बच्चों की कस्टडी, बच्चे से मिलने के अधिकार और माता-पिता की जिम्मेदारियों से जुड़े Parenting Plan के मामलों में पहल की है। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस एम।एस। सोनक और जस्टिस राजेश शंकर की खंडपीठ ने कहा कि जब तक झारखंड हाईकोर्ट की रूल्स कमेटी इस संबंध में स्थायी नियम तैयार नहीं कर लेती, तब तक कलकत्ता हाईकोर्ट द्वारा तैयार की गई गाइडलाइन को झारखंड में अंतरिम रूप से अपनाया जाएगा। खंडपीठ ने यह आदेश कोर्ट के स्वतः संज्ञान से दर्ज जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान दिया। हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को खंडपीठ ने निर्देश दिया है कि गाइडलाइन को राज्य के सभी जिला जजों, फैमिली कोर्ट, मजिस्ट्रेट और उन अन्य न्यायालयों को भेजा जाए, जहां बच्चों की कस्टडी, वैवाहिक विवाद अथवा पारिवारिक विवाद से जुड़े मामले आते हैं। गाइडलाइन को इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से सभी न्यायाधीशों तक पहुंचाया जाएगा। इसके अलावा प्रत्येक प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश को कम से कम एक भौतिक प्रति उपलब्ध कराई जाएगी। खंडपीठ ने कहा कि झारखंड हाईकोर्ट ने अभी तक Child Access, Child Custody और Parenting Plan को लेकर कोई विशेष गाइडलाइन तैयार नहीं की है। ऐसे मामलों की बढ़ती संख्या को देखते हुए हाईकोर्ट ने इस विषय को पहले रूल्स कमेटी के समक्ष भेजने की प्रक्रिया शुरू की है।

रूल्स कमेटी और बाद में फुल कोर्ट द्वारा इस विषय पर विचार कर स्थायी नियम बनाए जाने तक अंतरिम व्यवस्था के रूप में कलकत्ता हाईकोर्ट की गाइडलाइन का सहारा लिया जाएगा। सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने बताया कि कलकत्ता हाई कोर्ट के अलावा कर्नाटक, केरल और दिल्ली हाईकोर्ट ने भी बच्चों की कस्टडी और माता-पिता से मिलने के अधिकार से संबंधित गाइडलाइन को न्यायालयों तक पहुंचाने के लिए न्यायिक निर्देश जारी किए हैं। झारखंड हाईकोर्ट ने इन न्यायालयों के फैसलों और आदेशों को भी ध्यान में रखा।

न्यायिक विवेक पर कोई रोक नहीं

हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि जारी की जा रही गाइडलाइन केवल मार्गदर्शक है। इसका उद्देश्य न्यायालयों के न्यायिक विवेक को सीमित करना नहीं है। कोर्ट ने कहा कि संबंधित न्यायालय मामले के तथ्यों और परिस्थितियों के अनुसार अपने न्यायिक अधिकार और विवेक का इस्तेमाल करने के लिए स्वतंत्र रहेंगे।

संक्षिप्त खबरें

श्याम मंदिर में 211वां श्री श्याम भंडारा संपन्न

रांची : श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में 211 वा श्री श्याम भंडारा का भव्य आयोजन किया गया। भंडारा पवन अग्रवाल के परिवार द्वारा निवेदित किया गया था। मण्डल के निवर्तमान अध्यक्ष सुरेश सरावगी वरिष्ठ कार्यकारणी सदस्य श्यामसुंदर शर्मा एवं पवन अग्रवाल तारा अग्रवाल के परिवार एवं इष्ट मित्रों के साथ संयुक्त रूप से बाबा श्री श्याम का भोग भजन गाया। आओ आओ भोग लगाओ बाबा श्याम जी के भोग भजन से श्री श्याम मंदिर गूंज रहा था। सर्वप्रथम भंडारे का भोग लगाकर महाप्रसाद में मिलवाया गया। इसके बाद अग्रवाल परिवार के सदस्यों ने मंदिर के आचार्यों को भोजन प्रसादी ग्रहण करवाया। भंडारे का भोग हर शनिवार को गौशाला में गौ माता के लिए भेजा जाता है। मंदिर के सदस्य एवं सहयोगी गौशाला में भंडारे का भोग लेकर जाते हैं। ज्ञातव्य है कि श्याम भंडारे का भोग निर्वतमान अध्यक्ष सुरेश सरावगी के निदेर्शानुसार मंदिर में शुद्धता के साथ बनता है। श्री श्याम मंदिर परिसर भक्तों से भर गया एवं हरमू रोड में भक्तजनों की लंबी-लंबी कतारें लग गई। खाटूनरेश की जय जयकारों से पूरा हरमू रोड गूंज रहा था। प्रथम देव श्री गणेश जी महाराज की जय जयकारों के बीच प्रसाद वितरण प्रारंभ किया गया। आज के भंडारे में बेसन कचौड़ी आलू मिक्स झोलदार सब्जी केसरिया जलेबी आइसक्रीम खीर चूरमा का भोग लगाया गया। श्री श्याम भंडारे में मण्डल के निवर्तमान अध्यक्ष सुरेश सरावगी, अध्यक्ष गोपाल मुरारका, वरिष्ठ सदस्य एवं राज्यसभा के पूर्व सांसद अजय मारू, वरिष्ठ सदस्य राजीव रंजन मित्तल, यजमान परिवार के पवन तारा देवी, विकास, रितिमा, शास्वत, शलोक अग्रवाल एवं मंडल उपाध्यक्ष श्रवण ढांढनिया, अशोक लड़ियां, वरिष्ठ कार्यकारणी सदस्य श्यामसुंदर शर्मा, स्नेह पोद्दार, अनुज मोदी, अमित सरावगी, अंकित सिंह, हर्ष मिश्रा, मनोज खेतावत, उपेन्द्र पांडे सहित 50 से ज्यादा कार्यकर्ताओं ने सहयोग दिया।

गोंदली पोखर में शहीद निर्मल महतो का शहादत दिवस मनाया गया

अनगडा : शहीद निर्मल महतो के शहादत दिवस के अवसर पर गोंदली पोखर में आजसू पार्टी प्रखंड अध्यक्ष जगरनाथ महतो के नेतृत्व में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित की गई। इस दौरान शहीद निर्मल महतो की आदमकद प्रतिमा पर उपस्थित लोगों ने माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से राजेन्द्र शाही मुंडा जलनाथ चौधरी रोशन मुंडा जगरनाथ महतो धर्मेन्द्र शिह साहेब राम महतो जगदीश सिंह भोगता भुनेश्वर बेदिया महतो बेबी देवी गोवर्धन महतो अर्जुनराम मुकेश महतो अनुज महतो स्थानीय जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों ने शहीद निर्मल महतो के संघर्ष और झारखंड के लिए उनके योगदान को याद किया। लोगों ने कहा कि निर्मल महतो ने झारखंड के अधिकार, पहचान और विकास के लिए अपना जीवन समर्पित किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने उनके बताए मार्ग पर चलने तथा झारखंड के हित में एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान शहीद निर्मल महतो अमर रहें के नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा।

इंडस टावर का पावर केबल चोरी करने के आरोप में चार गिरफ्तार, जेल भेजे गए

मुरी/सिल्ली : मुरी ओपी पुलिस ने इंडस टावर का पावर केबल चोरी करने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पुलिस ने आरोपियों के पास से चोरी किया गया सामान बरामद करने के साथ घटना में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल भी जब्त की है। पुलिस के अनुसार, 27 जुलाई की रात जामटोला स्थित इंडस टावर से अज्ञात चोरों ने पावर केबल चोरी कर लिया था। इस संबंध में इंडस टावर में कार्यरत तकनीशियन ने मुरी ओपी में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक और ग्रामीण पुलिस अधीक्षक, रांची के निर्देश पर पुलिस उपाधीक्षक, सिल्ली मनीष चंद्रलाल के नेतृत्व में टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर तकनीकी साक्ष्य जुटाए। साक्ष्यों के विश्लेषण और तकनीकी शाखा से मिले मोबाइल नंबर समेत अन्य जानकारी के आधार पर संदिग्धों की पहचान की गई। इसके बाद पुलिस ने छापेमारी कर बोकारो जिले के रहने वाले विशाल चटर्जी (23), अंकित कुमार (23), अभय कुमार पाल (35) और आदित्या साहू (19) को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके पास से चोरी किए गए सामान भी बरामद किए। घटना में इस्तेमाल काले रंग की पल्सर मोटरसाइकिल, जिसका पंजीकरण नंबर जेएच09बीएन-2652 है, को भी जब्त किया गया। मुरी ओपी प्रभारी विकास कुमार पासवान ने कहा कि दूरसंचार कंपनियों के लिए मोबाइल टावर की सुरक्षा बेहद महत्वपूर्ण है। गिरोह का भंडाफोड़ होने से क्षेत्र में इस तरह की आपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। छापेमारी दल में पुलिस उपाधीक्षक सिल्ली मनीष चंद्रलाल, मुरी ओपी प्रभारी विकास कुमार पासवान, सिल्ली थाना प्रभारी नवीन कुमार, अवर निरीक्षक मणिभूषण पासवान, रामदेव कुमार यादव, दिवाकर कुमार, सहायक अवर निरीक्षक मुन्ना कुमार सिंह, तकनीकी शाखा के बलेंद्र कुमार सिंह, हवलदार अजीत प्रसाद, गिरजानंद चौधरी, आरक्षी सुरेंद्र कुमार वर्मा, उपेंद्र सिंह मुंडा, विकास कुमार और मुकेश रजवाड़ समेत अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

पहाड़ी मंदिर में तारों की चोरी, घटना के कारण 7 कैमरे बंद

रांची : पहाड़ी मंदिर में लगे कैमरों के तार चोरी लर ली गई। मंदिर के पीछे के रास्ते से घुसे असामाजिक तत्वों ने शुक्रवार देर रात चोरी की घटना को अंजाम दिया। इसके कारण मंदिर के 7 कैमरे बंद हो गए। जानकारी के अनुसार, शनिवार सुबह मंदिर के पुजारी ने देखा कि कई जगह से तारे कटी हुई है। इसके बाद मंदिर की कमेटी के लोगों ने जांच पड़ताल में पाया कि चोरों द्वारा यह कारनामा किया गया है। पुलिस को इसकी जानकारी दे दी गई है। फिलहाल मंदिर कमेटी अन्य कैमरों के फुटेज खंगाल रही है, जिससे चोरों के बारे में कुछ सुराग मिल सके। आसपास के लोगों से भी पूछताछ की जा रही है।

सुविधा की राजनीति और शिक्षा जगत की दुविधा

लोकतंत्र के आधुनिक परिवेश में सामाजिक-राजनीतिक जीवन में उथल-पुथल आम बात है। विकसित और विकासशील सभी तरह के देशों में, जहाँ लोकतांत्रिक सरकारें सत्ता की बागडोर संभाल रही हैं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बहाल है। वहाँ तमाम चीजों को लेकर बहसें होती रहती हैं। ऐसे में विभिन्न मुद्दों पर राजनैतिक दलों की अलग-अलग राय भी होती है। यह स्थिति बहुत हद तक स्वस्थ राजनीतिक प्रवृत्ति को दशार्ती है। सच कहें तो असहमति को आदर देना सभ्य समाज की वैचारिक परिपक्वता का परिचायक होता है। भारत जैसे देश में जहाँ राष्ट्रीय स्तर की छह और क्षेत्रीय स्तर की साठ राजनीतिक दलों की संख्या है वैचारिक मतभेद होना सहज और स्वाभाविक है। ऊपर से क्षेत्रीय, भाषाई, धार्मिक तथा आर्थिक विविधतायें भी बहुत तरह की हैं। ऐसी बहुलताओं वाले देश में किसी प्रश्न पर भिन्न प्रकार के विचारों को राजनैतिक विमर्श में सहनशीलता के साथ सम्मानजनक जगह मिलनी चाहिए। अक्सर विरोध की गुंजाइश न होने पर लोकतांत्रिक संस्थाएं और उनकी गतिविधियाँ पटरी से उतर कर ठप पड़ जाती हैं। देश में जब आपातकाल लगा था तब कुछ ऐसा ही हुआ था। इतिहास गवाह है कि देश ने उस कदम को नकार दिया था और जेपी के नेतृत्व में बड़ा बदलाव आया और वह एक प्रस्थानविंदु बन गया। उसके बाद किसी एक दल का राजनीतिक वर्चस्व खत्म हो गया। ऐसे में पारस्परिक वाद, विवाद और संवाद राजनीतिक अनिवार्यता बन चुकी है। गौरतलब है संविधान सभा की बहसों और उसके बाद देश के संसदीय इतिहास में भी अनेक अवसरों पर संसद में तीखी बहसें होती रही हैं। कई सांसदों के वक्तव्यों में ज्ञान-विज्ञान और संस्कृति-सभ्यता की बातें भी हुआ करती थीं और हास्य-विनोद का पुट भी रहता था। इनसे लोगों को सीखने को भी बहुत कुछ मिलता था। कुछ समय से इस तरह की परम्परा से अलग हट कर संसद में चल रही गतिविधि देखते-सुनते हुए आमजन हतप्रभ हैं और उनकी चिंता बढ़ती रही है। अब संसद परिसर का वातावरण गंभीर विचार-विनिमय की जगह नाटकीय अभिनय के प्रदर्शन का मंच सा होता जा रहा है। संसद के भीतर और बाहर बार-बार मान्यवरों की ओर से ऐसा होना आमजन को निराश करने वाला है। इससे किसी दल कितना राजनैतिक लाभ मिलता है ये तो वे ही जानें पर ऐसे गैरज़िम्मेदार आचरण से तात्कालिक रूप से देश के संसाधनों का अपव्यय तो निश्चित रूप से होता है। यह अलग बात है कि इसकी ज़िम्मेदारी कोई नहीं लेता है। साथ ही जनता को अवांछित संदेश भी जाता है। संसद का पूरा का पूरा सत्र कोरा बीत जाता है और उसके काम धरे के धरे रह जाते हैं या फिर आपाधापी में बिना विचारे निपटा लिए जाते हैं। दोनों ही हाल में यह एक जोखिम वाली बात है, पर यह प्रवृत्ति रुकने का नाम नहीं ले रही है। समस्याओं पर विचार करने और उनकी ओर ध्यान आकृष्ट करने का जो अभिनव तरीका उभर रहा है वह संसद की गरिमा के विरुद्ध है। अलबत्ता सांसदों को अन्न, जल तथा पर्यटन और कार्य के भत्ते आदि की तरह-तरह की सुविधाएं उपलब्ध रहती हैं। सांसद होने के लाभ उन्हें मिलते रहते हैं। उन्होंने अपने लिए नीति बना रखी है ताकि सुविधाएं बिना बंदिश के मिलती रहें। सुविधा सबको चाहिए, राजा को भी और प्रजा को भी। राजनीति सुविधाभोगी हो रही है और लोक-जीवन के सरोकार पिछड़ते जा रहे हैं। जनता की नियति असुविधा भोगने की है। उसकी लाचारी और विवशता कई-कई मोर्चों जारी है। आजकल राजनीति में भी सत्ता पक्ष और विपक्ष में ठनी हुई है और संसद में गतिरोध जारी है। इस खेदजनक रुकावट की त्रासदी देश में शिक्षा की समस्याओं से जुड़ी हुई है। बावजूद इसके शिक्षा किसी भी समाज की रीढ़ होती है केंद्र और राज्यों की सरकार हो या संसद, शिक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण और बुनियादी प्रश्नों की लगातार उपेक्षा होती आ रही है। चचाओं में सभी विषयों पर ध्यान देने के बाद शिक्षा की बारी आती है और इस पर सतही तौर पर नजर डाली जाती है और रस्म अदायगी निभाई जाती है।

भारत की आत्मा एवं प्रकृति के संरक्षक हैं आदिवासी

ललित गर्ग

विश्व आदिवासी दिवस केवल एक अंतरराष्ट्रीय आयोजनभर नहीं है, बल्कि यह उस मूल चेतना का अभिनंदन है जिसने मानव सभ्यता को प्रकृति के साथ संतुलित जीवन जीने की कला सिखाई। भारत के आदिवासी समुदाय केवल जनसंख्या का एक वर्ग नहीं हैं, बल्कि वे इस राष्ट्र की सांस्कृतिक स्मृति, पर्यावरणीय संतुलन, आध्यात्मिक संवेदना और स्वाधीनता चेतना के जीवंत प्रतिनिधि हैं। यदि विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत और विश्वगुरु भारत की संकल्पना को वास्तविक अर्थों में साकार करना है, तो आदिवासी समाज को विकास का विषय नहीं, बल्कि विकास का सहभागी और नेतृत्वकर्ता बनाना होगा। भारत की विकास यात्रा तब तक पूर्ण नहीं कही जा सकती जब तक जल, जंगल और जमीन से जुड़ा वह समाज, जिसने हजारों वर्षों से प्रकृति की रक्षा की है, सम्मान और समान अवसर के साथ राष्ट्रीय प्रगति का अभिन्न भाग न बने। आदिवासी समाज ने कभी प्रकृति का दोहन नहीं किया, बल्कि उसका संरक्षण किया। आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण संकट और जैव विविधता के संरक्षण की चिंता कर रही है, तब आदिवासी जीवन-दर्शन आधुनिक विश्व के लिए एक वैकल्पिक विकास मॉडल प्रस्तुत करता है।

आदिवासी प्रकृति के पुत्र और संस्कृति के प्रहरी है। "जो प्रकृति से जुड़ा है, वही मनुष्यत्व का संरक्षक है" -यह वाक्य आदिवासी समाज पर अक्षरशः लागू होता है। आदिवासी शब्द मात्र एक सामाजिक पहचान नहीं, बल्कि एक दर्शन है, सहजता, सामूहिकता, संतुलन और सह-अस्तित्व का दर्शन। करीब 90 प्रतिशत खनिज सम्पदा, वनौषधियां और जैव विविधता इन्हीं के क्षेत्रों में विद्यमान है। उनका जीवन सभ्यता के केंद्र से नहीं, बल्कि संवेदना के मूल से संचालित होता है। वे भले ही ह्यवनवासीह्न कहलाए गए, परंतु उनका जीवनदर्शन हमें शहरीकरण के आडंबर से बाहर निकालकर स्वाभाविक जीवन की राह दिखाता है। नए भारत में विकास का पर्याय यदि केवल बहुराष्ट्रीय निवेश, चकाचौंध और स्मार्ट सिटी बन गया है, तो आदिवासी समाज उसके विस्थापित मूल्य हैं। जल-जंगल-जमीन के नाम पर किए गए सौदे, खनिज लूट, धार्मिक कन्वर्जन, सांस्कृतिक विघटन और जबरन भूमि अधिग्रहण की घटनाएं केवल उनकी आर्थिक दशा ही नहीं बिगाड़ती, बल्कि उनकी पहचान, भाषा और परंपरा को भी निगलती जा रही हैं। आज आदिवासी समाज ऋण, अशिक्षा, पलायन, अस्वास्थ्यकर जीवन, बेरोजगारी जैसी समस्याओं से ग्रस्त है। तथाकथित विकास ने उन्हें "पराया" बना दिया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस परायेपन का दूर करने के लिये पिछले वर्षों में जनजातीय समाज के सम्मान और सशक्तीकरण को राष्ट्रीय प्राथमिकताओं में स्थान दिया है। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को "जनजातीय गौरव दिवस" के रूप में मनाने का निर्णय हो, जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, डिजिटल कनेक्टिविटी और कौशल विकास की योजनाओं का विस्तार हो, एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों का व्यापक विस्तार हो, अथवा प्रधानमंत्री जनजातीय विकास मिशन जैसी पहलें-इन सबने यह स्पष्ट किया है कि नए भारत की विकासधारा में आदिवासी समाज को केंद्र में रखने का प्रयास किया जा रहा है। यह केवल योजनाओं का विस्तार नहीं, बल्कि राष्ट्रीय दृष्टिकोण में परिवर्तन का संकेत है। किन्तु यह भी उतना ही सत्य है कि किसी भी सरकारी योजना की सफलता तभी सुनिश्चित होती है, जब समाज के भीतर से ऐसे प्रेरक व्यक्तित्व सामने आएं जो सेवा, संस्कार और संगठन के माध्यम से परिवर्तन की चेतना जगाएं। गुजरात के सुप्रसिद्ध जैन संत डॉ. गणि राजेन्द्र विजयजी ने इसी दिशा में पिछले दो-तीन दशकों में जो कार्य किया है, वह केवल सामाजिक सेवा नहीं, बल्कि जनजातीय पुनर्जागरण का एक व्यापक अभियान है। उन्होंने आदिवासी समाज को दया का पात्र नहीं, बल्कि राष्ट्रनिर्माण की शक्ति माना। शिक्षा, स्वास्थ्य, नशामुक्ति, आत्मनिर्भरता, सांस्कृतिक संरक्षण, महिला सशक्तीकरण और नैतिक जागरण जैसे अनेक क्षेत्रों में उनके नेतृत्व में जो कार्य हुए, उन्होंने हजारों परिवारों के जीवन में नई आशा का संचार किया। मेरा सौभाग्य है कि मैं प्रारंभ से ही उनके मिशन से जुड़ा रहा हूं।

सुखी परिवार फाउंडेशन इस जनजागरण यात्रा का एक महत्वपूर्ण माध्यम बनकर उभरा। वर्ष 2007 में आयोजित विशाल आदिवासी सम्मेलन भारतीय सामाजिक इतिहास की एक स्मरणीय घटना सिद्ध हुआ। लाखों की संख्या में उपस्थित आदिवासी समाज का उत्साह, अनुशासन और आत्मविश्वास यह प्रमाणित कर रहा था कि यदि सही नेतृत्व और विश्वास मिले तो जनजातीय समाज राष्ट्र की सबसे बड़ी सकारात्मक शक्ति बन सकता है। उस ऐतिहासिक सम्मेलन में तत्कालीन गुजरात के मुख्यमंत्री और वर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति ने इस आयोजन को नई ऊंचाई प्रदान की। विशाल जनसमुदाय को देखकर उनके मन में जो प्रसन्नता और आत्मीयता दिखाई दी, वह केवल एक राजनीतिक क्षण नहीं था, बल्कि जनजातीय चेतना के प्रति उनके विश्वास का सार्वजनिक प्रकटीकरण था। उसी मंच से उन्होंने सुखी परिवार फाउंडेशन को एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय के संचालन का दायित्व सौंपा। साथ ही जनजातीय विकास के लिए लगभग 15,000 करोड़ रुपये की वनबंधु योजना सहित अनेक महत्वपूर्ण घोषणाएं की गईं। यह सम्मेलन केवल योजनाओं की घोषणा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि जनजातीय विकास की राष्ट्रीय दिशा निर्धारित करने वाला प्रेरक अवसर सिद्ध हुआ।

गणि राजेन्द्र विजयजी के प्रभावी नेतृत्व, समाज के प्रति समर्पण और जनजातीय क्षेत्रों में किए गए रचनात्मक कार्यों ने इस सम्मेलन को एक ऐतिहासिक आयाम दिया। उस मंच से उठी सेवा, संस्कार और समरसता की भावना ने जनजातीय समाज और शासन के बीच विश्वास का एक नया सेतु निर्मित किया। अनेक लोगों की दृष्टि में यह सम्मेलन उस सकारात्मक सामाजिक वातावरण का भी प्रतीक बना, जिसने आगे चलकर नरेन्द्र मोदी के राष्ट्रीय नेतृत्व के लिए व्यापक जनविश्वास का आधार तैयार किया। इसे भारतीय जनजीवन में सामाजिक और आध्यात्मिक शक्तियों के समन्वय के एक महत्वपूर्ण उदाहरण के रूप में देखा जा सकता है। आज विकसित भारत की चर्चा केवल आर्थिक विकास तक सीमित नहीं रह सकती। यदि भारत को विश्वगुरु बनना है तो उसे अपनी सांस्कृतिक जड़ों, पर्यावरणीय मूल्यों और सामाजिक समरसता को भी समान महत्व देना होगा। इस दृष्टि से आदिवासी समाज भारत की सबसे बड़ी पूंजी है। उनके पास प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व का अनुभव है, औषधीय ज्ञान है, जैव विविधता की समझ है, लोककला है, सामुदायिक जीवन का अनुकरणीय मॉडल है और सबसे बढ़कर मानवीय संवेदनाओं से भरा जीवन-दर्शन है।

आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल तकनीक, ड्रोन, जैव प्रौद्योगिकी और वैश्विक नवाचार के युग में आवश्यकता इस बात की है कि आदिवासी समाज को इन आधुनिक साधनों से जोड़ा जाए, किंतु उनकी सांस्कृतिक पहचान सुरक्षित रहे। उनकी भाषाओं का डिजिटलीकरण, लोक परंपराओं का दस्तावेजीकरण, वन उत्पादों का वैश्विक विपणन, स्थानीय उद्यमिता का विकास, डिजिटल शिक्षा और टेलीमेडिसिन जैसी व्यवस्थाएं उन्हें आधुनिकता से जोड़ते हुए उनकी अस्मिता को भी सुरक्षित रख सकती हैं। इतिहास साक्षी है कि भारत की स्वतंत्रता की पहली ज्वालाएं जंगलों और पहाड़ों से ही उठी थीं। बिरसा मुंडा, सिद्धू-कान्हू, रानी दुर्गावती, कोमाराम भीम, गोविंद गुरु और असंख्य जनजातीय वीरों ने राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राण न्योछावर किए। दुर्भाग्य से मुख्यधारा के इतिहास में उन्हें वह स्थान नहीं मिला जिसके वे अधिकारी थे। आज आवश्यकता केवल उनके स्मरण की नहीं, बल्कि उनके जीवन-मूल्यों को राष्ट्रीय चरित्र का हिस्सा बनाने की है।

विश्व आदिवासी दिवस हमें यह संदेश देता है कि विकास का वास्तविक अर्थ केवल ऊंची इमारतें, स्मार्ट शहर और औद्योगिक निवेश नहीं है। विकास का अर्थ है-मानव गरिमा, सांस्कृतिक सम्मान, सामाजिक न्याय और प्रकृति के साथ संतुलित जीवन। आदिवासी समाज इन सभी मूल्यों का जीवंत प्रतीक है। आज जब भारत अमृतकाल में विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है, तब यह स्मरण रखना आवश्यक है कि भारत की आत्मा महानगरों की चमक में नहीं, बल्कि उन वनों, पर्वतों और जनजातीय बस्तियों में भी धड़कती है, जहां प्रकृति आज भी संस्कृति का उत्सव मनाती है। विकसित भारत का भविष्य तभी उज्ज्वल होगा, जब आदिवासी समाज केवल योजनाओं का लाभार्थी नहीं, बल्कि राष्ट्र के नेतृत्व, नीति-निर्माण और विकास का सक्रिय भागीदार बने।

मूलनिवासी दिवस : पश्चिमी देशों में जनजातीय नरसंहार का स्मरण दिवस

डॉ. प्रवीण दाताराम

द सोशल कॉन्ट्रैक्ट जीन जैक्स रूसो की वर्ष 1762 में प्रकाशित एक प्रसिद्ध पुस्तक है। इस पुस्तक की प्रथम पंक्ति है– मनुष्य स्वतंत्र पैदा हुआ था, और अब वह हर जगह जंजीरों में जकड़ा हुआ है। यही वह बिंदु है, जो पश्चिमी और इस्लामिक चिंतन से हम भारतीयों को अलग करता है। सनातनी भारतीय समाज सदा-सदा से ऐसी लोकतांत्रिक, अनुशासित व्यवस्था है, जो उत्तरोत्तर सुधार, स्वतंत्रता के साथ-साथ साधना की ओर बढ़ती है। यह साधना कई रूपों में हमारे साथ चलती है। यह जड़ता से चेतना की ओर बढ़ती हुई यात्रा होती है।

पश्चिमी चिंतन चेतना से जड़ता की ओर बहुतेरे ही जाता रहता है। इसका ज्वलंत उदाहरण राजनीतिक कारणों से उपजाया गया नौ अगस्त का "विश्व जनजातीय दिवस" है। यह विश्व भर को अपने बॉयस, अपने दृष्टिकोण, अपने छद्म और अपने दुराग्रह से बाँधने का कुत्सित प्रयास है। यह विश्व भर के जनजातीय समाज की आँखों में मिर्च झोंकने का दुष्प्रयास है।

विश्व जनजातीय दिवस उत्सव एक सुंदर मकड़ी का अतिसुंदर मकड़जाल है। यह आयोजन अपने ही पुरखों के भीषण नरसंहार को भुला दिए जाने का षड्यंत्र है और इस शोक दिवस को गौरव दिवस के रूप में मनाने की दुरभिसंधि (साजिश) भी! इस अंतरराष्ट्रीय जनजातीय दिवस की गिद्ध दृष्टि में लगभग दो सौ आदिवासी समूहों की चेतना है। उनकी चेतना में समाए उनके पुरखों के जेनोसाइड पर है।

पश्चिमी समाज विश्व भर के जनजातीय मानस से उनके नरसंहार को, होलोकॉस्ट को, मैसेकर को, मास स्लॉटरिंग को, ब्लड बाथ को, एनिहिलेशन को, मास मर्डरिंग को उनकी स्मृति से लोप या एमनेसिया करा देने का एक फैशनेबल किंतु कुत्सित प्रयास कर रहा है। यह जनजातीय विमर्श को अजब-गजब तरीके से स्थापित करने की कलाबाजी है।

पश्चिम फेक डिस्कोर्सेस को स्थापित करने के छद्मयुद्ध का सदैव से ही कुशल खिलाड़ी रहा है।

जनजातीय बंधु, जो बोलीविया, ब्राजील, कोलंबिया, इक्वाडोर, इंडोनेशिया, पपुआ न्यू गिनी, पेरू, वेनेजुएला आदि देशों और साथ ही भारत के दूरस्थ, अंतर्स्थित वनों में रहते हैं एवं प्रकृति को ही ईश्वर मानकर उसका रक्षण करते हैं, यह दिवस उनकी स्मृति लोप कराने का दुष्प्रयास है। पूरे विश्व के बाद अब पश्चिमी शक्तियाँ भारत में भी इस वितंडे को स्थापित करने का प्रयास कर रही हैं।

नौ अगस्त, वस्तुतः पश्चिमी साम्राज्यवादियों द्वारा किए गए बड़े, बर्बर नरसंहार का दिन है। इस शोक दिवस को उसी पीड़ित, दमित व संहारित किए गए वनबंधुओं द्वारा गौरव दिवस के रूप में मनवा लेने का षड्यंत्र है यह! वस्तुतः नौ अगस्त का यह दिन अमेरिका, जर्मनी, स्पेन सहित समस्त उन पश्चिमी देशों पर बाहरी आक्रमणकारियों द्वारा पश्चाताप, दुःख व क्षमाप्रार्थना का दिन होना चाहिए। इस दिन यूरोपीय आक्रमणकारियों को उन देशों के मूल निवासियों से क्षमा माँगनी चाहिए, जिन मूलनिवासियों को उन्होंने बर्बरतापूर्वक उनके मूलनिवास से खदेड़ा था या समाप्तप्राय कर दिया था।

पश्चिमी बौद्धिक जगत का प्रताप देखिए कि हुआ ठीक इसका उल्टा; उन्होंने इस दिन का स्वरूप, मंतव्य व आशय समूचा ही उलटा कर दिया!

आश्चर्य यह है कि हम भारतीय भी इस थोथे विमर्श में फँस गए हैं। इस इंडीजेनस डे का हमसे तो कोई सरोकार ही नहीं है। यदि जनजातीय दिवस मनाना ही है, तो हमारे पास भगवान बिरसा मुंडा से लेकर टंट्या मामा भील तक हजारों ऐसे जनजातीय योद्धाओं का समृद्ध इतिहास है, जिन्होंने हमारे समूचे भारतीय समाज के लिए कई-कई गौरवमयी स्वतंत्रता अभियान चलाए हैं व अपने प्राणों को न्यौछावर कर दिया।

भारत के ग्रामों व नगरों में वनवासी समाज की प्रतिष्ठा के रक्षण व विकास की प्राचीन परंपरा रही है। भारत के नगरीय व ग्रामीण समाज और वनवासी समाज में परस्पर निर्भरता, परस्पर उत्तरदायित्व की अद्भुत किंतु अलिखित संतुलन प्रवृत्ति रही है।

प्रकृति-पूजन हमें वेदों से प्राप्त हुआ, जिसके प्रति नगरीय समाज की अपेक्षा जनजातीय समाज अधिक आग्रही रहा है। भारतीय जनजातीय समाज रक्षण का पात्र नहीं, अपितु शेष समाज व राष्ट्र का रक्षक रहा है। मूलनिवासी दिवस की चर्चा करें तो ध्यान आता है कि हमारी नर्मदा घाटी ही मानव प्रजाति की जन्मदाता रही है। नर्मदा किनारे जन्मी इस सभ्यता में नगरीय व वन-कंदराओं में निवास करने वाले बंधुओं, दोनों का ही अपना-अपना महत्व व भूमिका थी। दोनों ही समाज अपने उत्पादनों व वृत्तियों के आधार पर परस्पर निर्भरता के सिद्धांत से जीवन यापन करते हुए वैदिक धर्म को ही भिन्न रूपों में माना करते थे।

शिव उपासना वैदिक धर्म का एक अविभाज्य अंग रही है। शिव-पूजन को वनबंधुओं ने भी आगे बढ़ाया व नगरीय समाज ने भी।

कोलंबस दिवस के रूप में भी मनाए जाने वाले इस दिन को वस्तुतः अंग्रेजों के अपराध-बोध को स्वीकार करने के दिवस के रूप में मनाया जाना चाहिए। अमेरिका से वहाँ के मूल निवासियों को अतीव बर्बरता पूर्वक समाप्त कर देने की कहानी के पश्चिमी पश्चाताप दिवस के रूप में ही यह स्वीकार्य है।

आज भारत सामाजिक समरसता के नए आयाम गढ़ रहा है। यह कुछ भारत-विरोधी तत्वों को रास नहीं आ रहा है। इस सकारात्मक परिवर्तन के वातावरण में जहर बोने का कार्य कुछ भारत-विरोधी व विभाजनकारी लोग करते हैं। मूलनिवासी दिवस के एजेंडे के पीछे बहुत से ऐसे विदेशी मानसिकता के लोग खड़े हो गए हैं व भारत के भोले-भाले जनजातीय समाज के मन में विभाजन के बीज बो रहे हैं।

कम्युनिस्ट, इस्लाम व ईसाइयत के षड्यंत्र का नव संस्करण है मूलनिवासीवाद!

भारतीय दलितों व आदिवासियों को पश्चिमी अवधारणा से जोड़ने व भारतीय समाज में विभाजन के नए केंद्रों की खोज इस मूलनिवासीवाद के नाम पर प्रारंभ कर दी गई है। इस पश्चिमी षड्यंत्र के दुष्प्रभाव में कुछ कथित दलित व जनजातीय नेताओं ने यह कहना प्रारंभ किया कि भारत के मूल निवासियों (दलितों) को बाहरी आर्यों ने अपना गुलाम बनाकर यहाँ हिंदू वर्ण व्यवस्था को लागू किया।

बाबासाहेब अपने लेखन में कथित आर्य व जनजातीय संघर्ष की बात को दृढ़ता से नकारते हैं। बाबासाहेब ने लिखा है- आर्य आक्रमण की झूठी कथा पश्चिमी लेखकों द्वारा बनाई गई है, जिसके कोई प्रमाण नहीं हैं। अंबेडकर जी आगे लिखते हैं- इस पश्चिमी सिद्धांत का विश्लेषण करने से मैं जिस निर्णय पर पहुँचा हूँ, वह यह है–वेदों में आर्य जातिवाद का उल्लेख नहीं है व वेदों में आर्यों द्वारा दलित व जनजातीय आक्रमण कर विजय प्राप्त करने का कोई प्रमाण नहीं है।

अनावश्यक ही यह राग अलापा जाता रहा है कि आर्य बाहर से आए थे। इस भ्रामक अवधारणा ने भारतीय संस्कृति का बड़ा अहित किया है। भारतीय जनमानस में परस्पर द्वेष, आर्य-अनार्य विचार एवं दक्षिण-उत्तर की भावना उत्पन्न करने वाला यह विचार, तात्कालिक राजनीतिक लाभ हेतु विदेशियों एवं विधर्मियों द्वारा योजनाबद्ध रूप से प्रचारित किया जा रहा है।

आइए, हम मूलनिवासी दिवस को मनाएँ, किंतु इसे उत्सवपूर्वक नहीं, बल्कि जनजातीय समाज के पुरखों के नरसंहार के स्मरण दिवस के रूप में मनाएँ। एक बड़े षड्यंत्र के विरोध के रूप में गंभीरता व प्रेरणापूर्वक इसे मनाएँ।

सूडोकु नवताल- 7880

★★★★☆ कठिन

	8	5						
3								
			6			7	4	
6			2		4			
1								8
			7		5			3
	4	7			1			
								6
						5	2	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7879 का हल

4	3	9	2	6	8	5	1	7
8	1	6	7	4	5	9	2	3
7	5	2	3	9	1	6	4	8
1	7	5	4	2	6	8	3	9
6	4	3	8	5	9	2	7	1
2	9	8	1	7	3	4	5	6
5	2	1	6	8	7	3	9	4
9	8	7	5	3	4	1	6	2
3	6	4	9	1	2	7	8	5

जेन जी से संवाद करने से ही दूर होगा छात्रों का असंतोष : संघ प्रमुख

कृष्णमोहन झा

नीट पेपर लीक के बाद दिल्ली के जंतर मंतर मैदान पर छात्रों और युवाओं ने जो प्रदर्शन किया उसने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान को अपना पद छोड़ने के लिए विवश तो कर दिया परंतु उनका इस्तीफा भी युवाओं के असंतोष पर पूर्ण विराम नहीं लगा सका। देश के दूसरे हिस्सों में किसी न किसी मुद्दे को युवाओं के असंतोष की अभिव्यक्ति का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस असंतोष की प्रतिक्रिया स्वरूप दिए जाने वाले नित नये बयान युवाओं के असंतोष में इजाफा ही कर रहे हैं। देश में उपजे अनिश्चितता के इस वातावरण में संघ प्रमुख मोहन भागवत ने विगत दिनों जेन जी और जेन अल्फा से जो सकारात्मक संवाद किया उसने असंतुष्ट युवाओं के दिल जीतने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस संवाद में नयी पीढ़ी को पुरानी पीढ़ी से अधिक ईमानदार और देश भक्त बताते हुए उन्होंने कहा कि अगर किसी पर आंख मूंद कर भरोसा किया जा सकता है तो वह जेन जी है। संघ प्रमुख ने कहा कि विरोध को भी बातचीत और संवाद का एक रूप बताते हुए कहा कि बातचीत या संवाद के अभाव में विरोध अपने मुद्दों को चर्चा में लाने का एक माध्यम बन जाता है। भागवत ने एक प्रश्न के उत्तर में बिना किसी लाग लपेट के कहा कि अपनी जायज मांगों को यदि लोग विरोध अथवा आंदोलन करते हैं तो इसके लिए उन्हें राष्ट्र विरोधी नहीं कहा जा सकता परंतु इसके साथ ही संघ प्रमुख ने यह भी कहा कि प्रदर्शन किसी व्यक्ति के विरोध में नहीं बल्कि व्यवस्था में सुधार के लिए होना चाहिए। नयी पीढ़ी भी समाज का अभिन्न हिस्सा है। उन्हें भी सवाल पूछने का अधिकार है। उनकी सोच और सवालों को समझने के लिए बातचीत जरूरी है।भागवत ने जेन जी की ओर से किए जा रहे सवालों के जवाब में अपने इस मंतव्य को बार बार दोहराया कि हर समस्या का समाधान केवल बातचीत या संवाद से ही संभव है इसलिए चर्चा या संवाद हमेशा जारी रहना चाहिए। एक प्रश्न के उत्तर में संघ प्रमुख ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए लिए बहुत कुछ किया जाना बाकी है साथ ही यह भी कहा कि शिक्षा के लिए केवल सरकार पर निर्भर रहना ठीक नहीं है। इसके लिए सामाजिक संगठनों को भी आगे आना चाहिए। इंडियाज इंटरनेशनल मूवमेंट टू यूनाइट नेशंस के तत्वावधान में आयोजित इस अनूठे संवाद कार्यक्रम में देश भर से 15 से 19 वर्ष की आयु के 2000 छात्रों को संघ प्रमुख से प्रश्न पूछने के लिए आमंत्रित किया गया था। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने भी कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। थरूर ने अपने भाषण में कहा कि काकरोच जनता पार्टी ने जंतर मंतर पर पेपर लीक जैसे जो मुद्दे उठाए वे पहले से ही कांग्रेस के छात्र संपर्क अभियान छात्रों की गूँज कार्य क्रम का हिस्सा थे लेकिन कांग्रेस जेन जी की नब्ज पहचानने और छात्रों की बात समझने में नाकाम रही। कांग्रेस को इस पर मंथन करना चाहिए।

इसमें दो राय नहीं हो सकती कि मुंबई में जेन जी और जेन अल्फा के साथ संवाद कार्यक्रम में मोहन भागवत ने जो विचार व्यक्त किए उसके माध्यम से वे नयी पीढ़ी के दिल जीतने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। भागवत ने इस कार्यक्रम में नयी पीढ़ी को पुरानी पीढ़ी से अधिक ईमानदार और देशभक्त बता कर उन भाजपा नेताओं के उन बयानों का खंडन कर दिया है जिनमें आंदोलनकारी छात्रों को राष्ट्र विरोधी, उपद्रवी बताते हुए इस आंदोलन के तार पाकिस्तान से भी जोड़ने में कोई संकोच नहीं किया था। भागवत ने आंदोलनकारी छात्रों से बातचीत का रास्ता अपनाने का जो परामर्श दिया है उसमें समाज और सरकार के लिए एक सार्थक संदेश छुपा हुआ है। भागवत ने कुछ दिन पूर्व एक अन्य कार्यक्रम में दिए गए व्याख्यान में परिवार में संवाद बढाने और बच्चों को और अधिक समय देने की आवश्यकता को रेखांकित किया था।

गौरतलब है कि नीट पेपर लीक के बाद जब नयीदिल्ली के जंतर मंतर मैदान पर छात्रों का प्रदर्शन चल रहा उसी दौरान विश्व मांगल्य सभा के तत्वावधान में आयोजित एक कार्यक्रम में संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा था कि नयी पीढ़ी हर बात पर सवाल पूछती है और उन्हें तर्क से समझाना पड़ता है।भागवत ने अपने उस व्याख्यान में नयी पीढ़ी के साथ संवाद बढाने पर विशेष जोर देते हुए यह भी कहा कि बच्चों और युवाओं को अपनापन और समय देने की आवश्यकता है। भागवत के इस व्याख्यान के अगले ही दिन जब केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने नीट पेपर लीक मामले में नैतिक जिम्मेदारी स्वीकार करते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया तो उनके उस कदम को भागवत के एक दिन पूर्व दिए गए बयान से जोड़ कर देखा गया और यह स्वाभाविक भी था। भागवत के उस बयान ने युवाओं की इस उत्सुकता को और बढ़ा दिया कि नयी पीढ़ी के असंतोष को लेकर उनका क्या दृष्टिकोण है। दरअसल संघ प्रमुख ने उस बयान में नयी पीढ़ी को अपनापन देने की आवश्यकता को जिस तरह रेखांकित किया था उसकी युवाओं के असंतोष को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने विश्व मांगल्य सभा में जो विचार व्यक्त किए उनसे यह उम्मीद जगी कि नयी पीढ़ी के असंतोष को दूर करने के लिए मोहन भागवत की कार्य योजना पर अमल करके छात्रों के असंतोष को रचनात्मक मोड देकर राष्ट्र निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भागीदारी सुनिश्चित की जा सकती है।

(लेखक राजनैतिक विश्लेषक है)

दैनिक पंचांग

9 अगस्त 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.13 बजे से
चंद्र	मिथुन में	कन्या	08.24 बजे से
मंगल	मिथुन में	तुला	10.35 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	12.50 ब.से
गुरु	कर्क में	धनु	15.06 बजे से
शुक्र	कन्या में	मकर	17.11 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	18.57 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	20.30 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	22.01 बजे से
		वृष	23.41 बजे से
		मिथुन	01.39 बजे से
		कर्क	03.52 बजे से

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

रविवार 2026 वर्ष का 221 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण
तिथि एकादशी 11.06 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मृगशीर्ष 14.44 बजे को समाप्त।
योग व्याघात 05.38 बजे तदनन्तर हर्षण 02.05 बजे रात्र को समाप्त।
करण बालव 11.06 बजे तदनन्तर कौलव 21.34 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 24.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 15° 54'
सूर्य दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872796
जूलियन दिन 2461261.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448 **महीना** सफर
तारीख 25 **विशेष** कामिका एकादशी, अंग्रेजो भारत छोड़ो आंदोलन दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उद्वेग	05.56 से	07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से	07.09 बजे तक
चर	07.23 से	08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से	08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18 बजे तक	चर	08.41 से	10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46 बजे तक	रोग	10.14 से	11.46 बजे तक
काल	11.46 से	01.14 बजे तक	काल	11.46 से	01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से	02.51 बजे तक
रोग	02.41 से	04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से	04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

एसआइआर के विशेष शिविरों का उपायुक्त ने किया निरीक्षण

खूंटी : विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर)-2026 के तहत जिले के सभी मतदान केंद्रों पर आयोजित विशेष शिविरों का जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त मो. जावेद हुसैन ने शनिवार को निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मतदान केंद्रों पर उपलब्ध सुविधाओं, मतदाता सूची के प्रारूप तथा दावा-आपत्ति से संबंधित कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने एआरओ ए इ आर ओ , बी एल ओ और संबंधित कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। उपायुक्त ने 60-खूंटी विधानसभा क्षेत्र के मुरहू प्रखंड अंतर्गत मतदान केंद्र संख्या 239, 240, 241, 245 और 246 तथा 59-तोरपा विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्र संख्या 113 का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि शिविर में आने वाले मतदाताओं को एसआइआर -2026 की प्रक्रिया के संबंध में आवश्यक जानकारी और सहयोग उपलब्ध कराया जाए।

बरही में खाद्य सुरक्षा विभाग की औचक छापेमारी, एक्सपायर्ड सामान जब्त, मिठाइयां नष्ट

लाइसेंस जांच में मिली गड़बड़ी, जांच के लिए लिए गए नमूने, बिना लाइसेंस की दुकान को नोटिस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : उपायुक्त हेमंत सती और अभिहित अधिकारी-सह-अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. शशि जायसवाल के आदेश पर खाद्य सुरक्षा विभाग हजारीबाग की टीम ने शनिवार को बरही क्षेत्र के विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण दल में खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी श्वेता त्रिपाठी, अम्बरीश पांडेय, डॉ. नावेद अंजुम के साथ विकास शर्मा, सूरज कुमार और धनश्वर कुशवाहा शामिल थे। खोडाहार में प्रदीप कुशवाहा के प्रतिष्ठान में खाद्य लाइसेंस/पंजीकरण नहीं पाया गया ।

इसलिए उन्हें मौके पर नोटिस दिया गया।

होटल और दुकानों की जांचः होटल हर्षित राज फैमिली रेस्टोरेंट के किचन में साफ-सफाई संतोषजनक पाई गई। धनबाद रोड स्थित मधुलिका रिटेल शॉप एवं मधुलिका स्वीट्स का भी निरीक्षण किया गया। उन्हें सुधार के कई निर्देश दिए गए।

साफ सफाई संतोषजनक नहीं पाई
गौतम स्टोर में जांच के दौरान एक्सपायर्ड खाद्य उत्पाद पाए गए जिन्हें मौके पर जब्त कर लिया गया और लाइसेंस नहीं मिलने पर नोटिस जारी किया गया। **मिठाइयां नष्ट, तेल के नमूने लिएः** बिनय स्वीट्स में बड़ी मात्रा में मिठाइयां खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुरूप नहीं मिलने पर उन्हें मौके पर ही नष्ट कराया गया। टीम द्वारा Fortune Mustard Oili' के दो नमूने संग्रहित किए गए, एक बरही से और दूसरा गया रोड स्थित सनमति ट्रेडर्स से, जिन्हें प्रयोगशाला जांच हेतु भेजा जाएगा। **दिया गया निदेर्शः** खाद्य सुरक्षा विभाग ने सभी कारोबारियों को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 का अनुपालन करने, प्रतिष्ठानों में स्वच्छता बनाए रखने और वैध खाद्य लाइसेंस रखने का निर्देश दिया। नियमों के उल्लंघन पर नियमानुसार कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई।

मॉडल विद्यालय बच्छई में एसएमसी की बैठक, 35 विद्यार्थियों को बांटी गई साइकिल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : प्रखंड के मॉडल विद्यालय बच्छई में विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पंचायत के मुखिया बिरेन्द्र रजक सहित प्रबंधन समिति के सदस्य उपस्थित रहे। इस दौरान विद्यालय के रख-रखाव, विद्यार्थियों के लिए बेहतर शैक्षणिक वातावरण, मध्यान्ह भोजन योजना सहित विभिन्न व्यवस्थाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में विद्यार्थियों की सुविधाओं में बढ़ोतरी और विद्यालय की व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने पर भी विचार-विमर्श किया गया। बैठक के बाद विद्यालय के 35 विद्यार्थियों के बीच साइकिल का वितरण किया गया। साइकिल का वितरण पंचायत के मुखिया बिरेन्द्र रजक एवं वार्ड सदस्य सुजीत कुमार यादव ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर मुखिया बिरेन्द्र रजक ने विद्यार्थियों को नियमित रूप से विद्यालय आने और मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए पंचायत स्तर से हरसंभव सहयोग किया जाएगा।

नशे के खिलाफ ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय ने छेड़ा जनजागरूकता अभियान

चौपारण : प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, रईस कॉलोनी चौपारण में शनिवार को नशा मुक्ति अभियान को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा आयोजित की गई। कार्यक्रम में पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला, ताजपुर मुखिया प्रतिनिधि अभिमन्यु प्रसाद भगत, पंचायत समिति प्रतिनिधि टुन्नू वर्णवाल एवं महेश प्रसाद केशरी उपस्थित रहे। इस दौरान संस्था की प्रभा दीदी, सीमा दीदी, धनंजय भैया एवं नागेश्वर भाई ने अतिथियों के साथ संस्था की गतिविधियों एवं सामाजिक सरोकारों पर विस्तार से चर्चा की। विशेष रूप से युवाओं और बच्चों को नशे के दुष्परिणामों से बचाने तथा समाज में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर रोक लगाने को लेकर चलाए जा रहे नशा मुक्ति अभियान को सफल बनाने पर जोर दिया गया। संस्था के सदस्यों ने बताया कि भारत सरकार एवं झारखंड सरकार के निदेर्शानुसार विद्यालयों में विद्यार्थियों को नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक नुकसान की जानकारी देकर उन्हें नशे से दूर रहने के लिए जागरूक किया जा रहा है।

विधायक ने फीता काटकर और बल्ले से शॉट लगाकर किया क्रिकेट फाइनल का शुभारंभ

चलकुशा : प्रखंड के ग्राम पंचायत मसकेडीह में रेलवे क्लब की ओर से आयोजित क्रिकेट टूनामेंट के फाइनल मुकाबले का शुभारंभ विधायक अमित कुमार यादव ने फीता काटकर एवं बल्ले से शॉट लगाकर किया। इस दौरान विधायक ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन भी किया। फाइनल मुकाबला रजरप्पा और बेंकों की टीम के बीच खेला गया। रोमांचक मुकाबले में रजरप्पा की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बेंकों को 10 रनों से हराकर एक लाख का प्रथम पुरस्कार अपने नाम किया। वहीं बेंकों को 50 हजार रुपए के रूप में द्वितीय पुरस्कार दिया गया मैच के दौरान खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में खेलप्रेमी मौजूद रहे। मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष वासुदेव यादव, मुखिया संघ अध्यक्ष आलोक सिंह, सुखदेव यादव, केदार यादव, दशरथ यादव, तफज्जुल हुसैन, हलीम अंसारी, राजेश यादव,अवधेश सिंह, मोहसिन कमाल सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

पटमदा प्रखंड सभागार में कृषि विभाग ने दिया प्रशिक्षण

पटमदा : प्रखंड सभागार में डिजिटल एग्रीकल्चर मिशन के अंतर्गत डिजिटल क्रॉप सर्वे की ट्रेनिंग एनिमेटर एवं सुपरवाइजर को दिया गया। बता दे कि पिछले वर्ष की भाँति इस वर्ष भी खरीफ फसलों का आंकलन हेतु खरीफ डिजिटल क्रॉप सर्वे प्रत्येक पंचायत में की जाएगी। ये कार्य 15 अगस्त से 30 सितंबर तक चलेगी। ट्रेनिंग प्रोग्राम प्रखंड विकास पदाधिकारी डॉ राजेंद्र कुमार दास की अध्यक्षता में की गई। कार्यकरण में प्रखंड कृषि पदाधिकारी देव कुमार, बीटीएम सालगे सोरेन, एटीएम जितेंद्र रुहिदास,ट्रेनर सुशील महतो सहित सभी एमिनेटर एवम सुपरवाइजर उपस्थित थे।

विश्व आदिवासी दिवस पर विद्यालयों में सांस्कृतिक कार्यक्रम, बच्चों ने दी मनमोहक प्रस्तुति

पटमदा : पटमदा और बोड़ाम प्रखंड के सरकारी विद्यालयों में विश्व आदिवासी दिवस उल्लास के साथ मनाया गया। इधर प्लस टू आदिवासी उच्च विद्यालय में विश्व आदिवासी दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम के आधार पर बच्चों ने प्रस्तुति देते हुए आदिवासी दिवस को मनाया,विद्यालय के प्राचार्य सुजीत सिट,शिक्षक, शिक्षिकाओ,अतिथियों ने संबोधन में आदिवासी दिवस पर महत्वपूर्ण जानकारी दी। मौके पर प्राचार्य सुजीत कुमार सेठ,वकील राम, विवेकानंद दरिपा,रथुनाथ महतो, जयंत रजक,प्राण कृष्ण कुंभकार,कृष्ण कुमार,सत्य रंजन शीट, चंदन मंडल, रविन्द्र कुमार रवी,शुभ्रा महतो,संगीता मुर्मू, तिलोत्तमा कुमारी,ज्योति तिग्गा सह सभी शिक्षक शिक्षिका उपस्थित थे। आदिवासी परंपरा को जीवंत मंचस्थ करने के लिए ज्योत्स्ना माझी का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

विश्व आदिवासी दिवस पर संस्कृति संरक्षण का लिया संकल्प

खूंटी : विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर निर्मला देवी ग्रुप ऑफ एजुकेशन के अंतर्गत संचालित इम्पीरियल कॉलेज ऑफ नर्सिंग एवं निर्मला देवी नर्सिंग स्कूल में शनिवार को विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आदिवासी समाज की समृद्ध संस्कृति, परंपरा, भाषा और प्रकृति संरक्षण में उनके योगदान को रेखांकित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने आदिवासी कला, संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण तथा सम्मान का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि आदिवासी समुदाय देश की सामाजिक एवं सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न हिस्सा है। उनकी पारंपरिक जीवनशैली, लोकज्ञान और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता आज भी समाज के लिए प्रेरणादायक है।

शहीद निर्मल दा के शहादत पर माल्यार्पण कर निकली बाइक रैली

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : पटमदा और बोड़ाम में झारखंड आंदोलन के महानायक वीर शहीद निर्मल महतो का शहादत दिवस पर क्षेत्र के सभी स्थानों पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी गई। जे एल के एम के मानगो नगर अध्यक्ष भक्त रंजन महतो ने समर्थकों के साथ कटिन बाजार स्थित वीर शहीद निर्मल महतो की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित कर सैकड़ों की संख्या में बाइक रैली निकालकर पटमदा और बोड़ाम में शहीद निर्मल महतो की सभी प्रतिमाओं पर माल्यार्पण करते हुए उलियान समाधि स्थल में डुमरी विधायक जयराम महतो के साथ समाधि स्थल में माल्यार्पण कर गुरमा हाट मैदान में आयोजित सभा स्थल में शामिल हुए। संबोधन में भक्त रंजन महतो ने कहा कि झारखंड वीर शहीद निर्मल महतो के शहादत के फलस्वरूप ही प्राप्त हुआ हैं। निर्मल दा के शहादत को पूरा झारखंड उनके शहादत दिवस पर श्रद्धाजलि अर्पित कर मनाता हैं। इसी अवसर पर बाइक रैली निकालकर सभा स्थल में कार्यकर्ता रवाना हुए रैली कार्यक्रम में मुख्य रूप से जेएलकेएम मानगो नगर अध्यक्ष भक्त रंजन महतो, केन्द्रीय महासचिव युवा मोर्चा चंदन महतो, हिमांशु महतो ,फूलचंद मुर्मू, गणेश कुंभकार, प्रभाष महतो, बब्लू मिश्रा, मनोज महतो, उत्तम प्रामाणिक, मिलन महतो, संदीप महतो, राहुल महतो, सत्यवान कैबर्त,साधीन महतो, पाखु महतो सहित सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल थे।

सड़क हादसे में मृत प्रवासी मजदूर के परिजन को स्थानीय विधायक ने सौंपा दो लाख का चेक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बलरामपुर : पुरूलिया जिला के बलरामपुर थाना अंतर्गत नेकरे गांव निवासी मृतक विभिषण महतो के परिजन को राज्य सरकार की ओर से विधायक जलधर महतो ने 2 लाख रुपए की चेक प्रदान किया । मालूम हो कि 42 वर्षीय मजदूर विभिषण महतो परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारने और बेहतर कमाई की उम्मीद में हैदराबाद शहर मजदुरी करने गए थे, जहां 28 जुलाई को हैदराबाद में हुए सड़क हादसे में उनकी जान चली गई।मृतक के परिवार के अनुसार, करीब चार महीने पहले विभीषण महतो भवन निर्माण के काम के लिए हैदराबाद गए थे। स्थानीय स्तर पर पर्याप्त रोजगार और उचित मजदूरी नहीं मिलने के कारण अधिक कमाई की उम्मीद में उन्होंने दूसरे राज्य का रुख किया था। लेकिन काम के दौरान सड़क हादसे में उनकी मौत हो गई। शनिवार को राज्य सरकार की ओर से मृत प्रवासी मजदूर के परिवार को 2 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। बलरामपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक जलधर महतो, बलरामपुर के बीडीओ किशोर मंडल तथा ब्लॉक लेबर ऑफिसर चैतन्य यशी ने मृतक के परिवार के सदस्यों को मुआवजे का चेक सौंपा। इस मौके पर विधायक जलधर महतो ने कहा, "राज्य सरकार की ओर से मृत प्रवासी मजदूर के परिवार को मुआवजे के तौर पर 2 लाख रुपये की सहायता दी गई है।"विधायक ने प्रवासी मजदूरों की समस्या पर चिंता जताते हुए कहा कि क्षेत्र में पर्याप्त उद्योग-कारखाने और रोजगार के अवसर नहीं होने के कारण बड़ी संख्या में लोगों को रोजी-रोटी की तलाश में दूसरे राज्यों में जाना पड़ता है। पूर्व की राज्य सरकारों की भ्रष्ट निति से यहां प्रयाप्त रोजगार हेतु कल कारखाने और उद्योग का स्थापना नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि राज्य में नई सरकार बनने के बाद औद्योगिक विकास और रोजगार के अवसर पैदा करने की दिशा में पहल की जा रही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले दिनों में स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, जिससे लोगों को रोजी-रोटी के लिए दूसरे राज्यों का रुख नहीं करना पड़ेगा। मृतक के परिवार के लिए यह आर्थिक सहायता मुश्किल समय में कुछ राहत जरूर लेकर आई है, लेकिन परिवार ने अपने प्रियजन को हमेशा के लिए खो दिया है।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
ROAD CONSTRUCTION DEPARTMENT,
ROAD DIVISION, GUMLA-835207,
E-mail :- eercdgumla-jhr@nic.in

e-Procurement Notice
e-Tender Reference no.- RCD/Gumla /580
Dated :- 06.08.2026

1	कार्य का नाम	मौंझाटोली–बिरकेरा–कोन्ड्रा पथ के कि0मी0 22वें कि0मी0 में Box cell culvert (1/43/0) पुर्नस्थापन कार्य।
2	प्राक्कलित राशि	**Rs. – 55,99,759.00**
3	बीड सिक्युरिटी (राशि)	Rs. – 112000.00
4	कार्य पूर्ण करने की अवधि	04 Months
5	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	11.08.2026 from 10.30 A.M.
6	निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि एवं समय	25.08.2026 upto 12.00 Noon
7	निविदा खुलने का तिथि एवं समय	27.08.2026 at 12.30 P.M.
8	निविदा खुलने का स्थान	Chief Engineer (Com)cum-Nodal Officer, e-Procurement Cell, RCD, Jharkhand, 1st Floor, Engineer's Hostel No.-2, Dhurwa, Ranchi-834004.
9	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम, पता एवं दूरभाष संख्या	कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल, गुमला। मोबाईल न0– 8709076211
10	ई–मेल	eercdgumla-jhr@nic.in
11	ई–प्रोक्यूरमेंट सेल का सहायता दूरभाष संख्या	0651-2401010

Further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in

Sd/-
Executive Engineer,
Road Construction Department,
Road Division, Gumla

PR.NO.387024 Road(26-27):D

DISTRICT HEALTH SOCIETY RAMGARH
DEPARTMENT OF HEALTH & FAMILY WELFARE
Government of Jharkhand
Email: - csramgarh@yahoo.co.in

Letter No. 1090/DHS Dt.08.08.2026

VERY SHORT NOTICE TENDER

The **Civil Surgeon Cum Secretary,** District Rural Health Mission Society, Ramgarh as Tender Inviting Authority(TIA) invites two Bid SystemTechnical and Financial bid from the registered and experience (in health department work) agencies,forselection of an agency for Renovation of Ayushman Arogya Mandir & Others. Detail of which are as follows:-

1	Name of work	Renovation of CHC/Referral/AAMFunctioning under Mandu block: CHC Mandu, Referral Bharechnagar, Seota, ManjhilaChumba, East Kujju and ManduChatti in Ramgarh district.
2	Date of Tender Publish	09.08.2026
3	Pre-Bid Meeting(Compulsory)	12.08.2026 at 1.00 PM
4	Sale of BOQ	13.08.2026
5	Last Date of Tender Submission	15.08.2026 by 5.00 PM
6	Date of Technical Bid opening	17.08.2026 at 11.30 AM
7	Tender Fee & Earnest Money Deposit(EMD)	Rs. 1000/- &2 % of Est. Value respectively, DD in favour of "DRHS RCH Flexible Programm," Payable at Ramgarh

If the above dates may change due to abrupt declaration of holidays, the next day will be such event day.

Sd/- Civil Surgeon Cum Secretary District Rural Health Society, Ramgarh

PR.NO.386990 Health Med Edu and Family Welfare(26-27):D

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
ROAD CONSTRUCTION DEPARTMENT,
ROAD DIVISION, GUMLA-835207, E-mail :- eercdgumla-jhr@nic.in

e-Procurement Notice
e-Tender Reference no.- RCD/Gumla /582
Dated :- 06.08.2026

1	कार्य का नाम	घाघरा–नेतरहाट (SH09) पथ के कि0मी0 3(150.0m,) 4(150.0m), 8(100.0m), 9(150.0m) 11(100.0m), 13(150.0m), 14(150.0m), 17(150.0m), 18(150.0m), 22(150.0m), 23(100.0m) 24(150.0m) 30(100.0m) 31(200.0m) तथा 32(150.0m) में साधारण मरम्मति कार्य।
2	प्राक्कलित राशि	**Rs. – 99,99,851.00**
3	बीड सिक्युरिटी (राशि)	Rs. – 2,00,000.00
4	कार्य पूर्ण करने की अवधि	04 Months
5	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	11.08.2026 from 10.30 A.M.
6	निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि एवं समय	25.08.2026 upto 12.00 Noon
7	निविदा खुलने का तिथि एवं समय	27.08.2026 at 12.30 P.M.
8	निविदा खुलने का स्थान	Chief Engineer (Com)cum -Nodal Officer, e-Procurement Cell, RCD, Jharkhand, 1st Floor, Engineer's Hostel No. -2, Dhurwa, Ranchi-834004.
9	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम, पता एवं दूरभाष संख्या	कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल, गुमला। मोबाईल न0– 8709076211
10	ई–मेल	eercdgumla-jhr@nic.in
11	ई–प्रोक्यूरमेंट सेल का सहायता दूरभाष संख्या	0651-2401010

Further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in

Sd/-
Executive Engineer,
Road Construction Department,
Road Division, Gumla

PR 387030 Road(26-27)D

राँची समाहरणालय, राँची (जिला भू-अर्जन शाखा)
www.dlaoranchi.in

'सिरमटोली चौक से राजेन्द्र चौक तक (1.60 कि०मी०) Elevated Corridor पथ निर्माण परियोजना

नोटिस

मुआवजा राशि का प्रकार :– जमीन/मकान/संरचना का मुआवजा।

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि उपरोक्त भूमि अर्जन वाद में आपको हितबद्ध व्यक्ति समझा गया है। परन्तु आपके द्वारा आजतक अधिग्रहित भूमि से संबंधित दस्तावेज एवं वैद्य रैयती प्रमाण पत्र यथा (बंध पत्र, शपथ पत्र, निबंधित केवाला, अद्यतन लगान रसीद, बैंक पासबुक, आधार कार्ड, बंटवारा/आपसी सहमति, पासपोर्ट आकार का दो फोटोग्राफ, भू–धारण प्रमाण पत्र एवं वंशावली अंचल द्वारा निर्गत) दस्तावेज के साथ दावा पत्र जिला भू–अर्जन कार्यालय, राँची को उपलब्ध नहीं कराया गया है।

अतः आपको अंतिम रूप से स्मारित किया जा रहा है कि आप अपना मुआवजा भुगतान लेने हेतु अधिग्रहित भूमि से संबंधित उपरोक्त वैद्य दस्तावेज के साथ दावा पत्र जिला भू–अर्जन कार्यालय, राँची में 15 दिनों के अन्दर जमा करें। मुआवजा भुगतान हेतु दावा पत्र निर्धारित तिथि तक प्रस्तुत नहीं किये जाने पर यह समझा जाएगा की आपको मुआवजा प्राप्त करने में कोई अभिरूचि नहीं है, तो अन्यथा भू–अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता अधिकार अधिनियम, 2013 की धारा–77 के अन्तर्गत मुआवजा की राशि L.A. कोर्ट में संदर्भित कर दी जाएगी।

अधिग्रहीत भूमि का विवरण।
मौजा– सिरम (शीट नं0–02)

अंचल का नाम	भू–अर्जन वाद सं0	ग्राम का नाम	एवार्ड सं0	खाता सं0	प्लॉट सं0	रकबा	रैयत/एवार्डी एवं पिता/पति का नाम	कुल राशि	अभ्युक्ति
शहर अंचल	46/2021–22	सिरम	1	171	271	0.010	मो० शाोशिला, पति–थिओफिक टोपो,हेराल टोप्पो, पिता–स्व0 टेवफील टोप्पो।	11,38,896.00	आवेदन अप्राप्त।
शहर अंचल	46/2021–22	सिरम	2	446	270	0.048	मिशेश लुशी कुजूर, पति–निलाफिल कुजूर वगैरह	54,66,700.00	अंश भुगतान शेष आवेदन अप्राप्त।
शहर अंचल	46/2021–22	सिरम	4	224	265	0.113	अनुपमतिडू, पिता–स्व० मार्शल तिडु, अमर कुमार तिडु, पिता–स्व0 ईसृरक्षत तिडु, आसिम तिडु, पिता–स्व0 जॉन विलियम तिडु, अनुज कुमार तिडु, पिता–स्व0 प्रभु सहाय तिडु एवं एलेन तिडु, पिता–संतपॉल तिडु	1,28,69,523.00	अंश भुगतान शेष आवेदन अप्राप्त।
शहर अंचल	46/2021–22	सिरम	5	MS	131	0.026	अज्ञात	29,61,129.00	अंश भुगतान शेष आवेदन अप्राप्त।
शहर अंचल	46/2021–22	सिरम	7	MS	158	0.026	निमी सोय, पति–निर्मल सोय जयन्त मिसिर कुमार सोय वगैरह	29,61,129.00	अंश भुगतान शेष आवेदन अप्राप्त।
शहर अंचल	46/2021–22	सिरम	8	MS	159	0.049	राजन तिर्की वगैरह	5,58,0589.00	आवेदन अप्राप्त।
शहर अंचल	46/2021–22	सिरम	10	MS	164	0.001	नयन कच्छप वगैरह	1,13,890.00	आवेदन अप्राप्त।
शहर अंचल	46/2021–22	सिरम	11	243	184	0.006	श्री सुरजीत सिंह, पिता–हरनाम सिंह वगैरह	6,83,337.00	आवेदन अप्राप्त।
शहर अंचल	46/2021–22	सिरम	13	MS	168	0.056	मनीष रोहित एक्का, कृष्ण दुलारी एक्का, जौजे इसहाक एक्का	63,77,816.00	अंश भुगतान शेष आवेदन अप्राप्त।
शहर अंचल	46/2021–22	सिरम	15	MS	165	0.042	रोहित हंस पिता–गोपी हंस वगैरह	47,83,362.00	आवेदन अप्राप्त।

जिला भू–अर्जन पदाधिकारी,
राँची

PR 387035 Land Reforms (26-27)_D

रोटरी क्लब चास ने ट्रक चालकों के लिए लगाया स्वास्थ्य जांच शिविर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : रोटरी क्लब चास के तत्वावधान में लोहा मंडी परिसर, दीवानगंज में ट्रक चालकों, सहचालकों और कर्मचारियों के लिए निःशुल्क एचआईवी जांच एवं सामान्य स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य ट्रक चालकों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और उन्हें समय पर चिकित्सकीय परामर्श एवं जांच की सुविधा उपलब्ध कराना था।

73 ट्रक चालकों ने कराया स्वास्थ्य परीक्षण

शिविर में वन स्टॉप सेंटर संस्था ने सहयोग किया। संस्था की टीम ने एचआईवी जांच के साथ इससे संबंधित जागरूकता की जानकारी दी। चिकित्सकों ने सामान्य स्वास्थ्य की जांच कर आवश्यक परामर्श और दवाइयां उपलब्ध कराईं। साथ ही लाभार्थियों के आभा कार्ड भी बनाए गए। शिविर में 73 ट्रक चालकों एवं सहचालकों ने स्वास्थ्य जांच का लाभ उठाया। इस दौरान उनके बीच कंडोम का भी वितरण किया गया।

कार्यक्रम संयोजक सिद्धार्थ पारख ने कहा कि स्वास्थ्य सबसे बड़ी संपत्ति है। उन्होंने कहा कि ट्रक चालक लंबे समय तक यात्रा करते हैं, इसलिए उनके स्वास्थ्य की नियमित जांच और जागरूकता बेहद जरूरी है।

रोटरी क्लब चास के अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल ने कहा कि समाज के प्रत्येक वर्ग तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना रोटरी का प्रमुख उद्देश्य है। ट्रक चालक देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, इसलिए उनके स्वास्थ्य की देखभाल जरूरी है।

क्लब के सचिव विनोद चोपड़ा ने वन स्टॉप सेंटर संस्था, चिकित्सकों और सभी सहयोगियों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि रोटरी क्लब चास आगे भी इसी तरह के जनहितकारी स्वास्थ्य शिविर आयोजित करता रहेगा। शिविर में पहुंचे लोगों ने इस पहल की सराहना की।

कार्यक्रम में सहायक जिला पाल पूजा बैद, कार्यक्रम संयोजक सिद्धार्थ पारख, संजय बैद, कुमार अमरदीप, धनेश बंका, पूर्वी केजरीवाल, आरती पारख, दीपक झांझरिया, प्रकाश केजरीवाल, सिद्धार्थ डे, विजय अग्रवाल, नीरज सिंह, प्रदीप पी. पुरिया तथा वन स्टॉप सेंटर के विकास कुमार मिश्रा, दुर्गा कुमारी, अमृता दास, रंजय कुमार डे, विक्रम कुमार महतो सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

एक नजर

श्री सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति सेक्टर-2 पुरानी समिति भंग, नई कमेटी गठित

बोकारो : शुक्रवार को श्री श्री सार्वजनिक दुर्गा पूजा सेक्टर 2 के मैदान में पुरानी समिति को भंग करते हुए नए दुर्गा पूजा कमिटी के गठन के लिए एक आम सभा आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता संजय कुमार उर्फ (गुड्डू पोद्दार) ने की इसमें मुख्य रूप से अभिषेक कुमार को अध्यक्ष पद के लिए चुना गया और महासचिव पद के लिए रजनीश तिवारी को चुना गया तथा कोषाध्यक्ष पद के लिए मनोज सिंह एवं अरविंद पासवान को सर्वसम्मति से चुना गया ।आम सभा आयोजित करने से पहले पूरे सेक्टर 2 में माइकिंग भी करवाई गई उसके उपरांत आम सभा आयोजित किया गया। इस आम सभा में उमेश प्रसाद, दिलीप, सुमित,सुमन, प्रशांत, प्रीतम, टुनटुन सिंह, आर. बी. सिंह, टेनी, बिनोद यादव, विजय पासवान, श्याम सुंदर प्रसाद,मनोज सिंह, रजनीश श्रीवास्तव, दुर्गेश,विवेक, संतोष, अभिषेक, चीकू, राजा सम्राट, एवम सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित थे सभा का संचालन सुचांद प्रजापति जी के द्वारा किया गया।

पतंजलि योग समिति चंद्रपुरा के द्वारा सावन महोत्सव का आयोजन

बोकारो : सावन के पावन महीने में पतंजलि योग समिति चंद्रपुरा प्रखंड की ओर से भव्य सावन महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र की सैकड़ों महिलाओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। इसकी अध्यक्षता योग शिक्षिका अनिता कुमारी ने की। कार्यक्रम का सफल संचालन कंचन शरण ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला परिषद सदस्य नीतू सिंह उपस्थित थीं। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन कर किया गया। इसके बाद महिलाओं ने सावन के पारंपरिक गीतों पर जमकर नृत्य किया और एक दूसरे को सावन की शुभकामनाएं दी। जिप सदस्य नीतू सिंह ने पतंजलि योग समिति के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि योग और आध्यात्मिकता से ही समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। उन्होंने महिलाओं से नियमित योग करने और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का आग्रह किया। वहीं योग शिक्षिका अनिता कुमारी ने कहा कि ऐसे आयोजन से महिलाओं को अपनी संस्कृति से जुड़ने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की प्रेरणा मिलती है।

बोकारो में गणेश महोत्सव की तैयारियां शुरू

बोकारो : गणेश मंडली की ओर से शनिवार को गणेश महोत्सव के आयोजन को लेकर हर्षवर्धन प्लाजा, सेक्टर-4 में विधिवत भूमि पूजन किया गया। इस अवसर पर गणेश मंडली के सभी सदस्य उपस्थित रहे और पूजा-अर्चना कर महोत्सव के सफल आयोजन की कामना की। गणेश मंडली के अध्यक्ष डब्बू सिंह ने बताया कि इस वर्ष गणेश महोत्सव का आयोजन 14 सितंबर से 20 सितंबर तक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस बार बोकारोवासियों के लिए गणेश मंडली की ओर से भव्य आयोजन की तैयारी की जा रही है। महोत्सव के दौरान श्रद्धालुओं के लिए कई आकर्षक कार्यक्रम और विशेष आयोजन देखने को मिलेंगे।

44वीं डाक कांवड़ यात्रा आज से, 1 डाक बम होंगे शामिल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : चास डाक बम सेवा समिति द्वारा आयोजित 44वीं ऐतिहासिक डाक कांवड़ यात्रा का शुभारंभ 8 अगस्त 2026 को संकट मोचन हनुमान मंदिर, जोधाडीह मोड़, चास से होगा। इस अवसर पर धार्मिक अनुष्ठान एवं पूजा-अर्चना के बाद भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जो जोधाडीह मोड़ से महावीर चौक, धर्मशाला मोड़, बाईपास रोड, चेकपोस्ट और सेक्टर-1 तिरंगा पार्क होते हुए राम मंदिर, सेक्टर-1 पहुंचेगी।

समिति के सचिव मुकेश राय ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि इस वर्ष यात्रा में 501 डाक कांवड़िया एवं करीब 200 सदस्यीय डाक सेवा दल शामिल होंगे। सभी डाक बम लगभग 11 बसों से सुल्तानगंज के लिए रवाना होंगे। 10 अगस्त को उत्तरवाहिनी मां गंगा से पवित्र जल लेकर 105 किलोमीटर की निरंतर पदयात्रा शुरू की जाएगी। 11 अगस्त को बाबा बैद्यनाथ धाम में जलाभिषेक किया जाएगा।

यात्रा के शुभारंभ कार्यक्रम में सांसद ढुल्लू महतो मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे विशिष्ट अतिथि विधायक ,उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक,महापौर,उप महापौर ,वार्ड पार्षद एवं गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहेंगे। अतिथियों द्वारा हरी झंडी दिखाकर डाक कांवड़ियों के जत्थे को रवाना किया जाएगा। इस वर्ष की यात्रा समिति के लिए भावुक अवसर भी है। समिति के पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय अजय राय का 1 अगस्त 2026 को देवलोकगमन हो गया। समिति के सदस्यों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए नमन किया।

समिति ने शिवभक्तों एवं नगरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर डाक कांवड़ियों का उत्साहवर्धन करने तथा यात्रा को सफल बनाने में सहयोग की अपील की है मौके पर टिंकू टपड़िया,धीरज सिंह,कर्ण सिंह,पिंकू मिश्रा, उत्तम डे, सुनील, चंदन,सिद्धेश्वर सेठ, संदीप, कुणाल, उमेश, टिंकू, बरनवाल, टुल्लू, मोनू, अर्जुन,१ शानू, मिथुन, सोनल आर्या, राजा, पीयूष, छोटू यादव, रंजन गुप्ता, विनय, किशोर, ब्रज दुबे, माथुर मंडल, शुभाष महतो, दया तिवारी, मनोज राय, संदीप टुन्ना, राजा चौधरी, संजय सिंह, राजू मोदक, अरविंद राय, रितेश भगोड़िया, अंकुर ठाकुर, माणिक सिंह, प्रकाश सिंह अभिषेक ध्रुव, बुलेट सिंह, आदि उपस्थित थे।

बड़गांव में निषेधाज्ञा लागू, पांच या अधिक लोगों के जुटने पर रोक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चतरा/सिमरिया : सिमरिया अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत टंडवा थाना के बड़गांव में 03 अगस्त 2026 को हुई घटना के मद्देनजर विधि-व्यवस्था एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए अनुमंडल दंडाधिकारी, सिमरिया ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा-163 के तहत निषेधाज्ञा लागू करने का आदेश जारी किया है। आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है और अगले आदेश तक प्रभावी रहेगा। जारी आदेश के अनुसार टंडवा थाना क्षेत्र के ग्राम बड़गांव एवं आसपास के इलाकों में शांति भंग होने की आशंका को देखते हुए कई तरह की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाया गया है। इसके तहत पांच या उससे अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने, बिना अनुमति सभा, जुलूस अथवा सार्वजनिक बैठक करने पर रोक रहेगी। इसके अलावा लाउडस्पीकर के उपयोग, हथियारों के प्रदर्शन तथा भ्रामक या भड़काऊ सूचनाओं के प्रसार पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। प्रशासन ने विभिन्न समुदायों के बीच तनाव उत्पन्न करने वाली गतिविधियों से दूर रहने की अपील की है। सोशल मीडिया अथवा अन्य माध्यमों से मिथया, भ्रामक या भड़काऊ सूचना प्रसारित करने वालों के विरुद्ध सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाएगी। हालांकि, निषेधाज्ञा के दायरे से शवयात्रा, अस्पताल जाने वाले मरीज एवं उनके सहयोगी, विद्यालय एवं महाविद्यालय जाने वाले छात्र-छात्राएं तथा ड्यूटी पर तैनात सरकारी कर्मी एवं पुलिस बल को बाहर रखा गया है। अनुमंडल दंडाधिकारी ने आमजनों से क्षेत्र में शांति एवं सौहार्द बनाए रखने तथा प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करने की अपील की है। साथ ही लोगों से किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान नहीं देने और बिना सत्यापन के किसी सूचना को प्रसारित नहीं करने की अपील की गई है।

फसल बीमा योजना को लेकर कृषक मित्रों की बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कुंदा (चतरा) : प्रखंड में बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार कर किसानों को इसका लाभ दिलाने के उद्देश्य से शनिवार को कृषक मित्रों की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कृषक मित्र प्रखंड अध्यक्ष मनोज यादव ने की। बैठक में बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत अधिक से अधिक किसानों का नामांकन कराने, योजना की जानकारी गांव-गांव तक पहुंचाने तथा किसानों को समय पर बीमा का लाभ दिलाने सहित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। कृषक मित्रों से अपने-अपने क्षेत्रों में किसानों से संपर्क कर उन्हें योजना की प्रक्रिया और लाभ के बारे में जानकारी देने पर जोर दिया गया। सहकारिता प्रसार पदाधिकारी नाग कुमार ने सभी कृषक मित्रों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने क्षेत्र में जाकर किसानों को फसल बीमा के फायदे की जानकारी दें तथा अधिक से अधिक किसानों का बीमा कराने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि योजना का लाभ पात्र किसानों तक पहुंचाने के लिए व्यापक स्तर पर जागरूकता जरूरी है। बैठक में कृषक मित्र दिलीप यादव, संतोष भोगता, अनुज गुप्ता, विजय भोगता, राजेश महतो, अशोक यादव, निर्मल गंझू समेत कई अन्य कृषक मित्र उपस्थित थे।

महिला महाविद्यालय में चला पर्यावरण संरक्षण अभियान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चतरा : महिला महाविद्यालय चतरा परिसर में शनिवार को पर्यावरण संरक्षण अभियान चलाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दक्षिणी वन प्रमंडल, चतरा के वन प्रमंडल पदाधिकारी मुकेश कुमार ने अशोक का पौधा लगाकर अभियान की शुरूआत की। इस दौरान महाविद्यालय परिसर में अशोक सहित विभिन्न फलदार पौधों का रोपण किया गया। अभियान में सैकड़ों छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। महाविद्यालय पहुंचने पर मुख्य अतिथि का छात्राओं ने तिलक लगाकर एवं पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। प्राचार्य डॉ. बलदेव राम ने पौधा भेंट कर एवं शॉल ओढ़ाकर उन्हें सम्मानित किया। इसके बाद

मुख्य अतिथि के साथ प्राचार्य एवं महाविद्यालय परिवार के सदस्यों ने भी पौधारोपण किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वन प्रमंडल पदाधिकारी मुकेश कुमार ने कहा कि सभी को पर्यावरण संरक्षण का सिपाही बनना होगा। वृक्षों की सुरक्षा ही हमारे प्राणों की सुरक्षा है। उन्होंने कहा कि जल और जंगल हमारे जीवन की रक्षा करते हैं, इसलिए हमें भी इनकी रक्षा का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने लोगों से अपने जन्मदिन जैसे विशेष अवसरों पर पौधारोपण कर समाज को प्रकृति संरक्षण का सकारात्मक संदेश देने की अपील की। प्राचार्य डॉ. बलदेव राम ने कहा कि महाविद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ने अपना बहुमूल्य समय देकर छात्राओं को जल, जंगल एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया। उन्होंने छात्राओं से निरंतर पौधारोपण करने और लगाए गए पौधों की सुरक्षा करने की अपील की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने महाविद्यालय के प्रोफेसरों, कर्मचारियों एवं छात्राओं को पौधे भेंट कर पौधारोपण और प्रकृति संरक्षण के लिए प्रेरित किया। सभी छात्राओं ने हाथों में पौधे लेकर आओ हम सब वृक्ष लगाएं, अपना जीवन स्वयं बचाएं का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. विकास चतुर्वेदी ने किया।

मिथिला अकादमी में छात्र परिषद का अलंकरण समारोह आयोजित, नेतृत्व का संदेश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : मिथिला अकादमी पब्लिक स्कूल, बोकारो में शनिवार, 8 अगस्त को नवगठित छात्र परिषद के सदस्यों के लिए वार्षिक अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत पारंपरिक एवं भावपूर्ण विद्यालय गीत से हुई। समारोह के मुख्य अतिथि बोकारो पेट्रोकेमिकल्स एंड स्टील कॉरपोरेशन लिमिटेड के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं मिथिला सांस्कृतिक परिषद के पूर्व अध्यक्ष कुमुद कुमार ठाकुर थे।

मुख्य अतिथि एवं विद्यालय के पदाधिकारियों ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष राजेंद्र कुमार और सचिव दिलीप कुमार झा ने मुख्य अतिथि को पौधा एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में मिथिला सांस्कृतिक परिषद के महासचिव नीरज चौधरी, विद्यालय के उपाध्यक्ष बटोही कुमार एवं विजय कुमार झा, संयुक्त सचिव सुनील मोहन ठाकुर, शिक्षा सचिव उदय चंद्र झा सहित कई अतिथि मौजूद रहे।

समारोह के दौरान मुख्य अतिथि कुमुद कुमार ठाकुर ने विद्यालय के चारों सदनों–बिरसा, भारती, वाचस्पति और विद्यापति के कप्तानों, उप-कप्तानों तथा नवगठित कार्यकारिणी समिति के सदस्यों को बैज एवं सैश पहनाकर औपचारिक रूप से अलंकृत किया। छात्र परिषद के सदस्यों ने निष्ठा, समर्पण और

निष्पक्षता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने की शपथ ली।

मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि छात्र नेताओं को विद्यालय के वातावरण को सकारात्मक बनाने में भूमिका निभानी चाहिए और अपने साथियों के लिए आदर्श बनना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को जिम्मेदारी, समर्पण और टीम भावना के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी तकनीक के साथ बड़ी हो रही है, इसलिए विद्यार्थियों को तकनीक के साथ अनुशासन, मानवीय मूल्यों और जिम्मेदारी को भी जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए।

कुमुद कुमार ठाकुर ने विद्यालय के प्राचार्य अमर प्रसाद और उनकी टीम के प्रयासों एवं उपलब्धियों की सराहना की। विद्यालय के अध्यक्ष राजेंद्र कुमार ने कहा कि अलंकरण समारोह विश्वास, एकता और आशा का प्रतीक है। यह केवल औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में कर्तव्यबोध, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और मानवीय मूल्यों को विकसित करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि सफलता के लिए ज्ञान के साथ धैर्य, समर्पण और निरंतर परिश्रम आवश्यक है।

प्राचार्य अमर प्रसाद ने स्वागत भाषण में छात्र प्रतिनिधियों को नेतृत्व के आदर्श मूल्यों से परिचित कराया तथा जिम्मेदारी और टीम भावना के साथ कार्य करने का आह्वान किया। विद्यालय के उपप्राचार्य ने नवचयनित प्रतिनिधियों को उनके दायित्वों की शपथ दिलाई।

हेड बॉय राहुल कुमार, हेड गर्ल श्रद्धा सिंह, वाइस हेड बॉय कृष्ण चंदवंशी, वाइस हेड गर्ल काजल तिवारी, खेल कप्तान अभिजीत कुमार, सांस्कृतिक सचिव यास्मीन परवीन, अनुशासन प्रमुख (बालक) सोनू यादव और अनुशासन प्रमुख (बालिका) रचना भारती चुने गए।

भारती सदन की कप्तान आकृति सिंह, बिरसा सदन की कप्तान अजमेरी फातिमा, विद्यापति सदन की कप्तान सुचित्रा कुमारी और वाचस्पति सदन की कप्तान ईशा रॉय को भी जिम्मेदारी सौंपी गई। समारोह के अंत में अतिथियों ने विद्यार्थियों को नेतृत्व कौशल, अनुशासन, जिम्मेदारी और समर्पण की भावना के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया।

संक्षिप्त खबरें

बीएसएल के यूटिलिटी विभाग में कर्मचारियों की समस्याएं उठीं, जल्द समाधान का मिला आश्वासन

बोकारो : बीएसएल अनाधिशासी कर्मचारी संघ (बीएकेएस) की विभागीय बैठक 8 अगस्त 2026 को मशीन शॉप कैंटीन में आयोजित हुई। बैठक में यूटिलिटी विभाग के अंतर्गत जल प्रबंधन, ऑक्सीजन प्लांट और एसीवीएस विभाग के कर्मचारियों ने भाग लिया। अध्यक्षता विभागीय प्रतिनिधि बिप्लब नंदी ने की। बैठक में कर्मचारियों ने कार्यस्थल पर सुरक्षा, मूलभूत सुविधाओं, कार्य व्यवस्था और अन्य समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। कर्मचारियों की ओर से विभाग से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को सूचीबद्ध किया गया। जल प्रबंधन विभाग के कर्मचारियों ने नियमित पाली प्रभारी उपलब्ध नहीं होने, पाली प्रभारी से जुड़े पत्रों और मामलों को उचित स्तर तक भेजने में आ रही परेशानी तथा हाजिरी सुधार के लिए केवल तीन बार अवसर दिए जाने का मुद्दा उठाया। कर्मचारियों ने कहा कि बीएसएल के परिपत्र के अनुसार हाजिरी सुधार के लिए छह बार अवसर निर्धारित हैं। इसके अलावा हिंदी में मंजूरी की सुविधा देने, पीएच–2 में शौचालय, पेयजल और जल शोधक की व्यवस्था करने, एलसीपीएच में पेयजल, वेंटिलेशन और वातानुकूलन की समस्या दूर करने तथा पीएच–2 में पर्याप्त वाहन पड़ाव उपलब्ध कराने की मांग की गई। पीएच–2, पीएच–5 और पीएच–10 के कार्यालयों एवं कार्यस्थलों पर छत से पानी रिसने की समस्या का भी समाधान करने की मांग कर्मचारियों ने रखी। एसीवीएस विभाग के कर्मचारियों ने सुरक्षा से जुड़े दस्ताने और ग्रीस किला नियमित रूप से उपलब्ध नहीं होने की समस्या बताई। सीसीपी–3 में पेयजल और जल शोधक की सुविधा, सीसीपी–4 के शौचालय का खराब दरवाजा तथा प्रवेश द्वार पर वाहन पड़ाव संबंधी सूचना–पट्ट नहीं होने का मुद्दा भी उठाया गया। इसके अलावा सीसीपी–1 गेट के पास भारी वाहनों की आवाजाही से दुर्घटना की आशंका को देखते हुए आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था करने की मांग की गई। बीएकेएस प्रतिनिधियों ने सभी समस्याओं को संज्ञान में लेते हुए यूनियन के पत्र में दर्ज किया। प्रतिनिधियों ने जल्द ही सीजीएम यूटिलिटी के साथ बैठक कर समस्याओं के समाधान की दिशा में पहल करने का आश्वासन दिया। बैठक में बीएकेएस यूनियन के महासचिव हरिओम, अध्यक्ष दिलीप, उपमहासचिव माणिक मुंडा, कोषाध्यक्ष राहुल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। विभागीय प्रतिनिधि बिप्लब नंदी ने कहा कि यूटिलिटी विभाग के अधीन तीनों विभागों में कई स्थानीय समस्याएं हैं, जिनका निवारण आवश्यक है। यूनियन जल्द ही सीजीएम यूटिलिटी के साथ बैठक कर इन समस्याओं को दूर कराने की पहल करेगी। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की सुरक्षा, सम्मान और मूलभूत सुविधाओं से कोई समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

एसएमसी चुनाव दूसरी बार भी स्थगित, पर्यवेक्षक के नहीं पहुंचने से ग्रामीण मायूस

हंटरगंज (चतरा) : हंटरगंज प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय डुमरीकला में विद्यालय प्रबंधन समिति (एसएमसी) का चुनाव लगातार दूसरी बार स्थगित हो गया। शनिवार को निर्धारित तिथि के अनुसार चुनाव कराने के लिए सैकड़ों ग्रामीण विद्यालय परिसर पहुंचे थे, लेकिन निर्धारित समय पर पर्यवेक्षक के नहीं पहुंचने के कारण चुनाव की प्रक्रिया शुरू नहीं हो सकी। चुनाव स्थगित होने के बाद ग्रामीणों को मायूस होकर वापस लौटना पड़ा। लगातार दूसरी बार चुनाव स्थगित होने से ग्रामीणों में नाराजगी देखी गई। ग्रामीणों का आरोप है कि विभागीय स्तर पर समुचित व्यवस्था नहीं किए जाने के कारण चुनाव प्रक्रिया बार–बार प्रभावित हो रही है। ग्रामीणों के अनुसार इससे पहले 28 जुलाई को भी एसएमसी चुनाव को लेकर बैठक आयोजित की गई थी, लेकिन उस दिन भी चुनाव की प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी थी। शनिवार को दोबारा चुनाव की तिथि निर्धारित होने के कारण बड़ी संख्या में ग्रामीण विद्यालय पहुंचे थे। ग्रामीणों ने चुनाव को लेकर आवश्यक तैयारियां भी कर रखी थीं, लेकिन पर्यवेक्षक के नहीं पहुंचने के कारण पूरी प्रक्रिया एक बार फिर टालनी पड़ी। विद्यालय की प्राचार्य रूपा कुमारी ने बताया कि पर्यवेक्षक के विद्यालय नहीं पहुंचने के कारण चुनाव स्थगित करना पड़ा। वहीं, पर्यवेक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि उनके छुट्टी पर रहने की सूचना विद्यालय को एक दिन पहले ही दे दी गई थी। लगातार दूसरी बार चुनाव स्थगित होने को लेकर ग्रामीणों के बीच तरह–तरह की चर्चाएं भी हैं। कुछ ग्रामीणों ने एसएमसी चुनाव निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से कराने की मांग की है। उनका कहना है कि चुनाव प्रक्रिया निर्धारित नियमों के तहत समय पर पूरी होनी चाहिए, ताकि किसी प्रकार की आशंका या विवाद की स्थिति उत्पन्न न हो। ग्रामीणों ने शिक्षा विभाग के वरीय अधिकारियों से मामले का संज्ञान लेते हुए जल्द नई तिथि निर्धारित कर निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से एसएमसी चुनाव कराने की मांग की है। साथ ही चुनाव प्रक्रिया में बार–बार आ रही बाधा की समीक्षा कर आवश्यक कार्रवाई करने की भी मांग की गई है।

शहीद निर्मल महतो को 39वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि

अलकुशा : झारखंड आंदोलन के महानायक और युवाओं के प्रेरणास्रोत शहीद निर्मल महतो के 39वें शहादत दिवस पर शनिवार को अलकुशा स्थित इलेक्ट्रो स्टील वेदांता चौक में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। स्थानीय लोगों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और आंदोलनकारियों ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उनके विचारों और आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्मारक समिति के अध्यक्ष ज्योतिलाल महतो ने की, जबकि संचालन अलकुशा पंचायत के मुखिया रोहित रजक ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि युवा लायंस फोर्स के अध्यक्ष सह कांग्रेस नेता देवा शर्मा ने शहीद निर्मल महतो की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि निर्मल महतो ने झारखंड आंदोलन को नई गति दी और युवाओं को संगठित कर झारखंड की अस्मिता के लिए संघर्ष करने के लिए प्रेरित किया। देवा शर्मा ने कहा कि निर्मल महतो ने जल, जंगल और जमीन की रक्षा तथा झारखंडी जनमानस के हितों के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि निर्मल महतो आज भले ही हमारे बीच प्रत्यक्ष रूप से मौजूद नहीं हैं, लेकिन हर झारखंडी और खासकर युवाओं के दिल में वे हमेशा अमर रहेंगे। उन्होंने कहा कि शहीद निर्मल महतो का सपना खुशहाल, आत्मनिर्भर और शोषणमुक्त झारखंड का था। उनके विचारों और संघर्ष से प्रेरणा लेकर जल, जंगल, जमीन और झारखंड की अस्मिता की रक्षा के लिए सभी को एकजुट होकर काम करने की जरूरत है। श्रद्धांजलि सभा में जगन्नाथ रजवार, लाल मोहन महतो, सूरज हाजरा, निताई महतो, अजय महतो, दशरथ महतो, लखिन्द्र महतो, युधिष्ठिर हाजरा, मनोज दास, बहादुर महतो, सुशेन रजवार, छोटेलाल महतो, निखिल महतो, परवेज अंसारी सहित बड़ी संख्या में समाजसेवी और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

एक नजर

अलकतरा लोड टैंकर वाहन घुमावदार मोड़ पर अनियंत्रित होकर मारी पलटी, चालक घायल

साहिबगंज: जिले के तीनपहाड़-बोरियो मुख्य मार्ग के बेहरा मोड़ के समीप शनिवार को एक बड़ा सड़क हादसा हुआ। मिली जानकारी के अनुसार बोरियो की ओर से आ रही एक अलकतरा लोड टैंकर (डब्ल्यू.बी. 29 बी.ओ. 100) वाहन घुमावदार मोड़ पर अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। इस दुर्घटना में वाहन चालक घायल हो गया। बताया जा रहा है कि चालक के हाथ में गंभीर चोट आई है। वही टैंकर पलटते ही उसमें लदा अलकतरा सड़क किनारे बिखर गया जिससे सड़क पर आवागमन करने वाले को दिक्कतों का सामना करना पड़ा और सड़क पर खतरा भी बढ़ गया। वही घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग घटनास्थल पर पहुंचकर घायलों को संभालने में मदद की। वही स्थानीय लोगों का कहना है कि मोड़ घुमावदार होने के कारण आए दिन इस तरह की दुर्घटना घटित होती आ रही है इस तरह की बार-बार हो रही दुर्घटनाओं ने सड़क की बनावट और मोड़ की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। लोगों का कहना है कि भारी वाहनों के लिए यह टर्निंग काफी जोखिम भरी है। खासकर बाहर के राज्यों से आने वाले वाहन चालकों को इस घुमावदार सड़क के बारे में जानकारी नहीं होती है और वह तेज रफ्तार से वाहन चलाते है और मोड़ पर तेज रफ्तार वाहन को नियंत्रित नहीं कर पाते हैं और दुर्घटनाएं घट जाती है। वही स्थानीय लोगों का कहना है कि बार-बार हो रही इस दुर्घटना के रोकथाम के लिए संबंधित विभाग को कोई उचित कदम उठाने चाहिए ताकि आने वाले दिनों में कोई बड़ी दुर्घटना घटित ना हो।

पंचायत समिति हिरणपुर के प्रमुख पद पर विनीता किस्कू निर्विरोध निर्वाचित

हिरणपुर : पाकुड़ ज़िले में पंचायत समिति हिरणपुर के प्रमुख पद के अप्रत्यक्ष निर्वाचन हेतु निर्धारित कार्यक्रम के तहत शनिवार को प्रखंड कार्यालय, हिरणपुर स्थित सभागार में अनुमंडल पदाधिकारी साईमन मरांडी की अध्यक्षता में पंचायत समिति के सदस्यों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पंचायत समिति हिरणपुर के कुल 17 प्रत्यक्ष रूप से निर्वाचित सदस्यों में से 16 सदस्य उपस्थित हुए। प्रमुख पद के अप्रत्यक्ष निर्वाचन के लिए नाम निर्देशन पत्र दाखिल करने हेतु निर्धारित समय पूर्वाह्न 11:00 बजे से 11:30 बजे तक कुल एक नाम निर्देशन पत्र प्राप्त हुआ। विनीता किस्कू द्वारा प्रमुख पद के लिए नाम निर्देशन पत्र दाखिल किया गया। निर्धारित समयावधि तक किसी अन्य अभ्यर्थी द्वारा नाम निर्देशन पत्र दाखिल नहीं किया गया तथा नाम वापसी की निर्धारित अवधि में भी नाम वापसी नहीं की गई। इसके उपरांत निर्वाचन प्रक्रिया के तहत विनीता किस्कू को पंचायत समिति हिरणपुर के प्रमुख पद पर निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। निर्वाचन प्रक्रिया निर्धारित नियमों एवं प्रावधानों के अनुरूप शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष तरीके से संपन्न हुई।

प्राथमिक विद्यालय घाट सेलमपुर में हुआ विद्यालय प्रबंधन समिति का पुनर्गठन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड शिक्षा परियोजना, रांची के निदेर्शानुसार शनिवार को राजमहल प्रखंड अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय घाट सेलमपुर में विद्यालय प्रबंधन समिति का पुनर्गठन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अभिभावकों की सहभागिता रही। सर्वसम्मति से कृष्ण कांत कुमार को विद्यालय प्रबंधन समिति का अध्यक्ष तथा संगीता देवी को उपाध्यक्ष चुना गया। समिति के पुनर्गठन की प्रक्रिया प्रखंड संसाधन केंद्र (बीआरसी) राजमहल द्वारा प्रतिनियुक्त पर्यवेक्षक सह सीआरसी सुबास मरांडी की देखरेख में

शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न हुई। इस दौरान समिति के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष के साथ-साथ अन्य सदस्यों का भी चयन किया गया। पर्यवेक्षक ने उपस्थित अभिभावकों को विद्यालय प्रबंधन समिति की भूमिका एवं जिम्मेदारियों की जानकारी देते हुए कहा कि समिति विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, छात्रों की नियमित उपस्थिति, आधारभूत सुविधाओं के विकास तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने विद्यालय और अभिभावकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर भी बल दिया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष कृष्ण कांत कुमार ने सभी अभिभावकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे विद्यालय के सर्वांगीण विकास, बच्चों की बेहतर शिक्षा और आवश्यक सुविधाओं के विस्तार के लिए सभी सदस्यों एवं शिक्षकों के साथ मिलकर कार्य करेंगे।मौके पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक सुनील कुमार, प्रकाश मंडल, सोनाली देवी, प्रीति देवी, अंबिका कुमारी, गुड्डू मंडल, प्रेमलता कुमारी, सहित कई अभिभावक एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

गणेश महोत्सव का हुआ भूमि पूजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : शनिवार को गणेश मंडली के द्वारा गणेश महोत्सव के लिए भूमि पूजन का कार्यक्रम हर्षवर्धन प्लाजा सेक्टर 4 में किया गया। जिसमे मंडली के सभी सदस्यगण उपस्तिथ हुए। गणेश मंडली के अध्यक्ष डब्बू सिंह ने बताया कि इस बार गणेश महोत्सव का आयोजन 14 सितंबर से 20 सितंबर तक किया जाएगा। इस बार बोकरोवासियो के लिए गणेश मंडली का बहुत भव्य आयोजन होने जा रहा है,आने वाले पूजा में बहुत सारी आकर्षक चीजे देखने को मिलेंगी। इस अवसर पर मंडली के सुबोध कुमार, संतोष कुमार रोशन सिंह,आलोक वर्मा,सुनील पहाड़ी, राधेलांत सिंह, राजकुमार, कन्हैया गुप्ता, धर्मेंद्र कुमार, निरंजन कुमार,बिनोद जायसवाल, गुड्डू कुमार लालू, तरुण मिश्रा, कुंदन सिंह, कुमार दिव्य, दिनेश, गोविंद, राजू, विक्की, अंकित, सोनू, विशाल, मनीष, परिणव कुमार, अमित, राहुल, मुन्ना धरण, शम्भू एवं सभी सदस्य उपस्थित थे।

दामोदर नदी में लापता महिला का शव बरामद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो बेरमो/भंडारीदह : फुसरो स्थित हिंदुस्तान पुल से दामोदर नदी में छलांग लगाने वाली पिछरी निवासी सुमन देवी का शव शनिवार दोपहर भंडारीदह स्थित शिव शक्ति मंदिर के समीप बरामद कर लिया गया। गोताखोरों की टीम ने करीब दो दिनों तक लगातार खोजबीन के बाद शव को नदी से बाहर निकाला। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को सुमन देवी ने हिंदुस्तान पुल से दामोदर नदी की तेज धारा में छलांग लगा दी थी। घटना की सूचना मिलते ही खेतको से पहुंची गोताखोरों की टीम ने हिंदुस्तान पुल से लेकर ढोरी खास, कल्याणी और भंडारीदह तक नदी के विभिन्न हिस्सों में तलाश

अभियान चलाया। शनिवार दोपहर शिव शक्ति मंदिर के समीप खोजबीन के दौरान गोताखोरों को नदी में शव दिखाई दिया। इसके बाद शव को बाहर निकालकर पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही बेरमो के बीडीओ मुकेश कुमार, थाना प्रभारी रोहित कुमार सिंह समेत पुलिस-प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। शव मिलने की खबर पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी नदी तट पर जुट गए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के संबंध में आधिकारिक रूप से विस्तृत जानकारी सामने आएगी। घटना के बाद मृतका के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे परिवार में मातम पसरा हुआ है।

रात में सड़कों पर उतरी बोकारो पुलिस, गश्ती व्यवस्था का औचक निरीक्षण

बोकारो : पुलिस अधीक्षक बोकारो के निर्देश पर 7-8 अगस्त की मध्यरात्रि पुलिस उपाधीक्षक, नगर के नेतृत्व में सिटी क्षेत्र के विभिन्न थाना क्षेत्रों में संचालित रात्रि गश्ती का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान गश्ती दलों की मौजूदगी, सतर्कता, कार्यशैली और निर्धारित गश्ती बिंदुओं का भौतिक सत्यापन किया गया। निरीक्षण के क्रम में पुलिसकर्मियों को संवेदनशील एवं अपराध संभावित क्षेत्रों, प्रमुख चौक-चौराहों, बैंक, एटीएम, पेट्रोल पंप, आभूषण प्रतिष्ठानों तथा सुनसान स्थानों पर विशेष निगरानी रखने का निर्देश दिया गया। साथ ही संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की जांच, वाहन जांच अभियान तथा अपराधियों एवं असामाजिक तत्वों पर नजर रखने को कहा गया। विशेष अभियान के तहत विभिन्न स्थानों पर एंटी क्राइम चेकिंग, सघन वाहन जांच, ड्रंक एंड ड्राइव टेस्ट, ट्रिपल राइडिंग एवं बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों की जांच की गई।

गंगा के बढ़ते जलस्तर से बढ़ी दहशत, बैजनाथ-कारगिल दियारा में कटाव से विस्थापन का डर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : गंगा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने के कारण प्रखंड मुख्यालय के बैजनाथ और कारगिल दियारा क्षेत्रों में कटाव जारी है। नदी की तेज धारा में कई खेत और पेड़-पौधे समा चुके हैं। कटाव की चपेट में आए परिवार अब इस सोच में हैं कि आखिर वे अपना गांव छोड़कर कहां जाएंगे। स्थानीय लोगों के अनुसार, पिछले कुछ दिनों से गंगा का पानी तेजी से बढ़ रहा है। बैजनाथ और कारगिल दियारा के किनारे बसे गांवों में कटाव ने रफ्तार पकड़ ली है। खेती योग्य जमीन और कई पेड़-पौधे नदी में गिर गए हैं। कटाव प्रभावित परिवारों का कहना है कि हर साल बरसात में यही स्थिति होती है, लेकिन इस बार कटाव पहले से ज्यादा तेज है। प्रशासन की

ओर से अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाए जाने से ग्रामीणों में आक्रोश है। दियारा क्षेत्र के निवासी मुख्य रूप से खेती और मछली पालन पर निर्भर हैं। कटाव के कारण न सिर्फ घर टूट रहे हैं बल्कि जीविका का साधन भी छिन रहा है। एक ग्रामीण ने बताया कि गांव छोड़कर जाएं तो कहां जाएं सरकार की तरफ से न कोई राहत शिविर है, न बसाने की जगह। बच्चे, बुजुर्ग और सामान लेकर कहां भटकें ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि कटाव वाले क्षेत्रों में तत्काल तटबंध मरम्मत, बाढ़ राहत सामग्री और वैकल्पिक बसावट की व्यवस्था की जाए। साथ ही कटावरोधी कार्य शुरू कर नदी को गांव से दूर रखने की मांग की गई है। इधर प्रखंड विकास पदाधिकारी बासुकीनाथ टुडू ने बताया कि बढ़ते जलस्तर और कटाव को देखते हुए आपदा प्रबंधन विभाग की टीमों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

नगर परिषद सभागार में स्थाई समिति की हुई पहली बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : नगर परिषद सभागार में शनिवार को नगर परिषद अध्यक्ष रामनाथ पासवान की अध्यक्षता में स्थाई समिति की बैठक आयोजित किया गया। बैठक में विश्व आदिवासी दिवस मनाने ओर सुबह महापुरुषों का साफ सफाई करके माल्यार्पण करने का निर्णय लिया। वही आगामी 15 अगस्त को लेकर शहर में विशेष साफ सफाई अभियान चलाने, महापुरुषों की साफ सफाई ओर प्रतिमा पर माल्यार्पण करने प्रभात फेरी सहित स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया। वही धोबी झरना का सौंदर्यीकरण करने ओर भारत माता का प्रतिमा स्थापित करने पर विचार विमर्श किया। शौर्य चक्र से सम्मानित शहीद कुलदीप उरांव का प्रतिमा

स्थल चयन प्रस्ताव पारित करते हुए स्थल सौंदर्यीकरण कराने का निर्णय लिया गया। शहर के सूर्यदेव चानन घाट में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ओर पब्लिक शौचालय का निर्माण कराने का निर्णय लिया गया। वही कई अहम मुद्दों पर स्थाई समिति ने निर्णय लिया। मौके पर नगर परिषद उपाध्यक्ष विनीता देवी, कार्यपालक पदाधिकारी अभिषेक कुमार सिंह, लेखा पदाधिकारी पूर्णिमा कुमारी, रिफत प्रवीण, दीपा देवी, बुशरा तहरीम, शेखर पासवान, चमरू उरांव, शिव हरि, राजन राज, मनी प्रकाश, हिमांशु, सोनू, सहित अन्य थे।

शिबू सोरेन की पुण्यतिथि समारोह की झामुमो ने की समीक्षा, निर्मल महतो को दी श्रद्धांजलि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) पश्चिमी सिंहभूम जिला समिति की बैठक शनिवार को चाईबासा के दुम्बीसाई स्थित अजुर्ना हॉल में जिला अध्यक्ष सोनाराम देवगम की अध्यक्षता में हुई। बैठक में चार अगस्त को चाईबासा में आयोजित दिशोम गुरु शिबू सोरेन की प्रथम पुण्यतिथि एवं उनकी आदमकद प्रतिमा के अनावरण समारोह की समीक्षा की गई। इस दौरान कार्यक्रम की सफलता के लिए कार्यकताओं, सामाजिक संगठनों, प्रशासन और आम लोगों के प्रति आभार जताया गया। बैठक में झामुमो के केंद्रीय सदस्य, जिला समिति के पदाधिकारी तथा विभिन्न प्रखंड और नगर इकाइयों के अध्यक्ष एवं सचिव सहित बड़ी संख्या में

कार्यकर्ता शामिल हुए। नेताओं ने कहा कि शिबू सोरेन की प्रथम पुण्यतिथि और प्रतिमा अनावरण समारोह ऐतिहासिक रहा। जिले के अलग-अलग हिस्सों से बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी ने दिशोम गुरु के प्रति लोगों के सम्मान को प्रदर्शित किया। मानकी-मुंडा सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों की भागीदारी को भी कार्यक्रम की महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया गया। बैठक के दौरान झारखंड आंदोलन के अमर सेनानी वीर शहीद निर्मल महतो के शहादत दिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यकताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर दो मिनट का मौन रखा। वक्ताओं ने कहा कि निर्मल महतो ने झारखंड की पहचान, स्वाभिमान और अधिकारों की लड़ाई में अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। उनके संघर्ष और विचार आज भी झारखंड के लोगों को जनहित, न्याय और समानता के लिए आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।

झामुमो जिला समिति की बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने को लेकर भी रणनीति तैयार की गई। कार्यकताओं से क्षेत्र में जनता से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाने और संगठन की गतिविधियों को अधिक प्रभावी बनाने का आह्वान किया गया। आगामी राजनीतिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों की तैयारियों पर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। जिला अध्यक्ष सोनाराम देवगम ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता झामुमो की विचारधारा और दिशोम गुरु शिबू सोरेन के संघर्ष एवं विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए पूरी निष्ठा से काम करें। उन्होंने संगठन को जमीनी स्तर पर और मजबूत बनाने तथा जनता के हितों से जुड़े मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभाने का निर्देश दिया। बैठक में जिला सचिव राहुल आदित्य, केंद्रीय सदस्य भुवनेश्वर महतो, मोनिका बोयपाई, निसार हुसैन, जिला उपाध्यक्ष प्रेम मुण्डरी, अशोक दास, संगठन सचिव चन्द्रमोहन बिरुवा, जिला संयुक्त सचिव बन्धना उरांव, हरिलाल करजी, विश्वनाथ बाड़ा, बिरसा कान्डे तियु, जिला प्रवक्ता बुधराम लागुरी, प्रेम गुप्ता, कश्मीर कान्डेयांग, रमेश बिरुवा, जीतू बारी, कैसर परवेज, सनातन पिंगुवा, लखन हेम्बरोम, ताराकान्त सिजुई, दुर्गा चरण देवगम, आनन्द करोवा, शशिभूषण पिंगुवा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

नहाने के दौरान तालाब में डूबी बच्ची, मौत

साहिबगंज: जिले के राजमहल थाना क्षेत्र अंतर्गत जामनगर, प्राण टोला गांव में शनिवार को नहाने के दौरान तालाब में डूबने से एक 10 वर्षीय बच्ची की मौत हो गई। परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार राजकुमार मंडल की पुत्री रूबी कुमारी (10) घर से कुछ दूरी पर तालाब में अपने परिजनों के साथ नहाने के लिए गई हुई थी इसी दौरान किसी तरह गहरे पानी में चली गई। आसपास में नहा रहे लोगों की नजर पढ़ते ही हो हल्ला होने लगा। तभी परिजनों एवं मोहल्ले वासियों की मदद से काफी खोजबीन के बाद उसे तालाब से निकाला गया और आनन फानन में इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल लाया गया। जहां ड्यूटी में मौजूद डॉक्टर सादिक अंसारी ने जांच करने के उपरांत मृत्य घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही थाना के एएसआई एस के तिर्की दलबल के साथ मौके पर पहुंच कर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं इस हृदय विदारक घटना से माता-पिता परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल था। गांव में मातम पसरा हुआ था।

मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत मतदान केंद्रों पर विशेष शिविर आयोजित

साहिबगंज: मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम-2026 के तहत दिनांक 08 एवं 09 अगस्त 2026 को जिले के सभी मतदान केंद्रों पर विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में 03 बरहेट विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी-सह-अपर समाहर्ता, विजय कुमार द्वारा बरहेट प्रखंड अंतर्गत विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मतदान केंद्र संख्या 171, 172, 184, 185, 186, 187, 190 एवं 192 का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने मतदान केंद्रों पर उपस्थित मतदाताओं से मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्यक्रम की जानकारी साझा करते हुए पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने तथा आवश्यक संशोधन कराने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि 01 अक्टूबर 2026 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले पात्र नागरिक नियमानुसार प्रपत्र-6 एवं घोषणा-पत्र के माध्यम से मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने हेतु आवेदन कर सकते हैं। साथ ही, मतदाता सूची में नाम, पता, मोबाइल नंबर अथवा अन्य विवरण में किसी प्रकार की त्रुटि होने पर प्रपत्र-8 के माध्यम से आवश्यक संशोधन कराया जा सकता है। उन्होंने सभी पात्र नागरिकों से विशेष शिविर का लाभ उठाते हुए मतदाता सूची में अपना नाम सुनिश्चित करने एवं त्रुटिपूर्ण प्रविष्टियों का सुधार कराने की अपील की। निरीक्षण के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी, बरहेट अंशु कुमार पाण्डेय सहित संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

किराना दुकान में चोरी करने पहुंचे तीन नाबालिक, बुजुर्ग दुकानदार को किया घायल

साहिबगंज: जिले के बरहरवा थाना क्षेत्र अंतर्गत झालदिग्घी झिकटिया चौक के समीप शुक्रवार की देर रात एक किराना दुकान में चोरी की घटना सामने आई है। चोरी के दौरान चोरों को पकड़ने का प्रयास कर रहे 78 वर्षीय बुजुर्ग दुकानदार पर धारदार हथियार से हमला कर उन्हें घायल कर दिया गया। घटना के बाद पुलिस ने तीन नाबालिक संदिग्धों को पकड़कर पूछताछ के लिए थाना लाया है। जानकारी के अनुसार झिकटिया चौक निवासी लक्खू प्रसाद गुप्ता (78), पिता स्वर्गीय ठाकुर प्रसाद गुप्ता, अपने घर में ही किराना दुकान संचालित करते हैं। शुक्रवार की रात करीब 1:30 बजे चोर दुकान के पिछले हिस्से से छप्पर की टाली हटाकर अंदर दाखिल हुए और दुकान में रखे सामानों को चोरी करने लगे। लक्खू प्रसाद ने बताया कि वे दुकान में ही सो रहे थे। इसी दौरान दुकान के अंदर हलचल की आवाज सुनकर उनकी नींद खुल गई। उन्होंने चोरों को पकड़ने का प्रयास किया। इस दौरान नाबालिक दो युवक भागने लगे, जबकि उन्होंने एक नाबालिक युवती को पकड़ लिया। बताया गया कि युवती के पकड़े जाने के बाद दोनों युवक वापस लौट आए और लक्खू प्रसाद पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में उनकी पीठ पर चोट आई, जिसके बाद वे घायल हो गए। चोर दुकान में रखे हजारों रुपये के सामान के अलावा करीब 10 हजार रुपये नकद भी लेकर फरार होने का प्रयास कर रहे थे। लक्खू प्रसाद के अनुसार, उन्होंने तीनों संदिग्धों में से एक नाबालिक युवती की पहचान कर ली है। उनके मुताबिक तीनों नाबालिग प्रतीत हो रहे थे। घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। सूचना मिलने के बाद तड़के सुबह पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन के बाद तीनों नाबालिक संदिग्धों को पकड़कर थाना ले गई। इधर, घायल लक्खू प्रसाद का इलाज कराया जा रहा है। खबर लिखे जाने तक घटना को लेकर थाना में आवेदन देने की प्रक्रिया चल रही थी। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

अवैध बालू परिवहन पर चौपारण पुलिस का शिकंजा, ट्रैक्टर जब्त

चौपारण : अवैध बालू के उठाव और परिवहन के खिलाफ चौपारण थाना पुलिस ने शनिवार को कार्रवाई करते हुए कठम्बा मोड़ के समीप अवैध बालू लदे एक ट्रैक्टर को जब्त किया। पुलिस की कार्रवाई की भनक लगते ही चालक ट्रैक्टर छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने वाहन को जब्त कर थाना लाया है और मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। क्षेत्र में लंबे समय से अवैध बालू उठाव और परिवहन को लेकर शिकायतें सामने आती रही हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, भगहर क्षेत्र की ढाढ़र नदी से कथित रूप से अवैध बालू का उठाव कर कठम्बा मार्ग के जरिए विभिन्न इलाकों में परिवहन किया जाता है। इससे सरकारी राजस्व को नुकसान के साथ-साथ नदी और पर्यावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका जताई जा रही है। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि कठम्बा मोड़ के अलावा मुख्य मार्गों और जीटी रोड पर भी नियमित जांच अभियान चलाया जाए, ताकि अवैध बालू परिवहन में शामिल वाहनों पर प्रभावी कार्रवाई हो सके। सूत्रों के अनुसार, ढाढ़र नदी के अलावा क्षेत्र की अन्य नदियों से भी अवैध बालू उठाव की शिकायतें मिल रही हैं। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। थाना प्रभारी पंकज कुमार ने बताया कि कठम्बा मोड़ के समीप अवैध बालू लदा ट्रैक्टर जब्त किया गया है। चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया।

जब से कंप्यूटर आया है, तब से बाहर जाकर खेलने की तो जैसे फुरसत ही नहीं मिलती तुम बच्चों को। पर क्या तुम जानते हो कि आउटडोर खेल तुम्हारे संपूर्ण विकास के लिए काफी महत्वपूर्ण हैं। क्या खेलोगे, किसके साथ और कब...यह सब आज हम तुम्हें बता रहे हैं।

बच्चों के संपूर्ण विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं आउटडोर खेल

घर के बाहर जाकर खेलने के काफी फायदे हैं। तुम अपने दोस्तों के और करीब आते हो, टीमवर्क समझ आता है और तुम खूब बढ़ते हो। आउटडोर खेल ऐसे नहीं होते जिन्हें सर्दी-गर्मी के हिसाब से खेला जाए। तुम किसी भी खेल को कभी भी खेल सकते हो। बैडमिंटन, फुटबॉल, क्रिकेट के अलावा कई पारंपरिक खेल भी खेल सकते हो।

ट्रेजर आइलैंड

डोरेमॉन में तुमने इसका नाम सुना होगा। वहां जाकर नोबिता और उसके दोस्त मस्ती करते हैं। लेकिन हम जिस ट्रेजर आइलैंड की बात कर रहे हैं, उसे अलग-अलग जगहों पर कई तरह के नामों से जाना जाता है। इस गेम में दो टीम बनानी होती हैं। इसमें पहली टीम किसी भी चीज को खजाना बना कर छुपा देती है। फिर पहली टीम, दूसरी टीम के लिए क्लू बनाती है। उन क्लूज को फॉलो करते हुए उस खजाने तक पहुंचना होता है। इसमें तुम टाइमिंग भी शामिल कर सकते हो। जो भी टीम खजाने को ढूंढ़ने में सफल हो जाती है, वह जीती हुई मानी जाती है।

छुपन-छुपाई

यह खेल सबसे पुराना है। तुम्हारे मम्मी-पापा ने भी इसे बचपन में जरूर खेला होगा। इसमें खूब सारे बच्चे एक साथ इकट्ठे होते हैं। एक बच्चे को डेन चुना जाता है। डेन चुनने के लिए तुम अक्कड़-बक्कड़ का सहारा ले सकते हो। फिर बाकी बचे सभी बच्चे अलग-अलग जगहों पर छुप जाते हैं और डेन उन्हें ढूंढ़ता है। जिस बच्चे को वह सबसे पहले ढूंढ़ लेता है, अगली बार उसे ही डेन बनना होता है। लेकिन एक को ढूंढ़ने से ही काम नहीं चलता। उसे सभी को ढूंढ़ना होता है। अगर कोई छुपा बच्चा पीछे से जाकर उसे धप्पा कर दे तो डेन को फिर दोबारा डेन बनना होता है।

स्टापू

इस खेल में जमीन में चौकोर बॉक्सेज डिजाइन कर दिए जाते हैं। फिर इनमें एक से दस तक गिनती लिखी जाती है। हर बच्चा एक-एक करके दस खानों में स्टापू फेंकता है। लंगड़ी करते हुए उस पत्थर तक पहुंचना होता है और उसे पैर से खिसकाते हुए वापस लाना होता है। इस गेम से ब्रीदिंग प्रैक्टिस होती है और हमारे पैर बेहद मजबूत होते हैं।

स्पाइंग गेम्स

ये चोर-पुलिस की तरह का गेम होता है। इसमें दो टीम होती हैं। एक टीम चोर बनती है तो दूसरी पुलिस। पुलिस वाली टीम चोर वाली टीम को खोज कर उसे कैद करती है।

क्रिकेट

इसका जन्म इंग्लैंड में हुआ था। क्रिकेट के पहले क्लब की स्थापना 1787 में हुई थी और पहला टैस्ट मैच 1877 में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच मेलबर्न में खेला गया था। शुरुआत में क्रिकेट में टैस्ट मैच ही खेला जाता था, वनडे मैच की शुरुआत 1971 में हुई। पहला वनडे मैच भी इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच ही खेला गया था। तुमने आईसीसी का नाम तो जरूर सुना होगा। आईसीसी का पूरा नाम इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल है। जितने भी अंतरराष्ट्रीय मैच होते हैं, सभी की रूपरेखा आईसीसी निर्धारित करती है और वर्ल्ड कप का आयोजन करती है। अब तक क्रिकेट का वर्ल्ड कप सबसे ज्यादा पांच बार ऑस्ट्रेलिया ने जीता है, वहीं भारत दो बार विश्व विजेता बना है।

हॉकी

हमारे देश भारत का राष्ट्रीय खेल हॉकी है। ब्लैकहीथ एबी एंड क्लब को हॉकी का पहला संगठित क्लब माना जाता है। इसकी स्थापना 1861 में हुई थी। हॉकी का पहला इंटरनेशनल मैच 1895 में वेल्स और इंग्लैंड के बीच खेला गया था और पहला वर्ल्ड कप 1971 में पाकिस्तान और स्पेन के बीच खेला गया था, जिसमें पाकिस्तान ने खिताब अपने नाम किया था। जानते हो, ओलंपिक में सबसे ज्यादा आठ बार भारत ने हॉकी का मैच जीता है।

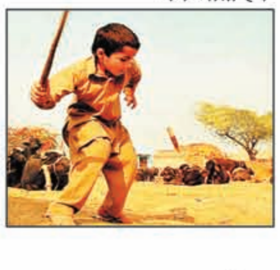

इसका पहला वर्ल्ड चैंपियनशिप मैच 1927 में खेला गया।

वॉलीबॉल

वॉलीबॉल का जन्मदाता यूएसए है। 1895 में इसकी शुरुआत हुई। वॉलीबॉल की प्रमुख संस्था इंटरनेशनल वॉलीबॉल फेडरेशन की स्थापना 1948 में हुई और पहला वर्ल्ड कप 1949 में हुआ। तो तुम भी खेलो इसे दोस्तों के साथ।

बास्केटबॉल

इस खेल का जन्म अमेरिका में हुआ था। 1891 में जेम्स नेस्मिथ नामक अमेरिकी ने इसे खेलना शुरू किया। पहला मैच 1930 में खेला गया। बास्केटबॉल की सर्वोच्च संस्था फेडरेशन इंटरनेशनल डे बॉस्केटबॉल एसोसिएशन 1932 में बनी।

पिट्टू

इस खेल में भी दो टीमें होती हैं। एक टीम पत्थरों से बने पिरामिड को बॉल से तोड़ती है और फिर से उस पिरामिड को बनाने की कोशिश करती है, जबकि दूसरी टीम पिरामिड बनाने वाली टीम के सदस्य को बॉल मार कर आउट करने की कोशिश करती है।

बैडमिंटन

ऐसा माना जाता है कि बैडमिंटन की शुरुआत भी इंग्लैंड में हुई। इसकी प्रमुख संस्था इंटरनेशनल बैडमिंटन फेडरेशन का गठन 1934 में किया गया।

फुटबॉल

तुममें से काफी बच्चों को फुटबॉल खेलना पसंद होगा। जानते हो इस खेल का जन्मदाता भी इंग्लैंड ही है। भारत में अंग्रेज इस खेल को लाए और यहां के लोगों को खेलना सिखाया। फुटबॉल का पहला क्लब 1857 में स्थापित किया गया। इसका नाम शेफील्ड फुटबॉल क्लब था। फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा है। फुटबॉल का पहला वर्ल्ड कप वर्ष 1930 में उरुग्वे और अर्जेंटीना के बीच खेला गया था, जिसमें उरुग्वे विजेता घोषित किया गया।

टेबल टेनिस

इस खेल का जन्म भी इंग्लैंड में ही हुआ था। वर्ष 1926 में इंटरनेशनल टेबल टेनिस एसोसिएशन की स्थापना हुई।

ये होंगे फायदे

आउटडोर गेम्स से हमें कई नए दोस्त मिलते हैं, जो हमारे घर के आसपास रहते हैं और जिनसे स्कूल आने-जाने, होमवर्क और इनडोर गेम्स में बिजी रहने की वजह से हम मिल नहीं पाते। इसके अलावा, बाहर निकल कर खेलने से पढ़ाई और आसपास की तमाम दूसरी चीजों के बारे में सीख सकते हो। सबसे बड़ा फायदा तो यह है कि आउटडोर गेम्स से तुम्हारा शरीर चुस्त रहेगा, भूख ज्यादा लगेगी और तुम बीमार भी नहीं पड़ोगे। इन गेम्स में कई ऐसे गेम्स भी हैं, जिनमें एक्सपर्ट होने पर तुम उस गेम की डिस्ट्रिक्ट, स्टेट और नेशनल टीम में चुने जा सकते हो, जैसे बैडमिंटन, कबड्डी, खो-खो, बास्केटबॉल। आउटडोर गेम्स से एक बेहतर कॅरियर भी मिल सकता है।

बनी कैसे ऊन?

दोस्तों, क्या तुमने कभी यह सोचा है कि जिस ऊन का स्वेटर पहन हम सर्दी से बचते हैं, वह बनी कैसे? जरूर वो इंसान बहुत ही बुद्धिमान होगा, जिसने भेड़ को देखकर उससे ऊन बनाने के प्रयोग करने के बारे में सोचा होगा। यह माना जाता है कि बुनने के लिए ऊन का ही सर्वप्रथम उपयोग प्रारंभ हुआ। ऊनी वस्त्रों के टुकड़े मिस्त्र बैबिलोन की कब्रों, पुरातन ब्रिटेन निवासियों के झोपड़ों के साथ मिले हैं। रोमन आक्रमण से पहले भी ब्रिटेन वासी इनका उपयोग करते थे। विंचेस्टर फैक्टरी ने ऊन का तरह-तरह से इस्तेमाल करना शुरू किया। इसके बाद इसका इंग्लैंड में खूब प्रयोग किया जाने लगा। हेनरी द्वितीय ने कानून, वस्त्रहाट और बुनकारी संघ बनाकर इस उद्योग को प्रोत्साहित किया। सन् 1788 में हार्टफोर्ड (अमेरिका) में जल-शक्ति-चालित ऊन फैक्टरी आरंभ हुई। ऊन सफेद, काले और भूरे रंग में ही मिलती है। पालतू भेड़ों की ऊन सफेद रंग की होती है। रंगीन ऊन सबसे अधिक पुरानी नस्ल की उन भेड़ों से मिली है, जो कालीन बुनने लायक मोटे किस्म की ऊन पैदा करती हैं।

नीदरलैंड में है दुनिया का पहला माइक्रोब जू

नीदरलैंड की राजधानी एम्सटर्डम में दुनिया का पहला माइक्रोब जू यानी सूक्ष्म जीव 'वाटिका' खुला है। माइक्रोपिया नामक इस जीव-जंतु वाटिका को शहर के उस जंतु पार्क 'आर्टिस' में खोला गया है जिसकी स्थापना 176 साल पहले हुई थी। यह दुनिया की सबसे पुरानी जीव-जंतु वाटिकाओं में से एक है।

140 वर्ष पुरानी इमारत में रखा एक खूबसूरत भूरे रंग का बक्सा बैक्टीरिया, फंगस, काई तथा अन्य एक कोशिका वाले जीवों का आवास है। ये वे जीव हैं जिन्हें नंगी आंखों से देखा नहीं जा सकता परंतु धरती पर जीवन इनसे ही संभव है। वैज्ञानिकों का विश्वास है कि सूक्ष्म जीवों में से केवल 1 प्रतिशत के बारे में ही आज तक इंसान जान सका है। कई लोगों के लिए सूक्ष्म जीव नफरत व भय की भावनाएं पैदा करते हैं। दरअसल, यह डर उस चीज से है जिसके बारे में उन्हें ज्यादा जानकारी नहीं है और लोगों के मन से सूक्ष्म जीवों के बारे में इसी डर को दूर करना इस जीव-जंतु वाटिका का पहला मकसद है। हेग कहते हैं कि यदि हम प्रकृति को जानना चाहते हैं तो हमें सूक्ष्म जीवों को भी जानना होगा। वैज्ञानिकों के अनुसार इंसान इन सूक्ष्म जीवों से बेशक नफरत करता हो लेकिन हर इंसान का शरीर अरबों सूक्ष्म जीवों का घर होता है। केवल इंसानों की एड़ी में ही 80 प्रकार के अलग-अलग सूक्ष्म जीव पाए जाते हैं। इस बात की पुष्टि के लिए यहां आने वाला हर व्यक्ति अपने शरीर का बॉडी स्कैन करवा कर देख सकता है।

चाहें तो यहां एक अन्य दिलचस्प तरीका भी है। एक जगह फर्श पर लाल रंग का दिल बना है। जैसे ही यहां खड़े होकर कोई जोड़ा एक-दूसरे का चुम्बन लेता है, करीब लगे 'किस' मीटर की स्क्रीन पर नम्बर बढ़ते जाते हैं, जब तक कि मीटर में से संदेश न आने लगे कि 'आप दोनों ने अभी 10 लाख सूक्ष्म जीवों का आदान-प्रदान किया है।' माइक्रोपिया में दिखाया जाता है कि सूक्ष्म जीव कैसे जीते हैं, कैसे भोजन करते हैं और कैसे प्रजनन करते हैं? बैक्टीरिया इतने छोटे होते हैं कि एक सूई की नोक पर 10 लाख बैक्टीरिया आराम से समा सकते हैं। डच विश्वविद्यालय के सूक्ष्म जीव विज्ञानी इन धारणाओं पर 12 साल से अधिक वक्त से माथापच्ची कर रहे हैं।

यहां उन सूक्ष्म जीवों को प्रदर्शित किया गया है जो कृत्रिम वातावरण में भी जीवित रह सकते हैं। खतरनाक बीमारियां फैलाने वाले एड्स वायरस जैसे सूक्ष्म जीवों को केवल मॉडल के रूप में प्रदर्शित किया गया है। सूक्ष्म जीवों को देखने के लिए यहां माइक्रोस्कोप के लैंस के साथ जोड़ा गया एक थ्री डी टैलीस्कोप है, जो नंगी आंखों से न दिखने वाले सूक्ष्म जीवों को हजार गुणा बड़ा करके दिखाता है।

इनका रखो ध्यान

- आउटडोर गेम्स के साथ इतनी सारी अच्छी बातें जुड़ी हैं, लेकिन फिर भी कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। इन बातों का ख्याल रखने पर ही आउटडोर गेम्स खेल कर भी तुम पढ़ाई को और परिवार को पूरा टाइम दे सकते हो।
- सबसे पहले तो खेलने के लिए ऐसी जगह चुनो, जो घर के आसपास हो, यानी जहां से घर वाले तुम्हें आवाज देकर बुला सकें। अगर आसपास खेलने की जगह नहीं है तो अपने पड़ोस के दोस्तों के साथ करीब की किसी जगह पर खेलने जा सकते हो, लेकिन रोज नहीं। और इस जगह के बारे में घर वालों को पता भी होना चाहिए।
- ऐसे दोस्तों के साथ खेलना शुरू करो, जिन्हें तुम पहचानते हो या जो तुम्हारे ही जैसे हों। बाहर खेलने का यह मतलब नहीं है कि तुम इनडोर गेम्स को पूरी तरह गुडबाय कह दो, क्योंकि एक तो इनसे भी तुम्हें काफी कुछ सीखने को मिलता है, दूसरे आउटडोर गेम्स रोज नहीं खेले जा सकते।
- ज्यादातर ऐसे गेम्स के लिए टीम की जरूरत पडम्ती है और कभी-कभी दोस्तों का बाहर आकर खेलने का मन नहीं होता। अगर इन सारी बातों का ध्यान रखोगे तो तुम्हें आउटडोर गेम्स के बहाने एक नई दुनिया देखने को मिलेगी। नए दोस्त बनेंगे, फिजिकल फिटनेस रहेगी और कई सारी नई बातें भी सीख सकोगे। तो फिर देर किस बात की है, तुम अपने आसपास के दोस्तों के साथ मिल कर गेम प्लान करो और खेलने के लिए तैयार हो जाओ।

नीरज चोपड़ा के बाद आशीष यादव ने रचा इतिहास, वर्ल्ड अंडर 20 में भारत को दिलाया सिल्वर

यूजीन (एजेंसी)। भारत के आशीष यादव ने वर्ल्ड एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया। यादव ने तीसरे प्रयास में 74.09 मीटर का थ्रो किया और भारत के लिए प्रतियोगिता का खाता खोला। इस प्रदर्शन के साथ वह नीरज चोपड़ा के बाद इस स्पर्धा में पदक जीतने वाले दूसरे भारतीय बन गए।

74.09 मीटर के थ्रो से जीता सिल्वर

19 वर्षीय आशीष यादव ने प्रतियोगिता के तीसरे दौर में 74.09 मीटर का शानदार थ्रो किया, जो उन्हें रजत पदक दिलाने के लिए पर्याप्त रहा। वह अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 74.49 मीटर से महज 40 सेंटीमीटर पीछे रहे। उन्होंने यह रिकॉर्ड इसी साल मार्च में पटियाला में इंडियन ओपन थ्रो प्रतियोगिता के दौरान बनाया था।

दक्षिण अफ्रीका के जान हेंड्रिक हेमैंस ने 80.50 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि डोमिनिका के एडिसन जेम्स ने 73.89 मीटर के थ्रो के साथ कांस्य पदक हासिल किया। भारत के ही टी. धरणीधरन 72.35 मीटर के प्रदर्शन के साथ छठे स्थान पर रहे।

नीरज चोपड़ा के बाद बने दूसरे भारतीय

आशीष की इस उपलब्धि ने उन्हें भारतीय एथलेटिक्स के इतिहास में खास जगह दिला दी है। वह नीरज चोपड़ा के बाद विश्व अंडर-20 चैंपियनशिप की पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में पदक जीतने वाले दूसरे भारतीय हैं। नीरज चोपड़ा ने 2016 में पोलैंड में आयोजित विश्व जूनियर चैंपियनशिप में 86.48 मीटर का थ्रो कर स्वर्ण पदक जीता था। उनका बनाया विश्व जूनियर रिकॉर्ड आज भी कायम है।

400 मीटर में मोहम्मद अशफाक आठवें स्थान पर

पुरुषों की 400 मीटर स्पर्धा में भारत के मोहम्मद अशफाक फाइनल में 46.20 सेकंड का समय निकालकर आठवें स्थान पर रहे। उन्होंने इससे एक दिन पहले हीट के पहले दौर में अंडर-20 राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा था। अमेरिका के जेडेन डेलोन ने 44.47 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि उनके हमवतन किंसी विल्सन ने 44.62 सेकंड में रेस पूरी कर रजत पदक हासिल किया। दक्षिण अफ्रीका के लीन्डर्ट के ने कांस्य पदक जीता।

पूजा सिंह ने ऊंची कूद के फाइनल में बनाई जगह

राष्ट्रीय सीनियर रिकॉर्डधारी पूजा सिंह ने महिलाओं की ऊंची कूद के फाइनल में जगह बना ली। उन्होंने क्वालीफिकेशन में 1.79 मीटर की ऊंचाई पार की। दोनों क्वालीफिकेशन ग्रुप से 1.79 मीटर या उससे अधिक की छलांग लगाने वाली एथलीटों ने फाइनल के लिए क्वालीफाई किया।

लंबी कूद में भी भारत को मिली सफलता

पुरुषों की लंबी कूद में भारत के शाहनवाज खान और जितिन अर्जुन ने भी फाइनल में जगह बनाई। शाहनवाज ने क्वालीफिकेशन ग्रुप ए में 7.79 मीटर की छलांग लगाई और कुल पांचवें स्थान पर रहे। वहीं, जितिन अर्जुन ने 7.57 मीटर की छलांग के साथ कुल 12वां स्थान हासिल किया। हालांकि, महिलाओं की भाला फेंक स्पर्धा में भारत की पूनम फाइनल में जगह नहीं बना सकीं। वह अपने क्वालीफिकेशन ग्रुप में आठवें और कुल मिलाकर 13वें स्थान पर रहीं।

हॉकी विश्व कप में इस बार नजर नहीं आयेगा कोई भारतीय अंपायर

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीदरलैंड और बेल्जियम में इसी माह 15 अगस्त से शुरू रहे हॉकी विश्व कप में इस बार एक भी भारतीय अंपायर नहीं दिखेगा। तीन दशकों के बाद ऐसा पहली बार होगा जब किसी भी भारतीय अंपायर या तकनीकी अधिकारी को विश्वकप के लिए नहीं रखा गया है। इससे देश में हॉकी अंपायरिंग के भविष्य और गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं। वहीं पूर्व अंतरराष्ट्रीय अंपायरों ने भी इसको लेकर चिन्ता जतायी है। । उनका मानना है कि अब हमें देश में घरेलू मुकाबलों में केवल अंपायरों की संख्या बढ़ाने की जगह पर उनकी गुणवत्ता और अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर पर भी ध्यान देना होगा।

गौरतलब है कि साल साल 1998 में नीदरलैंड में हुए विश्व कप के बाद से यह पहला अवसर होगा जब टूर्नामेंट में किसी भारतीय का नाम शामिल नहीं है। वहीं यूरोपीय देशों के काफी अंपायरों को इसमें जगह मिली है। इसमें चयन के लिए प्रदर्शन में निरंतरता और अनुभव महत्वपूर्ण हैं, और यहीं पर अब भारतीय अंपायर पिछड़ रहे हैं।

हॉकी इंडिया के पास भले ही अंपायरों की चार श्रेणियों में पुरुष वर्ग में 100 से अधिक और महिला वर्ग में 70 से अधिक अंपायर हैं पर एफआईएच पैनल में सक्रिय भारतीय अंपायरों की संख्या बेहद कम है। इसका कारण इस पेशे में वित्तीय सुरक्षा की कमी को बताया जा रहा है। अधिकतर अंपायरों के पास कोई स्थायी नौकरी नहीं है और उन्हें घरेलू टूर्नामेंटों से मिलने वाले वेतन पर निर्भर रहना पड़ता है। ऐसे हालातों में कोई भी अंपायिंग में आने को उत्सुक नहीं रहेगा। एक पूर्व अंपायर ने ककहा कि केवल संख्या बढ़ाने की जगह पर अंपायरों की गुणवत्ता और उन्हें पर्याप्त अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर देने पर ध्यान देना होगा। तभी वे घरेलू और अंतरराष्ट्रीय अंपायरिंग के बीच अंतर समझ सकेंगे।

आईपीएल 2027 में आस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों की भागीदारी पर मुश्किल फैसलों के संकेत

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के हेड कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने संकेत दिए हैं कि देश के प्रमुख टेस्ट क्रिकेटरों को अगले साल होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2027 में अपनी भागीदारी को लेकर मुश्किल फैसले लेने पड़ सकते हैं। टीम अपने अंतर्राष्ट्रीय कैलेंडर के सबसे व्यस्त दौर में से एक के लिए तैयारी कर रही है, जिसमें अगले 12 महीनों में 20 टेस्ट और 14 व्हाइट-बॉल अंतर्राष्ट्रीय मैच शामिल हैं। इसमें भारत में होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज और इंग्लैंड के खिलाफ एशेज श्रृंखला भी शामिल है। आईपीएल 2027 मार्च के मध्य से मई के अंत तक चलने की उम्मीद है, जो जून में संभावित विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल से ठीक पहले का समय है। मैकडोनाल्ड ने एक बातचीत में कहा कि आईपीएल उनके कई खिलाड़ियों के लिए मैनेजमेंट प्लान का हिस्सा है और उनका मानना है कि टी20 क्रिकेट की सबसे अच्छी प्रतियोगिता में अपने बेहतरीन खिलाड़ियों को खेलने का मौका देने से उनके प्रदर्शन में भी फायदा होता है। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इसमें संतुलन बनाना होगा। पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड, कैमरन ग्रीन और ट्रेविस हेड जैसे कई प्रमुख ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी वर्तमान में आईपीएल फ्रेंचाइजी से जुड़े हुए हैं। जोश इंग्लिस भी लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम का हिस्सा हैं। ऑस्ट्रेलिया के नियमित टेस्ट खिलाड़ियों द्वारा टूर्नामेंट से हटने या अपनी उपलब्धता सीमित करने का कोई भी फैसला फ्रेंचाइजी की प्लानिंग पर बड़ा असर डाल सकता है, खासकर खिलाड़ियों को रिटेन करने के मामले में। वर्कलोड पर होने वाली चर्चा में ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजों का मुद्दा अहम रहने की संभावना है।

मैकडोनाल्ड ने एक और व्यस्त अंतर्राष्ट्रीय चक्र से पहले तेज गेंदबाजों को रिकवरी के लिए पर्याप्त समय देने की आवश्यकता पर जोर दिया है। एशेज और वनडे विश्व कप ऑस्ट्रेलिया के मुख्य लक्ष्यों में शामिल हैं, जिससे खिलाड़ियों की फिटनेस और वर्कलोड प्रबंधन बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है।

भारत और श्रीलंका: पदिक्कल का शतक, स्टंप्स तक भारत 357/6, श्रीलंका से सिर्फ 6 रन पीछे

कोलंबो (एजेंसी)। भारत और श्रीलंका क्रिकेट XI के बीच खेले जा रहे तीन दिवसीय वॉर्म-अप मुकाबले के दूसरे दिन का खेल खत्म हो गया है। भारत ने दिन का अंत 90 ओवर में 357/6 के स्कोर पर किया और अब वह श्रीलंका XI के पहली पारी के स्कोर से सिर्फ 6 रन पीछे है। दिन की सबसे बड़ी सकारात्मक खबर देवदत्त पडिक्कल का शानदार शतक और रवींद्र जडेजा की उपयोगी पारी रही।

भारत ने दूसरे दिन की शुरुआत 0/1 से की थी और शुरुआती झटके के बाद पडिक्कल और केएल राहुल ने पारी को संभाला। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 96 रन की साझेदारी हुई। राहुल 40 रन बनाकर आउट हुए, लेकिन पडिक्कल ने अपना शानदार फॉर्म जारी रखते हुए 121 गेंदों में 103 रन की पारी खेली। उन्होंने 14 चौके लगाए और शतक पूरा करने के बाद रिटायर्ड आउट हुए।

पडिक्कल के रिटायर होने के बाद भारत को जल्दी-जल्दी ऋषभ पंत (2) और ध्रुव जुरेल (1) के विकेट गंवाने पड़े। हालांकि, रवींद्र जडेजा ने मोर्चा संभाला और शानदार 63 रन बनाए। जडेजा ने 117 गेंदों का सामना किया और उनके बल्ले से कई आकर्षक शॉट निकले। इसके बाद वह भी रिटायर्ड आउट हुए ताकि अन्य बल्लेबाजों को अभ्यास का मौका मिल सके।

मानव सुथार ने भी 41 रन की उपयोगी पारी खेली, लेकिन वह LBW होकर पवेलियन लौट गए। दिन के अंत में गुर्नूर ब्रार ने तेजी से रन बनाते हुए नाबाद 36 रन बनाए, जिसमें आखिरी ओवर में लगाए गए चार छक्के भी शामिल रहे। उनके साथ सरांश जैन क्रीज पर हैं।

इससे पहले श्रीलंका क्रिकेट XI ने पहले दिन 363/8 का स्कोर बनाया था। निशान मदुश्का ने 66 और रविंदु रसनथा ने 71 रन बनाए थे। भारत की ओर से रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव और मानव सुथार ने स्पिन से प्रभाव छोड़ा था। अब तीसरे दिन भारत की नजरें पहले श्रीलंका XI पर बढ़त लेने और अपने बल्लेबाजों को अधिक से अधिक मैच अभ्यास देने पर होंगी। शुबमन गिल उंगली की चोट के कारण वॉर्म-अप मैच में बल्लेबाजी नहीं कर रहे हैं, लेकिन टीम मैनेजमेंट को उम्मीद है कि वह 15 अगस्त से शुरू होने वाले पहले टेस्ट तक फिट हो जाएंगे।

संघर्ष से शिखर तक पहुंचीं मीराबाई चानू, विश्व वेटलिफ्टिंग की बनी मिसाल

नई दिल्ली । भारतीय महिला वेटलिफ्टर मीराबाई चानू की सफलता की कहानी संघर्ष, मेहनत और दृढ़ संकल्प का प्रेरणादायक उदाहरण है। साधारण परिवार में जन्मी मीराबाई ने आर्थिक कठिनाइयों और सीमित संसाधनों के बावजूद अपने हौसले के दम पर विश्व खेल जगत में अलग पहचान बनाई। कॉमनवेल्थ खेलों के इतिहास में लगातार तीन स्वर्ण पदक जीतने वाली वह दुनिया की पहली महिला वेटलिफ्टर बन चुकी हैं। 8 अगस्त 1994 को मणिपुर के इंफाल के निकट नोंगपोक काकचिंग में जन्मी मीराबाई बचपन से ही असाधारण शारीरिक क्षमता रखती थीं। वह जंगल से लकड़ियों के भारी गट्ठर उठाकर पहाड़ी रास्तों से घर तक लाती थीं। परिवार का खेलों से कोई संबंध नहीं था, लेकिन माता-पिता ने उनकी प्रतिभा को पहचानते हुए हमेशा उनका उत्साह बढ़ाया। शुरुआत में उनकी रुचि तीरंदाजी में थी, लेकिन भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र में वेटलिफ्टिंग का अभ्यास देखकर उन्होंने इसी खेल को अपना लक्ष्य बना लिया। वर्ष 2008 में मीराबाई ने मणिपुर स्पोर्ट्स अकादमी में प्रशिक्षण शुरू किया। आर्थिक तंगी इतनी थी कि अकादमी पहुंचने के लिए उन्हें कई बार बालू और पत्थर ढोने वाले ट्रकों से लिफ्ट लेकर सफर करना पड़ता था। घरेलू प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन के बाद उन्होंने 2014 के कॉमनवेल्थ खेलों में 48 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीतकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई। इसके बाद मीराबाई ने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

लंबे प्रारुप में खेलने की तैयारी में लगे वैभव, आरआर अकादमी में कर रहे अभ्यास

नागपुर । उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी अब लाल गेंद क्रिकेट में क्रिकेट में जगह बनाने के लिए नागपुर के पास तलेगांव स्थित राजस्थान रॉयल्स (आरआर) अकादमी में अभ्यास कर रहे हैं। इस अकादमी का अपना सेंटर ऑफ एक्सीलेंस भी है जिसमें वैभव लंबे प्रारुप के अनुसार अपने को ढालने में लगे हैं। वैभव ये अभ्यास सहायक कोच विक्रम राठौर की देखरेख में कर रहे हैं। वैभव के साथ ही कई अन्य उभरते हुए क्रिकेटर भी इसमें अभ्यास कर रहे हैं। वैभव ने अब तक सीमित ओवरों के टी20 प्रारुप में ही खेला है। 15 आईपीएल में आक्रामक बल्लेबाज के बाद उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी अवसर मिला। आईपीएल की तरह ही उन्होंने टी20 प्रारुप में भी जमकर रन बनाये। वैभव का कहन है कि उसे लंबे प्रारुप में भी खेलने में कोई परेशानी नहीं है। वैभव के अनुसार वह इस प्रारुप में भी सीमित ओवरों जितना ही सहज हैं। वर्तमान में फ्रेंचाइजी ने 10 दिन का विशेष कैंप आयोजित किया है, जिसमें वैभव के अलावा तुषार देशपांडे, संदीप शर्मा, शुभम दुबे, रवि सिंह और सुशांत मिश्रा जैसे उभरते खिलाड़ी अपना कौशल निखारने में लगे हैं। इसमें से वैभव और तुषार को आगामी दलीप ट्रॉफी में ईस्ट और वेस्ट जोन से खेलना है। लंबे प्रारुप वाला दलीप ट्रॉफी, 23 अगस्त से बेंगलुरु में शुरू होगा। वहीं फ्रेंचाइजी ने कहा है कि इस शिविर में व्यक्तिगत रूप से तैयार किए गए ट्रेनिंग प्रोग्राम के जरिए तकनीकी कौशल विकास, शक्ति और कंडीशनिंग, कार्यभार प्रबंधन, रिकवरी और प्रदर्शन विश्लेषण जैसी चीजें शामिल हैं। इसका लक्ष्य यह पक्का करना है कि खिलाड़ी शारीरिक और तकनीकी रूप से बेहतर होकर घरेलू सत्र के लिए तैयार रहे।

कैनेडियन ओपन में लेला फर्नांडीज ने मीरा आंद्रीवा को हराकर अंतिम 16 में जगह बनाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। कनाडा की टेनिस खिलाड़ी लेला फर्नांडीज ने कैनेडियन ओपन के महिला एकल मुकाबले के तीसरे दौर में रूस की मीरा आंद्रीवा को 6-1, 6-4 से हराकर अंतिम 16 में प्रवेश किया है। यूएस ओपन 2021 के फाइनल तक का सफर तय करने वाली फर्नांडीज के लिए यह जीत इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि उन्होंने दुनिया की टॉप-10 खिलाड़ियों के खिलाफ अपनी लगातार सात हार का सिलसिला तोड़ा। इस जीत के साथ, फर्नांडीज ने अपने देश के इस खास टूर्नामेंट में अपने अब तक के सबसे अच्छे नतीजे की बराबरी की है और अब उनका मुकाबला पूर्व यूएस ओपन विजेता और जापान की खिलाड़ी नाओमी ओसाका से होगा।

फर्नांडीज, जो 30वीं रैंकिंग पर हैं, ने पांचवीं वरीयता प्राप्त आंद्रीवा के खिलाफ मात्र 1 घंटे 21 मिनट में यह शानदार जीत दर्ज की।

यह एक साल से भी ज्यादा समय में किसी टॉप-10 खिलाड़ी के खिलाफ उनकी पहली जीत है; पिछली बार उन्होंने मुबाडाला डीसी ओपन में विश्व की नंबर 4 खिलाड़ी जेसिका पेगुला को मात दी थी। मैच में फर्नांडीज ने शुरुआती बढ़त बनाते हुए 6-1, 5-1 तक का स्कोर आसानी से हासिल कर लिया था। हालांकि, 20 वर्षीय आंद्रीवा ने वापसी करते हुए आठवें गेम में 0-30 से पिछड़ने के बावजूद गेम अपने नाम किया और स्कोर 5-4 कर दिया। लेकिन 5-4 के स्कोर पर फर्नांडीज की सर्विस के दौरान आंद्रीवा का 0-15 पर फोरहैंड शॉट चूकना निर्णायक साबित हुआ और फर्नांडीज ने तीन अंक बाद ही जीत पक्की कर ली। मैच के बाद फर्नांडीज ने अपनी रणनीति का खुलासा करते हुए कहा, मेरे लिए सबसे जरूरी था सकारात्मक रहना, मजबूत बने रहना और सब्र रखना। मुझे पता था कि वह आसानी से अंक नहीं देने वाली थीं। शुरुआत में कई लंबी रैलियां हुईं और मेरे लिए महत्वपूर्ण था कि मैं डटी रहूं, अपनी काबिलियत पर भरोसा रखूं और पूरे मैच के दौरान अपना गेम खेलती रहूं। मैच के आंकड़े भी उनकी सधी हुई रणनीति का समर्थन करते हैं। आंद्रीवा ने पहले सेट में 19 और पूरे मैच में कुल 34 अनफोर्स्ड एरर किए, जो उनके 17 विनर्स से दोगुने थे। वहीं, फर्नांडीज ने आठ विनर्स लगाए और केवल सात अनफोर्स्ड एरर किए, जिससे उनकी निरंतरता और सटीकता स्पष्ट होती है। अब फर्नांडीज राउंड ऑफ 16 में नाओमी ओसाका (11वीं वरीयता प्राप्त) से भिड़ेंगी, जिन्होंने एलिस मर्टेंस को 6-1, 6-4 से हराया था।

रियल मैड्रिड ने 2032 तक बढ़ाया विनिसियस जूनियर का अनुबंध, क्लब के साथ जारी रहेगा लंबा सफर

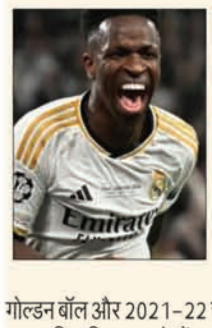

नई दिल्ली । ब्राजील के स्टार फुटबॉलर विनिसियस जूनियर ने स्पेन के दिग्गज क्लब रियल मैड्रिड के साथ अपना अनुबंध जून 2032 तक बढ़ा लिया है। क्लब ने आधिकारिक बयान जारी कर इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि दोनों पक्ष नए समझौते पर सहमत हो गए हैं। इस फैसले के साथ ही पिछले कई महीनों से उनके संभावित ट्रांसफर को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लग गया है। हाल के समय में स्पेनिश मीडिया में ऐसी खबरें सामने आई थीं कि विनिसियस क्लब छोड़ सकते हैं और इंग्लैंड के क्लब आर्सेनल की उन पर नजर है। हालांकि नए अनुबंध के बाद साफ हो गया है कि वह आने वाले वर्षों में भी रियल मैड्रिड की योजनाओं का अहम हिस्सा बने रहेंगे। नए सत्र में उनके साथ किलियन एम्बाप्पे, बर्नार्डो सिल्वा और डियोमांडे जैसे खिलाड़ी टीम के आक्रमण को मजबूती देंगे। वहीं मजबूत फॉरवर्ड लाइन के कारण एंड्रिक और ब्राहिम डियाज के भविष्य को लेकर चर्चाएं तेज हो सकती हैं। विनिसियस ने वर्ष 2018 में 18 वर्ष की उम्र में रियल मैड्रिड का दामन थामा था। आठ सत्रों में उन्होंने क्लब के लिए 375 मुकाबले खेले और 128 गोल किए। इस दौरान उन्होंने टीम को दो यूईएफए चैंपियंस लीग, तीन क्लब विश्व कप, दो यूईएफए सुपर कप, तीन ला लीगा, एक कोपा डेल रे और तीन स्पेनिश सुपर कप सहित कुल 14 बड़े खिताब जिताने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पिछले दो चैंपियंस लीग फाइनल में उनके गोल टीम की सफलता के लिए निर्णायक साबित हुए। व्यक्तिगत उपलब्धियों में भी विनिसियस का रिकॉर्ड शानदार रहा है। उन्हें वर्ष 2024 का द बेस्ट फीफा मेंस प्लेयर पुरस्कार मिला। इसके अलावा इंटरकॉन्टिनेंटल कप 2024 में गोल्डन बॉल, 2023-24 चैंपियंस लीग के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी, 2022 क्लब विश्व कप के गोल्डन बॉल और 2021-22 चैंपियंस लीग के सर्वश्रेष्ठ युवा खिलाड़ी का सम्मान भी मिल चुका है। वह फीफा वर्ल्ड इलेवन, फीफा प्रो वर्ल्ड इलेवन और चैंपियंस लीग टीम ऑफ द सीजन में भी कई बार शामिल किए जा चुके हैं। नए अनुबंध के साथ रियल मैड्रिड ने स्पष्ट कर दिया है कि विनिसियस जूनियर आने वाले वर्षों में भी क्लब की भविष्य की रणनीति के केंद्र में रहेंगे।

जमशेदपुर एफसी के खिलाड़ियों ने टाटा समूह से टीम भंग करने के फैसले पर पुनर्विचार करने कहा

कोलकाता । जमशेदपुर एफसी के इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) से हटने और अपनी सीनियर टीम को भंग करने के फैसले से भारतीय फुटबॉल जगत सदमें में है। इस घोषणा के बाद से ही क्लब के खिलाड़ी हताश हैं और उन्होंने टाटा समूह से अपने फैसले पर फिर से विचार करने की अपील की है। खिलाड़ियों के अनुसार ये कदम केवल एक टीम के बंद होने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसका सीधा प्रभाव भारतीय फुटबॉल के भविष्य के साथ ही उभरती हुई प्रतिभाओं पर पड़ेगा। भविष्य और अनगिनत युवा खिलाड़ियों के सपनों पर पड़ेगा। गौतरतलब है कि जमशेदपुर एफसी ने इस हाल ही में कहा था कि वह 4 सितंबर से शुरू होने वाले सुपर लीग सत्र में भाग नहीं लेगी। यह घोषणा क्लब द्वारा लीग भागीदारी शुल्क जमा करने की तय समय सीमा निकल जाने के कुछ ही समय बाद की गई थी। इस फैसले के साथ ही क्लब की सीनियर टीम को भंग करने की भी घोषणा कर दी गयी जिससे खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ के भविष्य पर संशय के बादल छा गये हैं। इस फैसले से निराश क्लब के अनुभवी मिडफील्डर प्रणय हल्दर ने कह कि उन्हें टाटा समूह से ऐसी उम्मीदें नहीं थी। उन्होंने बेहद भावुक अपील करते हुए कहा, यह मेरे लिए बेहद हैरान करने वाली खबर थी। टाटा समूह से ऐसी उम्मीद नहीं थी। मैं उनसे अनुरोध करता हूं कि वे अपना फैसला बदलें और लीग में हिस्सा लें। हल्दर ने साथ ही कहा कि इस क्लब से उनकी कई यादें जुड़ी हैं और उन्हें पूरी उम्मीद है कि समू के प्रमुख इस फैसले पर दोबारा विचार करेंगे। उन्होंने साथ ही कहा कि आईएसएल उभरतते हुए खिलाड़ियों के लिए एक बहुत बड़ा मंच है, और इसके बंद होने से कई प्रतिभाओं का भविष्य खराब हो जाएगा। वहीं पूर्व अंतरराष्ट्रीय फुटबॉलर अल्बिनो गोम्स ने भी क्लब को बंद करने के फैसले पर नाराजगी जतायी। उन्होंने इस मुद्दे को केवल एक क्लब का मामला मानने से इनकार करते हुए कहा कि यह भारतीय फुटबॉल के भविष्य से जुड़ा हुआ है। गोम्स ने अपनी अपील में कहा, इस क्लब को बंद करना मुझे बिल्कुल स्वीकार नहीं है। मैं टाटा समूह से अपील करता हूं कि वे अपने फैसले पर पुनर्विचार करें। यह सिर्फ एक या दो साल की बात नहीं है, बल्कि भारतीय फुटबॉल के भविष्य का सवाल है। इसके अलावा मिडफील्डर निखिल बारला ने भी टाटा समूह और टाटा स्टील के शीर्ष अधिकारियों से कहा कि वे युवा खिलाड़ियों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए अपने फैसले पर फिर विचार करें। उन्होंने कहा कि यह फैसला कई उभरते हुए सितारों के सपनों को तोड़ सकता है और भारतीय फुटबॉल को नुकसान पहुंचा सकता है। अब देखना है कि टाटा समूह इसको लेकर क्या कदम उठाता है।

ऋषभ पंत टेस्ट क्रिकेट में 100 छक्के पूरे करने वाले पहले भारतीय बनने के करीब

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत श्रीलंका के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज के दौरान एक बड़ी उपलब्धि हासिल करने के करीब हैं। वह टेस्ट क्रिकेट में 100 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय बनने से सिर्फ तीन छक्के दूर हैं। भारत और श्रीलंका के बीच 15 अगस्त से होने वाली टेस्ट सीरीज में ऋषभ पंत के बतौर विकेटकीपर-बल्लेबाज खेलने की संभावना है, जबकि तीन दिवसीय प्रैक्टिस मैच में ध्रुव जुरेल विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। भारत और श्रीलंका के बीच गाले में अगला शनिवार को पहला टेस्ट मैच शुरू होगा। ऋषभ पंत ने अगस्त 2018 में इंग्लैंड के खिलाफ ट्रेंट ब्रिज में टेस्ट डेब्यू किया था। अपने आठ साल के करियर के दौरान, उन्होंने 50 टेस्ट खेलते हुए अब तक कुल 97 छक्के लगाए हैं। वह वर्तमान में टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज हैं। श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के दौरान ऋषभ पंत की नजरें टेस्ट में 100 छक्के पूरा करने पर होंगी। उनको इस आंकड़े तक पहुंचने के लिए सिर्फ तीन छक्कों की जरूरत है, और अगर वह ऐसा कर पाते हैं, तो वह टेस्ट में 100 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन जाएंगे।

इस समय दुनिया भर में केवल एडम गिलक्रिस्ट, ब्रेंडन मैकुलम और बेन स्टोक्स ने ही टेस्ट क्रिकेट में 100 से अधिक छक्के लगाए हैं। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान बेन स्टोक्स टेस्ट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में शीर्ष पर हैं। उन्होंने 2013 से 2026 के बीच 122 टेस्ट मैचों में 138 छक्के लगाए हैं। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर न्यूजीलैंड के पूर्व बल्लेबाज ब्रेंडन मैकुलम हैं, जिन्होंने 101 टेस्ट में 107 छक्के मारे हैं। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज विकेटकीपर-बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट टेस्ट में 100 छक्के लगाने वाले पहले बल्लेबाज रहे थे। उन्होंने 1999 से 2008 के बीच 96 मैचों में 100 छक्के लगाए थे। पंत ने अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट में शानदार पारी खेली थी, जिसमें उन्होंने 121 गेंद में 81 रन बनाए और अपनी पारी में 6 चौके और 3 छक्के लगाए। हाल के दिनों में घरेलू मैदान पर न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखलाओं में भारतीय बल्लेबाजों की सबसे बड़ी कमजोरी बेहतर स्पिन गेंदबाजी के सामने उजागर हुई थी। श्रीलंका के पास विशेष रूप से घरेलू परिस्थितियों में प्रभावी स्पिन आक्रमण है। ऐसे में, पंत की आक्रामक शैली और यह संभावित रिकॉर्ड टीम के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

एमिलियो गे चोटिल, पाकिस्तान टेस्ट सीरीज से पहले इंग्लैंड की मुश्किल बढ़ी

नई दिल्ली । पाकिस्तान के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज से पहले इंग्लैंड क्रिकेट टीम को एक बड़ा झटका लगा है। टीम के सलामी बल्लेबाज एमिलियो गे डरहम के लिए खेलते हुए अपना दाहिना कंधा चोटिल कर बैठे, जिसके बाद उन्हें मैदान से रिटायर हर्ट होना पड़ा। यह चोट इंग्लैंड की तीन मैचों की टेस्ट सीरीज से ठीक पहले लगी है, जिसके पहले दो मैचों के लिए टीम घोषित हो चुकी है। एमिलियो गे की चोट की गंभीरता का पता लगाने के लिए अब उनका स्कैन किया जाएगा। यदि चोट गंभीर पाई जाती है, तो इंग्लैंड को पाकिस्तान सीरीज के लिए एक नए सलामी बल्लेबाज की तलाश करनी होगी। डरहम के लिए खेलते हुए, जब उन्होंने 17 गेंदों पर 9 रन बनाए थे, तभी उन्हें चोट लगी और उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा। टीम के एक प्रवक्ता ने पुष्टि की है कि गे इस मैच में आगे हिस्सा नहीं लेंगे।

अमित शाह एफसीआरए और विपक्ष हंगामें की तैयारी में जुटा

लोकसभा में 3 दिन बेहद अहम!

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मॉनसून सत्र के आखिरी हफ्ते में एफसीआरए संशोधन विधेयक को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच टकराव बढ़ने के आसार हैं। कांग्रेस ने शुक्रवार को तीन लाइन का व्हिप जारी कर अपने सभी लोकसभा सांसदों को 10, 11 और 12 अगस्त को सदन में अनिवार्य रूप से मौजूद रहने का निर्देश दिया है। विपक्षी गठबंधन के अन्य दल भी अपने सांसदों की उपस्थिति सुनिश्चित करने की तैयारी में हैं। माना जा रहा है कि केंद्रीय मंत्री अमित शाह एफसीआरए बिल पेश करने की तैयारी कर रहे है तो विपक्ष हंगामे के लिए कमर कस रहा है।

एफसीआरए संशोधन विधेयक 10 या 12 अगस्त को लोकसभा में पेश किए जाने की संभावना है। गृह मंत्रालय से जुड़े इस विधेयक पर विपक्ष की नजर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी पर भी है। विपक्ष मॉनसून सत्र की शुरुआत से ही 20 जुलाई को संसद मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों पर हुई पुलिस कार्रवाई के मुद्दे पर गृह मंत्री से सदन में बयान देने की मांग कर रहा है। इस मुद्दे पर सदन में कई बार गतिरोध हो चुका है। कांग्रेस ने अपने सहयोगी दलों से भी अगले सप्ताह सदन में पूरी ताकत के साथ मौजूद रहने को कहा है। पार्टी का आरोप है कि सरकार एफसीआरए विधेयक के जरिए छात्रों के विरोध जैसे मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश कर सकती है। समाजवादी पार्टी ने विपक्ष के सामूहिक एजेंडे का समर्थन करने की बात कही है। पार्टी ने संकेत दिया है कि जरूरत पड़ने पर वह भी व्हिप जारी कर सकती है। तृणमूल कांग्रेस ने भी अपने सांसदों को सोमवार से सदन में मौजूद रहने के निर्देश दिए हैं। एफसीआरए विधेयक को लेकर सबसे बड़ी चिंता इसके उस प्रस्तावित प्रावधान को लेकर है, जिसके तहत विदेशी अंशदान का पंजीकरण समाप्त होने वाले संगठनों की संपत्तियों पर सरकार द्वारा नामित प्राधिकरण को अधिकार मिल सकता है। खासकर ईसाई संगठनों ने इस प्रावधान पर आपत्ति जताई है। हालांकि, सरकार की ओर से संकेत दिया गया है कि विधेयक में कोई दंडात्मक पूर्वव्यापी प्रावधान नहीं होगा। मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने भी गृह मंत्री से मुलाकात कर विधेयक को लेकर चिंता जताई थी। उनके मुताबिक, उन्हें आश्वासन दिया गया है कि विधेयक में पूर्वव्यापी प्रावधान शामिल नहीं होगा। इस बीच, संसद का मॉनसून सत्र 13 अगस्त को समाप्त होना है। फिलहाल इसकी अवधि बढ़ाने का कोई प्रस्ताव नहीं है। राज्यसभा के सभापति और उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने भी संसदीय कार्य मंत्री से विपक्ष की भावनाओं से गृह मंत्री को अवगत कराने और सदन में उनकी मौजूदगी के अनुरोध पर विचार करने को कहा है।

आप ने ई-20 फ्यूल के खिलाफ देशभर में शुरु कीं टाउन हॉल बैठकें

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी ने ई-20 फ्यूल के खिलाफ देशव्यापी अभियान शुरू करने का ऐलान किया है। पार्टी शनिवार 8 अगस्त से अलग-अलग राज्यों में टाउन हॉल बैठकों का आयोजन कर रही है। पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस अभियान की जानकारी दी है। संजय सिंह ने बताया है, कि पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने उन्हें और दिल्ली इकाई के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज को विभिन्न राज्यों में टाउन हॉल आयोजित करने की जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने कहा कि अभियान की शुरुआत पश्चिम बंगाल से हो रही है। इसके बाद 9 अगस्त को गुजरात और हरियाणा में टाउन हॉल बैठकें आयोजित की जाएंगी। 11 अगस्त को तेलंगाना, 14 अगस्त को महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश तथा 15 अगस्त को केरल में कार्यक्रम प्रस्तावित है। 16 अगस्त को तमिलनाडु, बिहार और ओडिशा में बैठकें होंगी। अभियान का अगला चरण 17 अगस्त को हिमाचल प्रदेश और छत्तीसगढ़ में आयोजित किया जाएगा। आप ई-20 ईंधन को लेकर लोगों के बीच चर्चा और जागरूकता बढ़ाने के साथ सरकार की ईंधन नीति पर सवाल उठा रही है। पार्टी का कहना है कि ई-20 को लेकर वाहन मालिकों की चिंताओं और इसके संभावित प्रभावों पर देशभर में चर्चा की जरूरत है। ई-20 पेट्रोल में 20 प्रतिशत तक एथेनॉल मिलाया जाता है। सरकार इसे घरेलू जैव ईंधन को बढ़ावा देने और पेट्रोलियम आयात पर निर्भरता कम करने की नीति का हिस्सा बताती है। वहीं विपक्षी दल इसके प्रभावों को लेकर सवाल उठा रहे हैं।

बंद घर से मिला महिला का कंकाल, एक साल पहले मौत की आशंका

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु के बगलगुंटे इलाके में एक डुप्लेक्स मकान से 52 वर्षीय महिला का कंकाल मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस को आशंका है कि महिला की मौत करीब एक साल पहले हुई थी। मामला हवनूर लेआउट का है, जहां दक्षायिनी नाम की महिला अकेली रहती थीं। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, करीब एक साल से दक्षायिनी के घर कोई नहीं आया था। लंबे समय तक घर बंद रहने और महिला के किसी से संपर्क में नहीं होने के बावजूद मामले की जानकारी समय रहते सामने नहीं आ सकी। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि उनकी मौत किन परिस्थितियों में हुई। जांच में सामने आया है कि दक्षायिनी के पति उमेश की करीब 10 साल पहले मौत हो गई थी। इसके बाद उनके बेटे की भी कैंसर से मौत हो गई थी। पति और बेटे की मौत के बाद वह कथित तौर पर डिप्रेशन से जूझ रही थीं और घर में अकेली रह रही थीं। पुलिस ने बताया कि पिछले करीब एक साल के दौरान दक्षायिनी की बेटी और दामाद भी उनके घर नहीं आए थे। इसी वजह से लंबे समय तक उनके अकेले रहने की स्थिति बनी रही। पुलिस ने शव के अवशेषों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। मौत की सही वजह जानने के लिए फोरेंसिक जांच और अन्य साक्ष्यों की मदद ली जा रही है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि महिला की मौत प्राकृतिक कारणों से हुई या इसके पीछे कोई अन्य वजह थी।

सांसद पप्पू यादव पर हमला करने वाले बीजेपी नेताओं का जोरदार स्वागत

-सपा प्रमुख अखिलेश बोले- बीजेपी में जारी है दोषियों के स्वागत की परंपरा

बुलंदशहर (एजेंसी)। बिहार के बाहुबली सांसद पप्पू यादव पर हमला करने वाले आरोपियों का यूपी के बुलंदशहर में जोरदार स्वागत किया गया। शुक्रवार को जमानत पर रिहा होकर बाहर आए बीजेपी नेताओं ने दोनों पर फूल बरसाए। दोनों ने खुली जीप में रोड शो किया। वहीं सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने दोनों आरोपियों के स्वागत पर सवाल उठाए और बीजेपी सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि बीजेपी में अपराधियों की बलिहारी होती है, दोषियों के स्वागत की परंपरा जारी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सुमित गिरी, हैप्पी शर्मा का ढोल-नगाड़ों के बीच बीजेपी जिलाध्यक्ष और पार्टी कार्यकर्ताओं ने मालाएं पहनाकर स्वागत किया। बारिश में भीगते हुए डांस भी किया। परिवार वालों ने दोनों को गले लगा लिया। सुमित बीजेपी का नगर मंत्री है। वहीं, हैप्पी मंडल महामंत्री है। बता दें सांसद पप्पू यादव ने 31 जुलाई को संसद में साधु के वेश में चंदा चोरी का नाटक किया था। इसके बाद लखनऊ समेत कई शहरों में उनके खिलाफ विरोध प्रदर्शन हुए थे। एक हिंदूवादी ने उनका सिर कलम करने वाले को 51 लाख रुपए का इनाम देने का ऐलान किया था। इस बीच, 2 अगस्त को बुलंदशहर के रहने वाले सुमित ने अपने साथी हैप्पी के साथ मिलकर पप्पू यादव पर हमला कर दिया था। उस दौरान पप्पू यादव ने सुमित को दबोच लिया था, जबकि उनके समर्थकों ने हैप्पी की जमकर पिटाई की थी। फिर दोनों को पुलिस के हवाले कर दिया था।

दिल्ली के बीचों-बीच होने वाले प्रदर्शनों से पूरे शहर को बंधक क्यों बनाया जाना चाहिए : कोर्ट

सीजेपी बोली- हमसे जंतर-मंतर नहीं छीने, पुलिस वैकल्पिक स्थान की अनुमित दे सकती है

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन और आंदोलन करने पर सवाल उठाए। कोर्ट ने कहा कि दिल्ली के बीचों-बीच होने वाले प्रदर्शनों के कारण पूरे शहर को बंधक क्यों बनाया जाना चाहिए। दरअसल कोर्ट 'ऑल इंडिया दलित क्रिश्चियन राइट्स प्रोटेक्शन कमेटी' की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिकाकर्ता ने प्रदर्शन की अनुमति मांगी थी। हाईकोर्ट की इस टिप्पणी के कुछ घंटों बाद कॉकरोच जनता पार्टी ने भी रिएक्शन दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीजेपी ने कहा कि हमसे जंतर-मंतर नहीं छीना जाना चाहिए। याचिका में दिल्ली पुलिस को 10 अगस्त को सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन की अनुमति देने का निर्देश देने की मांग की गई थी। संगठन ने यह भी कहा कि यदि जंतर-मंतर नहीं तो दिल्ली पुलिस किसी वैकल्पिक स्थान की अनुमति भी दे सकती है। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को शनिवार तक अनुमति पर फैसला लेने को कहा। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस नजदीक है और संबंधित इलाके में निषेधाज्ञा लागू है, इसलिए अनुमति नहीं दी जा रही। इसी बीच हाईकोर्ट की टिप्पणियों पर सीजेपी ने रिएक्शन दिया। पार्टी प्रवक्ता सौरव दास ने एक्स पर लिखा कि इंडिया गेट पहले ही धरना-प्रदर्शनों के लिए बंद किया जा चुका है और अब जंतर-मंतर नहीं छीना जाना चाहिए।

15 अगस्त पर खालिस्तानी ग्रुप पंजाब के कई हिस्सों में हमले की बना रहे योजना

नई दिल्ली (एजेंसी)। 15 अगस्त से पहले पंजाब को हाई अलर्ट पर रखा है। एजेंसियों का कहना है कि खालिस्तान समर्थक तत्व उस दिन हमला करने की फिराक में होंगे। खुफिया ब्यूरो के एक अधिकारी ने बताया कि खालिस्तानी ग्रुप पंजाब के कई हिस्सों में हमले की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह लंबे समय से इसकी तैयारी कर रहे थे। खालिस्तान समर्थक आतंकी ग्रुप सांकेतिक हमला करना चाहता है इसलिए उन्होंने 15 अगस्त का दिन चुना है क्योंकि वह भारत के राष्ट्रीय पर्व पर दुनिया का ध्यान आकर्षित कराना चाहेंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह चेतावनी पंजाब में खालिस्तान मूवमेंट को फिर से शुरू करने के लिए आईएसआई की बड़ी कोशिशों के बीच आई है। भारत और कनाडा द्वारा गैंगस्टर-आतंकवादी नेटवर्क पर ताबड़तोड़ कार्रवाई के कारण, ये ग्रुप बैकफुट पर आ गए हैं। बेचैनी बढ़ रही है, यही कारण है कि वे पंजाब में कुछ गलत करने की सोच रहे हैं। अधिकारी ने कहा कि बैन किए गए संगठन, सिख्स फॉर जस्टिस (एसएफजे) की गतिविधियों पर भी कड़ी नजर रखी जा रही है। बैन किए गए संगठन का चीफ, गुरपतवंत सिंह, आजकल सोशल मीडिया पर सक्रिय है।

बिहार में शराबबंदी के बाद भी नहीं थमे महिलाओं के खिलाफ अपराध

-एनसीईआर की रिपोर्ट में कहा- शराब बिक्री पर लगी पाबंदी खत्म कर देनी चाहिए

पटना (एजेंसी)। बिहार में शराबबंदी के बावजूद महिलाओं के खिलाफ अपराधों में कमी नहीं आई है। राष्ट्रीय अनुप्रयुक्त आर्थिक अनुसंधान परिषद (एनसीईआर) एक शोध पत्र में दावा किया गया है। इस पत्र के मुताबिक 2016 में राज्य में लागू हुई शराबबंदी से महिलाओं के खिलाफ हिंसा नहीं थमी है बल्कि राज्य को आबकारी राजस्व का भारी नुकसान हुआ है इसलिए शराब की बिक्री और इसके सेवन पर लगी पाबंदी खत्म कर देनी चाहिए। शराबबंदी खत्म करने की यह सिफारिश 'बिहार के विकास का व्यापक परिप्रेक्ष्य- उपलब्धियां, अधूरे कार्य और आगे की राह' शीर्षक वाली रिपोर्ट का हिस्सा है। यह रिपोर्ट 2005 के बाद बिहार की विकास यात्रा का आकलन करती है और सुधार के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को रेखांकित करती है।

एनसीईआर की रिपोर्ट में कहा गया है कि शराबबंदी से पहले शराब पर लगने वाला आबकारी शुल्क राज्य के राजस्व का एक अहम स्रोत था। शराबबंदी से ठीक पहले के तीन सालों में यह कुल राजस्व का 14 फीसदी था। रिपोर्ट में लेखकों ने कहा कि शराबबंदी लागू करने के लिए जरूरी निगरानी और तस्करी-रोधी अभियानों पर होने वाले खर्च में भारी इजाफा हुआ है जिससे राज्य का राजकोषीय घाटा और बढ़ गया। एनसीईआर के कार्यक्रम में कहा गया कि बिहार में शराबबंदी पूरी तरह खत्म कर देनी चाहिए। इससे समाज को कोई खास फायदा नहीं हुआ है। शराब की बिक्री से प्राप्त होने वाला राजस्व कुल राजस्व का 14 से 15 फीसदी था। यह एक बहुत बड़ा नुकसान है।

एनसीआरबी के वर्ष 2012 से 2024 तक के आंकड़ों का हवाला देते हुए रिपोर्ट में कहा गया है कि बिहार में महिलाओं के खिलाफ दर्ज अपराधों में वृद्धि हुई है। हालांकि, लेखकों का यह भी कहना है कि इस बढ़ोतरी का कुछ हिस्सा अपराधों की संख्या बढ़ने के बजाय ऐसे मामलों की अधिक जानकारियां सामने आने का भी संकेत हो सकता है। हालांकि, लेखकों का तर्क है कि महिलाओं के खिलाफ अपराधों की बिहार की आधिकारिक दर वर्ष 2022 में प्रति लाख आबादी पर लगभग 15, जबकि राष्ट्रीय औसत लगभग 31 है। असल सुरक्षा के बजाय कम रिपोर्टिंग को दिखाती है। उनके मुताबिक एनएफएचएस-5 डेटा के अनुसार हिंसा का शिकार होने वाली 82 फीसदी महिलाओं ने कभी भी किसी अधिकारी को इसकी सूचना नहीं दी और केवल 2 फीसदी ने पुलिस से संपर्क किया।

अध्ययन के मुताबिक बिहार में बहुआयामी गरीबी वर्ष 2015-16 में 51.9 फीसदी से घट कर 2019-21 में 33.8 फीसदी रह गई जिससे अनुमानित 2.25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकल आए। इसके बावजूद बिहार में प्रत्येक तीन में एक व्यक्ति कई तरह से सुविधाओं से वंचित है जो भारतीय राज्यों में सबसे ज्यादा अनुपात है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में भारत के पूर्व कार्यकारी निदेशक सुरजीत भल्ला ने कहा कि हालांकि यह राजनीतिक रूप से सही है मगर ज्यादातर अर्थशास्त्री बहु-आयामी गरीबी सूचकांक को एक उपयोगी विश्लेषणात्मक जरिया नहीं मानते हैं।

'शेख हसीना की प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारत की कोई भूमिका नहीं'

-बांग्लादेश की आपत्ति पर नई दिल्ली का दो टूक जवाब

-विदेश मंत्रालय ने कहा- भारत किसी भी मंच पर दिए गए बयानों का समर्थन नहीं करता

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की भारत में आयोजित वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस को लेकर बांग्लादेश की आपत्ति के बाद भारत ने अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। विदेश मंत्रालय ने साफ कहा है कि इस प्रेस कॉन्फ्रेंस के आयोजन में भारत सरकार की कोई भूमिका नहीं थी। साथ ही, प्रेस कॉन्फ्रेंस में शेख हसीना की ओर से बांग्लादेश की मौजूदा सरकार को लेकर की गई टिप्पणियों से भारत ने खुद को अलग कर लिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को मीडिया ब्रीफिंग के दौरान कहा कि भारत किसी भी ऐसे मंच पर व्यक्त किए गए विचारों का समर्थन नहीं करता। उन्होंने विशेष रूप से उन टिप्पणियों से दूरी बनाई, जो बांग्लादेश की मौजूदा सरकार के संबंध में की गई थीं। जायसवाल ने कहा कि भारत बांग्लादेश के साथ अपने संबंधों को आगे बढ़ाने और द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। दरअसल, शेख हसीना की वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस भारत में आयोजित होने के बाद बांग्लादेश ने इस पर आपत्ति जताई थी। ढाका की ओर से इस घटनाक्रम को लेकर चिंता व्यक्त किए जाने के बाद नई दिल्ली ने यह स्पष्ट किया कि कार्यक्रम से भारत सरकार का कोई संबंध नहीं था। भारत के इस रुख को दोनों देशों के बीच संवेदनशील संबंधों के बीच महत्वपूर्ण माना जा रहा है। विदेश मंत्रालय के बयान से यह संदेश देने की कोशिश की गई है कि भारत बांग्लादेश के आंतरिक राजनीतिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करता और दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने को प्राथमिकता देता है।

जेन-जी आंदोलन और उपचुनाव में हार से बीजेपी को लगा बड़ा झटका

-जेन-जी की बात और आरएसएस प्रमुख की टिप्पणी पर थरूर ने दी प्रतिक्रिया

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई में जेन-जी और जेन-अलफा के साथ बातचीत और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की टिप्पणियों पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि मुझे लगता है कि सत्ताधारी पार्टी को निश्चित रूप से बड़ा झटका लगा है। हमने न केवल कॉकरोच जनता पार्टी का विरोध प्रदर्शन, एक मंत्री का इस्तीफा और इन सबके कारण जल्दबाजी में पास किया गया बिल देखा है, बल्कि अब हम दो उपचुनाव भी देख रहे हैं।

शशि थरूर ने कहा कि प्रशांत किशोर ने बीजेपी की सबसे सुरक्षित सीट पर कब्जा कर लिया है, एक ऐसी सीट जिसे बीजेपी तीन दशकों से ज्यादा समय से जीत रही थी, नौ बार उन्होंने वह सीट जीती थी, लेकिन अब वे उस सीट पर हार गए हैं। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस ने मध्य प्रदेश में दतिया सीट पर अपनी जीत बरकरार रखी है। ये दोनों ही हिंदी भाषी राज्य हैं। मेरा मानना है कि अच्छी संभावना है। सौभाग्य से हमारे सिस्टम में अलग-अलग समय पर ये चुनाव होते रहते हैं। अगले मार्च में कुछ राज्यों में चुनाव होने वाले हैं, जहां कांग्रेस उन राज्यों को जीतने में पूरी तरह सक्षम हो सकती है।

बता दें मुंबई में संघ प्रमुख मोहन भागवत ने जेन-जी से संवाद किया था, संवाद में संघ प्रमुख का कहना था कि जेन-जी और जेन-अल्फा, पुरानी पीढ़ी से भी ज्यादा देशभक्त और ईमानदार है। हमें उनकी बात सुननी चाहिए। उनसे बातचीत में कमी थी, इसीलिए दिल्ली के जंतर-मंतर पर आंदोलन हुआ। भागवत ने दिल्ली में 20 जुलाई को छात्रों के प्रदर्शन के कुछ दिन बाद कहा था कि आज की नई पीढ़ी बहुत सारे सवाल पूछती है। थरूर ने स्वीकार किया कि कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की तरफ से हाल ही में हुए छात्र प्रदर्शनों में उठाए गए मुद्दे कांग्रेस के छात्र आउटरीच कार्यक्रम छात्रों की गूंज का ही हिस्सा थे।

उन्होंने बेबाकी से माना कि कांग्रेस का अभियान युवाओं और जेन-जी के बीच वैसी गूंज या प्रतिक्रिया हासिल करने में नाकाम रहा, जैसी सीजेपी के प्रदर्शन को मिली। मुंबई में एक संवाद कार्यक्रम में थरूर ने पार्टी के लिए आत्ममंथन की जरूरत पर जोर दिया। क्या हम जेन-जी की नब्ज पकड़ने में चूक गए? जंतर-मंतर पर हुए सीजेपी के प्रदर्शनों का जिक्र करते हुए थरूर ने कहा कि सीजेपी ने जंतर-मंतर पर जिन मुद्दों को उठाया, उन्हें हम बहुत पहले ही उठा चुके थे। हमारा छात्रों की गूंज कार्यक्रम चल रहा था, जिसके तहत राहुल गांधी खुद पेपर लीक के मुद्दों पर छात्रों को संबोधित कर रहे थे, लेकिन हमें खुद से यह सवाल पूछना होगा कि हमसे कहां चूक हुई? क्या हम छात्रों को ठीक से सुन नहीं पाए? क्या जेन-जी की नब्ज पर हमारी पकड़ ढीली रह गई थी?

नेहा बोरा पर स्याही फेंकने की घटना से उठा सुरक्षा पर सवाल

-जांच और कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। आइसा की अध्यक्ष नेहा बोरा ने खुद पर स्याही फेंके जाने की घटना को लेकर सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि भारी पुलिस बल की मौजूदगी के बावजूद एक व्यक्ति महिला प्रदर्शनकारियों तक कैसे पहुंच गया, इसकी जांच होनी चाहिए। बोरा ने झारखंड सरकार से छात्रों की मांगों पर गंभीरता से विचार कर उन्हें स्वीकार करने की अपील भी की।घटना को लेकर बोरा ने प्रशासन से जवाबदेही तय करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन के आसपास पर्याप्त संख्या में सुरक्षाकर्मी तैनात थे, इसके बावजूद संदिग्ध व्यक्ति महिलाओं के बीच पहुंच गया और स्याही फेंककर निकल गया।

उन्होंने पूरे घटनाक्रम की आधिकारिक जांच और दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। बोरा के मुताबिक, स्याही फेंकने वाले व्यक्ति की पहचान अमरनाथ पांडे के रूप में हुई है। उन्होंने दावा किया कि वह 26 वर्षीय हजारीबाग निवासी और आरएसएस से जुड़ा व्यक्ति है। बोरा ने कहा कि पुलिस और प्रशासन को स्पष्ट करना चाहिए कि सुरक्षा घेरे के बावजूद वह प्रदर्शन स्थल के उस हिस्से तक कैसे पहुंचा, जहां महिला प्रदर्शनकारी मौजूद थीं। उन्होंने देशभर में चल रहे छात्र आंदोलनों का जिक्र करते हुए कहा कि छात्रों में अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करने का मजबूत जज्बा है। उनके मुताबिक, विरोध-प्रदर्शनों ने यह संदेश दिया है कि लगातार संघर्ष के जरिए अपनी मांगों को सरकार तक पहुंचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि झारखंड के छात्रों ने भी आंदोलन की ऊर्जा को बनाए रखा है और सरकार को उनकी समस्याएं सुनकर समाधान की दिशा में कदम उठाना चाहिए।

संगठन ने भी घटना की निंदा करते हुए कहा कि महिला कार्यकर्ताओं पर उस समय स्याही फेंकी गई, जब वे सरकारी भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक के मुद्दे पर जवाबदेही की मांग कर रही थीं। संगठन के मुताबिक, प्रदर्शनकारी जेपीएससी और जेएसएससी से जुड़े कथित पेपर लीक मामलों को लेकर सरकार से कार्रवाई की मांग कर रहे थे।संगठन ने आरोप लगाया कि प्रदर्शन में शामिल होने को लेकर पहले से ही कुछ समूहों की ओर से विरोध और अभियान चलाया जा रहा था। उसने घटना को इसी माहौल से जोड़ते हुए दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।नेहा बोरा ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से छात्रों की मांगों पर तत्काल ध्यान देने और पूरे मामले का समाधान निकालने की अपील की है।

जैसे ही विमान रनवे की तरफ बढ़ा आई जोरदार आवाज, पायलट ने वापस लौटाया

-सभी यात्रियों को सुरक्षित उतारा, 4 घंटे इंतेजार के बाद विमान दिल्ली हुआ रवाना

लुधियाना (एजेंसी)। लुधियाना के हलवारा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से दिल्ली जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट उड़ान नहीं भर सकी। विमान रनवे की तरफ बढ़ रहा था, तभी अचानक उसमें से तेज आवाज सुनाई दी। आवाज सुनते ही पायलट ने विमान को आगे ले जाने के बजाय वापस एप्रन पर ले जाकर खड़ा कर दिया। तकनीकी खराबी सामने आने के बाद सभी यात्रियों को विमान से उतारकर सुरक्षित टर्मिनल बिल्डिंग तक पहुंचाया। इसके बाद विमान की जांच की गई और जरूरी प्रक्रिया पूरी होने के बाद फ्लाइट को करीब 4 घंटे की देरी से दिल्ली रवाना किया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस घटना के कारण यात्रियों को एयरपोर्ट पर काफी देर तक इंतजार करना पड़ा। हालांकि, एयर इंडिया और एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के अधिकारियों ने तकनीकी खराबी और विमान में आई तेज आवाज के बारे में कोई जानकारी देने से इनकार कर दिया। यह पहली बार नहीं है, जब हलवारा से जुड़ी एयर इंडिया की उड़ान प्रभावित हुई हो। कुछ दिन पहले भी दिल्ली से हलवारा आ रही फ्लाइट को 10 हजार फीट की ऊंचाई से वापस दिल्ली लौटना पड़ा था। उस दिन भी खराब मौसम के कारण विमान को लैंडिंग से पहले दो चक्कर लगाने पड़े थे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि 7 अगस्त को दोपहर 2:40 बजे दिल्ली के लिए फ्लाइट यात्रियों को लेकर एप्रन से रनवे की ओर बढ़ रहा था। तभी विमान में आगे की ओर से तेज आवाज आई। आवाज आते ही उड़ान रोक दी गई और विमान को वापस एप्रन पर लाया गया। यात्रियों को कर्मचारियों ने बताया कि फ्लाइट में तकनीकी गड़बड़ी आई है। इसके साथ ही दिल्ली में हो रही तेज बारिश और खराब मौसम के कारण भी उड़ान संचालन रोकने की सलाह दी गई थी। इन दोनों कारणों से टेकऑफ टाल दिया गया। विमान में 50 यात्री सवार थे। 4 घंटे की देरी की बात सुनकर 30 यात्रियों ने यात्रा रद्द कर दी और घर लौट गए। वहीं 20 यात्री इंतजार करते रहे और शाम 7 बजे विमान दिल्ली रवाना हुआ।

शांति और लंबित मुद्दों के समाधान की दिशा में आगे बढ़ना चाहते हैं भारत-चीन

-दोनों देशों के बीच हुई सीमा मामलों पर परामर्श एवं समन्वय तंत्र की 36वीं बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और चीन के बीच लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवाद के बावजूद रिश्तों में धीरे-धीरे सकारात्मक बदलाव दिखाई देने लगे हैं। नई दिल्ली में आयोजित भारत-चीन सीमा मामलों पर परामर्श एवं समन्वय तंत्र की 36वीं बैठक ने साफ संकेत दिया है कि दोनों देश बातचीत के जरिए सीमा पर शांति बनाए रखने और लंबित मुद्दों के समाधान की दिशा में आगे बढ़ना चाहते हैं।

हालांकि भारत ने एक बार फिर साफ कर दिया कि द्विपक्षीय संबंधों में वास्तविक प्रगति तभी संभव है, जब एलएसी पर पूरी तरह शांति और स्थिरता बनी रहे। यही वजह है कि सीमा प्रबंधन, सैन्य समन्वय, सीमा निर्धारण, ट्रांस-बॉर्डर नदियों और पारंपरिक व्यापार जैसे सभी अहम मुद्दों पर भारत ने अपने राष्ट्रीय हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ मजबूती से रखा। बता दें नई दिल्ली में आयोजित बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव सुजीत घोष ने किया, जबकि चीनी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व चीन के विदेश मंत्रालय के सीमा एवं समुद्री मामलों की महानिदेशक होउ यानची ने किया।

रिपोर्ट के मुताबिक दोनों देशों ने एलएसी की मौजूदा स्थिति की समीक्षा करते हुए इस बात पर सहमति जताई कि सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता ही द्विपक्षीय संबंधों के समग्र विकास की सबसे अहम आधारशिला है। दोनों पक्षों ने यह भी तय किया कि किसी भी गलतफहमी या सैन्य गलत आकलन से बचने के लिए राजनयिक और सैन्य स्तर पर स्थापित सभी संवाद तंत्रों का निरंतर इस्तेमाल किया जाएगा। स्थानीय कमांडर स्तर की बैठकों और डब्ल्यूएमसीसी जैसे मंचों को आगे भी सक्रिय बनाए रखने पर सहमति बनी।

यह बैठक ऐसे समय हुई है जब दोनों देशों के बीच सीमा पर व्यावहारिक सहयोग भी धीरे-धीरे बहाल हो रहा है। छह सालों के अंतराल के बाद उत्तराखंड के लिपुलेख और हिमाचल प्रदेश के शिपकी ला दर्रे से पारंपरिक सीमा व्यापार दोबारा शुरू होना इसी दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। चीन ने शुरुआती चरण में सीमित संख्या में व्यापारियों को अनुमति दी है, लेकिन यह पहल दोनों देशों के बीच विश्वास बहाली की प्रक्रिया का प्रतीक मानी जा रही है। इससे पहले दोनों देश नाथू ला समेत तीन अधिकृत व्यापारिक मार्गों को चरणबद्ध तरीके से खोलने पर भी सहमत हो चुके हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक विदेश सचिव विक्रम मिसरी की हालिया चीन यात्रा ने भी इस कूटनीतिक प्रक्रिया को नई गति दी। बीजिंग में उन्होंने चीन के वरिष्ठ नेताओं के साथ व्यापक वार्ता कर पीएम मोदी और राष्ट्रपति शी चिनफिंग की उस साझा सोच को आगे बढ़ाने पर चर्चा की, जिसके मुताबिक भारत और चीन प्रतिस्पर्धी होने के साथ-साथ विकास के अवसरों में साझेदार भी बन सकते हैं।

उल्लेखनीय है कि पिछले साल पीएम मोदी भी एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए चीन गए थे, जहां दोनों देशों के बीच उच्चस्तरीय संवाद को आगे बढ़ाने की दिशा में अहम चर्चा हुई थी। सामरिक दृष्टि से देखें तो भारत की नीति अब पहले से कहीं ज्यादा संतुलित और परिपक्व दिखाई देती है। एक ओर भारत सीमा पर सैन्य तैयारियों, आधारभूत ढांचे और निगरानी क्षमता को लगातार मजबूत कर रहा है, वहीं दूसरी ओर वह संवाद के सभी वैध माध्यम खुले रखकर यह संदेश भी दे रहा है कि शांति उसकी प्राथमिकता है, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा से कोई समझौता स्वीकार नहीं होगा। यही संतुलित रणनीति भारत को वैश्विक मंच पर एक जिम्मेदार और आत्मविश्वासी शक्ति के रूप में स्थापित करती है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**